खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । मंगलवार, 16 जून, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 10 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-164

राम जपना-माल अपना

अयोध्या मंदिर में 200 करोड़ का चढ़ावा चोरी?

अयोध्या, 15 जून (एजेंसियां)।

अयोध्या के श्रीराम मंदिर के दानपात्रों से चढ़ावे की चोरी ने सबको चौंका दिया है। शुरुआती अनुमानों के मुताबिक, यह चोरी 200 करोड़ रुपए से ज्यादा की हो सकती है। नोटों की गिनती से जुड़े करीब 50 कर्मचारी संदेह के घेरे में हैं। पुलिस और जांच एजेंसियों ने अब तक 5 कर्मचारियों से करीब 2 करोड़ रुपए की नकदी, एक कार और 3 आईफोन बरामद किए हैं।

4 दिन पहले दिल्ली से एक आईपीएस अफसर अयोध्या पहुंचे। उन्हें एक स्पेशल विमान लेकर आया था। वह भी श्रीराम जन्मभूमि परिसर में ट्रस्ट के पदाधिकारियों के साथ बातचीत करके रिपोर्ट तैयार कर रहे हैं। वहीं, इसकी जांच के लिए शासन ने एक विशेष जांच समिति (सीट) का गठन कर दिया है। सीट 15 दिन में अपनी रिपोर्ट देगी।

रामलला के गर्भगृह और दर्शन पथ के पास रखे दानपात्रों से जो भी नकदी निकाली जाती है, उसे राम जन्मभूमि परिसर के अंदर ही बने एक गोपनीय कक्ष में ले जाया जाता है। सुरक्षा कारणों से इस कमरे की सटीक स्थिति को बेहद गुप्त रखा जाता है। इस कमरे में बाहरी लोगों का प्रवेश पूरी तरह वर्जित होता है।

चढ़ावे की गिनती के लिए कुल 50 कर्मचारियों की मौजूदगी इस कमरे में रहती थी। ये कर्मचारी 3 तरह के हैं-

1) 24 कर्मचारी: नोट गिनकर उनके बंडल बनाते हैं। ये कर्मचारी प्राइवेट एजेंसी के जरिए ट्रस्ट ने रखे हैं।

2)12 कर्मचारी: ये ट्रस्ट के हैं, जो इन 24 कर्मचारियों पर नजर रखते हैं। यानी 1 कर्मचारी के हिस्से में निगरानी के लिए 2 कर्मचारी थे।

3)14 कर्मचारी: इनमें एसबीआई के कर्मचारी और टीसीएस की ऑडिट टीमों के सदस्य होते हैं।

एजेंसी की तरफ से रखे गए कर्मचारियों में ज्यादातर को हर महीने 14,500 रुपए वेतन मिलता है। ट्रस्ट के साथ जुड़े कर्मचारियों में कुछ ऐसे हैं, जो बिना वेतन सेवा देते हैं।

पूरे मामले की शुरुआत, तब हुई जब इन कर्मचारियों में शामिल अनुकल्प मिश्रा, लवकुश, राजेश पाठक, रामशंकर उर्फ टिन्नू यादव, केडी तिवारी, मनीष यादव, करुण, रितिक सिंह, श्रीवास्तव और मौर्य पिछले 5 साल में करोड़पति हो गए।

इनकी लाइफस्टाइल बदल गई। महंगी गाड़ियां और जमीनें खरीद लीं। जो कर्मचारी सिर्फ वेतन पर गुजर बसर कर रहे थे, ये लोग उनके निशाने पर आ गए। जब मंदिर प्रशासन में उनकी सुनवाई नहीं हुई, तो रामकोट मोहल्ले के एक कर्मचारी ने इस चोरी की चर्चा को सार्वजनिक कर दिया। ये बात अयोध्या की गलियों से होते हुए अखिलेश यादव तक पहुंच गई। अब ये देशभर की सुर्खियों में छा गया है।

टिन्नू यादव: 50 करोड़ की संपत्ति

श्रीराम मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय के सहयोगी रामशंकर यादव उर्फ टिन्नू की अयोध्या और लखनऊ में करीब 50 करोड़ रुपए की चल-अचल संपत्तियां सामने आई हैं।

टिन्नू अयोध्या में ऑटो चलाता था। खुद एक मोटर साइकिल से चलता था। उसका पुश्तैनी मकान राम मंदिर से 1.5 किमी दूर स्वर्गद्वार इलाके में है। जहां इस वक्त उनके भाई रहते हैं। यहां बातचीत में सामने आया कि टिन्नू का एयरपोर्ट के पास हॉस्टल है, जिसमें 70 कमरे हैं।

अयोध्या के अलग-अलग 3 रेस्टोरेंट में उसकी पार्टनरशिप है। लखनऊ में एक मकान है, यहां एक फॉर्च्यूनर कार है। नाका इलाके में भी 2 मंजिला मकान है, जिसमें हॉस्टल बनाया हुआ है। टिन्नू से मंदिर परिसर के ही पीसीएफ यात्री सुविधा केंद्र में पूछताछ हुई है।

टिन्नू के भतीजे मनीष से 36 लाख कैश मिला

श्री राम जन्मभूमि परिसर के अंदर अपने प्रभाव का इस्तेमाल करके टिन्नू यादव ने अपने भतीजे मनीष यादव की नियुक्ति करवा दी। वह भी रुपयों की गणना के काम से जुड़ा हुआ था। मनीष स्वर्गद्वार इलाके के पुश्तैनी घर में रहता है। चोरी खुलकर सामने आने के बाद मनीष को भी मंदिर परिसर के ही पीसीएफ यात्री सुविधा केंद्र में रखा गया है। चर्चा है कि उसकी बताई जगह से 36 लाख रुपए कैश मिला है।

केडी तिवारी: दान में आए सोना सभालता था

राम मंदिर में दान में चढ़ने वाले सोने-चांदी के जेवरों को संभालने की जिम्मेदारी केडी तिवारी की है। वह भी संदेह के घेरे में हैं। पीसीएफ यात्री सुविधा केंद्र में ट्रस्ट के सदस्यों के सवालों के जवाब दे चुके हैं। इन्होंने 1.5 करोड़ रुपए की जमीन खरीदी है, ये जांच के केंद्र में है। आरोप ये भी है कि केडी तिवारी ने 5 करोड़ रुपए की संपत्ति जुटाई है। वह अयोध्या के गौरन का पुरवा के रहने वाले हैं। इस मामले में कहते हैं- मेरी जिम्मेदारी मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं के दान किए गए सोने-चांदी के गहनों को तौलकर दानदाता को रसीद देने की थी। फिर उन गहनों को ट्रस्ट के जिम्मेदार अधिकारियों तक सुरक्षित पहुंचा देता था। इसके आगे गहनों के साथ क्या प्रक्रिया अपनाई जाती है, इसकी मुझे कोई जानकारी नहीं है। उन्होंने कहा- मैं विद्या भारती के सरस्वती शिशु मंदिर में कई जिलों में टीचर रहा। मेरा बड़ा बेटा भारतीय वायुसेना में अधिकारी पद से रिटायर होने के बाद वर्तमान में इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) में है। दूसरा बेटा सेना से रिटायर होकर यूपी पुलिस में सब-इंस्पेक्टर है। ▶8पर

डील पूरी-बात अधूरी

शुक्र है कि खुल जाएगा होर्मुज, 60 दिन में निपटेगा परमाणु

तेहरान/वॉशिंगटन डीसी, 15 जून (एजेंसियां)।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि ईरान के साथ समझौता पूरी तरह साइन हो चुका है। जी7 समिट के लिए फ्रांस पहुंचे ट्रम्प ने राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ बातचीत में कहा कि हॉर्मुज स्ट्रेट आंशिक रूप से खुल चुका है और शुक्रवार तक पूरी तरह खोल दिया जाएगा।

ट्रम्प ने कहा कि ईरान के साथ बातचीत अच्छी रही, लेकिन बीच में अमेरिका को दो रात सैन्य कार्रवाई करनी पड़ी। उन्होंने कहा, हमारी ईरान के साथ बहुत अच्छी बन रही थी। मुझे दुःख हुआ कि हमें दो रात के लिए वापस जाकर हमला करना पड़ा। उधर, रॉयटर्स के मुताबिक एक वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारी ने बताया कि ट्रम्प, उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और ईरानी संसद अध्यक्ष मोहम्मद बाघेर गालिबाफ समझौते पर डिजिटल साइन कर चुके हैं। अधिकारी ने कहा कि समझौते का पूरा ब्योरा अगले 24-48 घंटे में जारी किया जाएगा, जबकि सप्ताह के अंत में तकनीकी स्तर की बातचीत शुरू होगी। ईरान-अमेरिका के बीच हुए समझौते का पूरा दस्तावेज अभी जारी नहीं किया गया है। ईरान के उप विदेश मंत्री काजेम गरीबाबादी ने कहा है कि एमओयू पर हस्ताक्षर होने के बाद शुरू होने वाली 60 दिन की अमेरिका-ईरान की बातचीत इस बात पर निर्भर करेगी कि अमेरिका पहले अपने तीन वादे पूरे करता है या नहीं।

गरीबाबादी के मुताबिक अमेरिका को तीन कदम उठाने होंगे- 1. नौसैनिक नाकेबंदी खत्म करना, 2. युद्ध और सभी सैन्य कार्रवाइयों को रोकना, 3. ईरान के फ्रीज्ड फंड जारी करना।

अब फ्री नहीं रहेगा होर्मुज, एमओयू में लेबनान

ईरान और अमेरिका के बीच एक बड़ा समझौता होने वाला है। इसे एमओयू कहते हैं। इस पर जल्द ही जेनेवा में दस्तखत होंगे। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बक़ाई ने इस पूरे मामले पर खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि इस समझौते में क्या-क्या है, ईरान की क्या शर्तें हैं, और अमेरिका को क्या देना होगा। साथ ही अमेरिकी उपराष्ट्रपति वेंस ने भी इस पर अपनी बात रखी।

▶8पर

अग्रवाल समाज तेलंगाना

मुख्यालय पर कब्जे की कोशिश नाकाम

हैदराबाद, 15 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अग्रवाल समाज तेलंगाना का राघव रत्ना टावर्स, आबिड्स स्थित मुख्यालय आज शाम फिर से जंग का मैदान बन गया, हालांकि पुलिस के हस्तक्षेप के बाद जैसे-तैसे स्थिति तो शांत हुई, लेकिन वर्चस्व की लडाई के चलते तनाव बना हुआ है। दरअसल, समाज के मंत्री विशाल केशान, उपाध्यक्ष रूपेश अग्रवाल और कोषाध्यक्ष अचल गुप्ता के कथित गुट ने यह दावा करते हुए मुख्यालय को अपने कब्जे में लेने का प्रयास किया कि उनके पास रजिस्ट्रार कार्यालय का नवीनतम आर्डर है, जिसके अनुसार विगत 11 अप्रैल को आहूत ईजीएम में पारित सभी निर्णय त्रुटिपूर्ण है, अत: उनकी बर्खास्तगी सहित कार्यकारी अध्यक्ष पद पर श्री नरेंद्र गोयल की नियुक्ति आदि अप्रभावी हो गये।

हालांकि बार-बार पूछने पर भी बडी संख्या में मुख्यालय को कब्जाने की पूरी तैयारी से आये गुट ने कोई स्पष्ट आदेश नहीं बताया। कार्यालय में पहले से मौजूद कुछ पदाधिकारियों व कर्मचारियों के साथ तीखी बहस और विगत में घटी अप्रिय घटना को देखते हुए तत्काल पुलिस बुलाई गयी। आबिड्स थानेदार की समझाईश पर कब्जा जमाने आए गुट को बेरंग लौटना पडा। इस पूरे घटनाक्रम की जानकारी देते हुए समाज के एक वरिष्ठ पदाधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर कहा कि जब तक अदालत व संबंधित प्राधिकरण से स्पष्ट /लिखित आदेश नहीं आ जाते, तब तक किसी को भी जबरन कब्ज़ा करने की कोशिशों से बाज आना चाहिए।

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 36^0
न्यूनतम : 27^0

कॉकरोच को थप्पड़!

अभिजीत ने दिया दिल्ली चलो नारा

जयपुर, 15 जून (एजेंसियां)।

जयपुर में कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के फाउंडर अभिजीत दीपके को युवकों ने थप्पड़ मारे हैं। इसके बाद पार्टी के समर्थकों ने उनमें से दो युवकों को पकड़कर पीट दिया। थप्पड़ मारने वाले रोहित शर्मा, राकेश गुर्जर, अजय शर्मा, कुलदीप सिंह शेखावत और निकेत को पुलिस ने शांतिभंग के आरोप में गिरफ्तार कर लिया है। अभिजीत दीपके सोमवार को नीट पेपर लीक, शिक्षा व्यवस्था, बेरोजगारी और युवाओं से जुड़े मुद्दों को लेकर प्रदर्शन में शामिल होने आए थे। शहीद स्मारक पर अभिजीत की अगुवाई में सैकड़ों प्रदर्शनकारी ▶8पर

विवाद के बाद एनसीईआरटी का यू-टर्न

'डांसिंग गर्ल' हुई बेपर्दा

नयी दिल्ली, 15 जून (एजेंसियां)।

एनसीईआरटी की नई कक्षा 9 की किताब मधुरिमा में सिंधु घाटी सभ्यता की प्रसिद्ध डांसिंग गर्ल प्रतिमा की बदली हुई तस्वीर छापे जाने से विवाद हो गया है। इतिहासकारों और विशेषज्ञों का कहना है कि किताब में दिखाई गई तस्वीर मूल प्रतिमा से अलग है और इससे छात्रों के सामने ऐतिहासिक धरोहर की गलत तस्वीर पेश हो सकती है। डांसिंग गर्ल लगभग 4,500 साल पुरानी कांस्य (ब्रॉन्ज) की प्रतिमा है, जो मोहनजोदड़ो से मिली थी। मूल प्रतिमा में आकृति का ऊपरी हिस्सा स्पष्ट रूप से दिखाई देता है, लेकिन नई किताब में प्रकाशित तस्वीर में शेडिंग और रंगों का इस्तेमाल कर शरीर के कुछ हिस्सों को ढक दिया गया है। इसके कारण प्रतिमा का स्वरूप मूल कलाकृति से अलग नजर आता है। यह तस्वीर किताब के पहले अध्याय हिस्ट्री ऑफ आर्ट्स में प्रकाशित की गई है। जब इसकी तुलना मूल प्रतिमा की तस्वीरों से की गई तो दोनों में साफ अंतर दिखाई दिया। दिलचस्प बात यह है कि एनसीईआरटी की कक्षा 6 की सामाजिक विज्ञान की किताब में यही प्रतिमा अपने मूल रूप के काफी करीब दिखाई गई है। तस्वीर को लेकर उठे विवाद के बीच ▶8पर

ओवैसी से बोली सपा-आजा मेरी साइकिल पर बैठ जा!

लखनऊ, 15 जून (एजेंसियां)।

एआईएमआईएम चीफ असदुद्दीन ओवैसी ने उत्तर प्रदेश के बहराइच में हुई रैली में कहा कि वे उस पार्टी का समर्थन करेंगे, जो बीजेपी को हराएगी। अब समाजवादी पार्टी के नेता रामगोपाल यादव ने कहा है कि वे इसका स्वागत करेंगे। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय प्रमुख महासचिव प्रोफेसर रामगोपाल यादव फिरोजाबाद में एक निजी कार्यक्रम में शिरकत करने पहुंचे, जहां उन्होंने मीडिया से बात करते हुए ओवैसी, मोदी सरकार के 12 साल, राममंदिर से धन चोरी, यूपी चुनाव और प्रदेश के अंदर लॉ एंड ऑर्डर जैसे कई मुद्दों पर अपनी राय रखी।

ओवैसी के बयान से जुड़े सवाल पर रामगोपाल यादव ने कहा, बीजेपी को हराने वाला जो भी होगा उसका हम स्वागत करेंगे। असदुद्दीन ओवैसी ने बहराइच की जनता को संबोधित करते हुए कहा, आने वाले साल यूपी में चुनाव होने जा रहा है, आपके सियासी इंसाफ की लड़ाई एआईएमआईएम लड़ रही है। मेरी गुजारिश है, हमें अब अपनी सियासी लीडरशिप को बनाना होगा। ▶8पर

इंसानों ने धरती से निकाल लिया 2150 गीगाटन पानी, होगा घातक

लंदन

साल 1993 से 2010 के बीच इंसानों ने जमीन के नीचे से करीब 2150 गीगाटन पानी पंप करके बाहर निकाल लिया। यह पानी इतना अधिक था कि इससे समुद्र का जलस्तर लगभग 6.24 मिलीमीटर तक बढ़ गया। यह कहना है सियोल नेशनल यूनिवर्सिटी के मशहूर भू-वैज्ञानिक की-वियोन सेओ का। रिसर्च कर रहे वैज्ञानिकों का कहना है कि पानी में अपना एक भारी वजन होता है। जब यह पानी जमीन के नीचे बने कुदरती एक्विफर्स में जमा था, तब तक धरती का संतुलन बिल्कुल परफेक्ट था। लेकिन इंसानों ने खेती की सिंचाई करने और अपनी बेहिसाब जरूरतों को पूरा करने के लिए इस पानी को खींचकर शहरों और खेतों में बहा दिया, जहां से यह आखिरकार समुद्र में जा मिला। नासा के वैज्ञानिकों ने इसे यांत्रिक भाषा में समझाते हुए कहा कि यह बिल्कुल वैसा ही है जैसे आप किसी घूमते हुए लट्टू के एक हिस्से पर थोड़ा सा वजन बढ़ा दें या वहां से वजन हटा दें, तो वह लट्टू अजीब तरीके से डगमगाने लगता है। ठीक इसी तरह, जमीन से पानी निकालकर समुद्र में भेजने से पूरी पृथ्वी का संतुलन बिगड़ गया और उसका घूर्णन ध्रुव 31.5 इंच खिसक गया। वैज्ञानिकों के मुताबिक, हमारी पृथ्वी उसकी धुरी से तब सबसे भयावह तरीके से डिगती है, जब धरती के बीच वाले हिस्से (मध्य अक्षांश) में आने वाले देशों से पानी खींचा जाए। ऐसे हालातों में उसका सीधा और सबसे घातक असर पृथ्वी के घूमने की रफ्तार और उसके संतुलन पर पड़ता है। यह केवल धुरी खिसकने का ही मामला नहीं है, बल्कि इसके जो परिणाम अब सामने आने लगे हैं, वे बेहद भयावह हैं। एक अध्ययन के मुताबिक, दुनिया के 40 सबसे बड़े नदी डेल्टा, जहां घनी आबादी रहती है, बहुत तेजी से नीचे की तरफ धंस रहे हैं। जमीन के नीचे से पानी का सपोर्ट खत्म होने की वजह से जमीन खोखली होकर नीचे की तरफ दब रही है। इससे भी बड़ा खतरा नेचर वाटर की एक नवीनतम वैश्विक तटीय रिपोर्ट में सामने आया है। दुनिया के 21 फीसदी तटीय इलाकों में भूजल का स्तर डराने वाली तेजी से नीचे गिरा है। इसके चलते तटीय इलाकों के कुदरती वाटर टैंक में अब समुद्र का खारा और जहरीला पानी घुसने लगा है। इसका सीधा मतलब यह है कि आने वाले दिनों में करोड़ों लोगों के पीने का पानी कड़वा और जहरीला हो जाएगा। इसके अलावा, धरती की परतों में आ रहे इस असंतुलन की वजह से भयानक भूकंप, भयंकर सूखा और बेमौसम तबाही मचाने वाली बाढ़ जैसी महाप्रलय का खतरा बढ़ गया है। वैज्ञानिकों के लिए भी पृथ्वी का यह डगमगाना एक अनसुलझी पहेली बना हुआ है। नासा के जेट प्रोपल्शन लेबोरेटरी के रिसर्च साइंटिस्ट सुरेंद्र अधिकारी का कहना है कि धुरी के खिसकने में केवल भूजल ही नहीं, बल्कि बर्फबारी के पैटर्न में बदलाव, ग्रीनलैंड की बर्फ का पिघलना और पृथ्वी के अंदरूनी हिस्सों में होने वाली हलचलें भी शामिल हैं। वैज्ञानिकों ने टीडब्ल्यूस्टोर और एमएल-टीडब्ल्यूआईएक्स जैसी नई तकनीकों के जरिए पिछले चार दशकों के पानी के डेटा का दोबारा विश्लेषण किया है, लेकिन फिर भी इस डरावने सच से मुंह नहीं मोड़ा जा सकता कि इंसानों द्वारा निकाला गया पानी इस तबाही का सबसे बड़ा और मुख्य कारण है।

न्यूज ब्रीफ

अमेरिका के मिसौरी में विमान हादसा, 12 लोगों की मौत

वाशिंगटन। अमेरिका के मिसौरी राज्य में एक छोटा विमान दुर्घटनाग्रस्त होने से उसमें सवार सभी 12 लोगों की मौत हो गई। स्थानीय अधिकारियों के अनुसार हादसा रविवार को बटलर मेमोरियल एयरपोर्ट के निकट हुआ। मिसौरी स्टेट हाईवे पेट्रोल ने सोशल मीडिया के माध्यम से जानकारी देते हुए बताया कि विमान दुर्घटना की सूचना मिलते ही आपातकालीन दल मौके पर पहुंच गया। प्रारंभिक रिपोर्टों के आधार पर विमान में सवार सभी 12 लोगों के मारे जाने की आशंका जताई गई है। अधिकारियों के मुताबिक दुर्घटना बटलर मेमोरियल एयरपोर्ट के आसपास हुई। हादसे के कारणों का तत्काल पता नहीं चल सका है और जांच एजेंसियां दुर्घटना के पीछे की परिस्थितियों की पड़ताल कर रही हैं। बटलर शहर कैनसस सिटी से लगभग 60 मील दक्षिण में स्थित है। दुर्घटनास्थल को सुरक्षा घेरे में लेकर राहत एवं जांच कार्य शुरू कर दिया गया है। स्थानीय प्रशासन ने कहा है कि मृतकों की पहचान की प्रक्रिया जारी है और जांच पूरी होने के बाद हादसे के संबंध में विस्तृत जानकारी साझा की जाएगी। अमेरिकी विमानन सुरक्षा एजेंसियों के विशेषज्ञ भी दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए घटनास्थल का निरीक्षण करेंगे।

अमेरिका में जो दवा 95,000 की थी, वो भारत से मात्र 2,377 रु. में मंगवाई, अमेरिकी हेल्थकेयर पर उठे सवाल

वाशिंगटन। अमेरिका की महंगी स्वास्थ्य व्यवस्था एक बार फिर दुनिया भर में चर्चा और विवादों के केंद्र में आ गई है। एक अमेरिकी महिला ने सोशल मीडिया पर वीडियो साझा कर दावा किया है कि जिस दवा के लिए उसे अमेरिका में 1000 डालर यानी लगभग 95,000 रुपये अपनी जेब से खर्च करने पड़ रहे थे, वही दवा भारत से सीधे मंगवाने पर उसे शिपिंग चार्ज सहित मात्र 25 डालर (करीब 2,377 रुपये) में मिल गई। इस चौंकाने वाले वाकये के बाद महिला ने अमेरिकी स्वास्थ्य प्रणाली को खुलकर एक बड़ा स्कैमऔर ठगी करार दिया है। सोशल मीडिया पर विक्टोरिया नाम की इस महिला का वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें वह अमेरिकी हेल्थकेयर सिस्टम की विसंगतियों पर गंभीर सवाल उठा रही है। वीडियो में विक्टोरिया ने बताया कि उसे एक विशेष दवा के छह छोटे टैबलेट्स की जरूरत थी। चूंकि उसकी अमेरिकी इंश्योरेंस कंपनी इस दवा का खर्च उठाने से मना कर रही थी, इसलिए उसे इसके लिए 1000 डालर की भारी-भरकम राशि खुद चुकानी पड़ रही थी। इतनी बड़ी रकम खर्च करने के बजाय जब उसने अन्य विकल्पों की तलाश की, तो उसके डाक्टर ने ही उसे एक अनोखी सलाह दी। डाक्टर ने कहा कि वह अपना प्रिस्क्रिप्शन एक कनाडाई फार्मेसी को भेजे, जो सीधे भारत के दवा निर्माताओं से संपर्क कर दवाएं मंगवाती है। महिला ने डाक्टर की सलाह मानते हुए ऐसा ही किया। उसे लगा था कि अंतरराष्ट्रीय शिपिंग के कारण शायद 100 या 200 डालर खर्च होंगे, लेकिन असली कीमत जानकर वह दंग रह गई। कनाडाई फार्मेसी ने उसे बताया कि दवा की कुल लागत सिर्फ 25 डालर आएगी, जिसमें से दवा की वास्तविक कीमत मात्र 10 डालर (लगभग 950 रुपये) थी और बाकी के 15 डालर अंतरराष्ट्रीय शिपिंग चार्ज के थे।

नेपाल में राजदूत बनने का मौका, आम नागरिकों से मांगे गए आवेदन

काठमांडू। नेपाल की सरकार ने कूटनीतिक नियुक्तियों में पारदर्शिता और योग्यता आधारित चयन को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। नेपाल के विदेश मंत्रालय ने विभिन्न देशों में राजदूत पदों के लिए योग्य नागरिकों से सीधे आवेदन आमंत्रित किए हैं। इस पहल को देश की विदेश सेवा व्यवस्था में बड़े सुधार के रूप में देखा जा रहा है। नेपाल के विदेश मंत्रालय द्वारा जारी आधिकारिक अधिसूचना के अनुसार इच्छुक उम्मीदवारों को निर्धारित पात्रता मानकों को पूरा करना होगा। सरकार ने चयन प्रक्रिया, योग्यता और आवेदन संबंधी शर्तों का विस्तृत दस्तावेज भी जारी किया है। कौन कर सकता है आवेदन राजदूत पद के लिए आवेदन करने वाले उम्मीदवार का नेपाली नागरिक होना अनिवार्य है। न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता स्नातक निर्धारित की गई है, जबकि स्नातकोत्तर डिग्री धारकों को प्राथमिकता दी जाएगी। उम्मीदवार की आयु कम से कम 35 वर्ष होनी चाहिए तथा उसके खिलाफ कोई गंभीर आपराधिक मामला या सजा नहीं होनी चाहिए। इसके अलावा आवेदक के पास किसी विदेशी भाषा का ज्ञान होना आवश्यक है। उम्मीदवारों को आवेदन में यह भी बताना होगा कि वे राजदूत पद के लिए स्वयं को क्यों उपयुक्त मानते हैं और चयनित होने पर नेपाल के राष्ट्रीय हितों को आगे बढ़ाने के लिए उनकी क्या रणनीति होगी।

ट्रम्प ने जन्मदिन पर व्हाइट हाउस में यूएफसी फाइट कराई

अब तक का सबसे महंगा शो, 567 करोड़ खर्च जीत के बाद विजेता राष्ट्रपति से मिला

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने व्हाइट हाउस के साउथ लॉन में अल्टीमेट फाइटिंग चैम्पियनशिप यानी यूएफसी मुकाबलों के साथ अपना 80वां जन्मदिन मनाया। यूएफसी ने इस आयोजन पर करीब 6 करोड़ डॉलर (567 करोड़ रुपए) खर्च किए। ये अब तक का सबसे महंगा यूएफसी आयोजन माना जा रहा है।

इस फाइट कार्ड में कुल 7 मुकाबले हुए। मेन फाइट लाइटवेट चैंपियन रहे इलिया टोपुरिया और जस्टिन गेथजे के बीच हुई। 4 राउंड तक चले मुकाबले में अमेरिकी फाइटर गेथजे ने अपने स्पेनिश विरोधी टोपुरिया को हराकर उलटफेर किया। गेथजे को लाइटवेट टाइटल बेल्ट मिली, जबकि टोपुरिया को अपने करियर की पहली हार मिली। मुकाबले देखने के लिए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प, उनके कई सीनियर अफसर, खास मेहमान और हजारों सैन्यकर्मी मौजूद थे।

पहले मुकाबले में बो निकल ने पहले ही राउंड में काइल डाउकस को नॉकआउट कर दिया। उन्होंने एक जोरदार लेफ्ट हुक और राइट पंच से प्रतिद्वंद्वी को गिराया, जिसके बाद रेफरी ने मुकाबला रोक दिया। जीत के तुरंत बाद बो निकल रिंग से बाहर आए और सीधे राष्ट्रपति ट्रम्प के पास पहुंचे। दोनों ने हाथ मिलाया और कुछ देर बातचीत की।

राष्ट्रपति ट्रम्प और कई अधिकारियों ने आयोजन की तारीफ की। ट्रम्प ने इसे 'धरती का सबसे बड़ा शो' बताया और 'क्लॉ' की तुलना पेरिस के एफिल टॉवर से की। वहीं विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने यूएफसी को अमेरिका की सॉफ्ट डिप्लोमैटिक पावर बताया।

इस इवेंट में कुल 14 फाइटर ने हिस्सा लिया। एक्सपर्ट्स के मुताबिक इस आयोजन का सबसे बड़ा फायदा यूएफसी ब्रांड को मिल सकता है। एक समय ऐसा था, जब इस खेल को प्रायोजकों और कई आयोजकों ने स्वीकार नहीं किया था। एक अमेरिकी सीनेटर ने इसे कभी 'मानव मुर्गा लड़ाई' तक कहा था।

अल्टीमेट फाइटिंग चैम्पियनशिप (यूएफसी) आज दुनिया की सबसे बड़ी मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स लीग है। इसकी शुरुआत 1993 में अमेरिका में हुई थी।

उस दौर में बॉक्सिंग, कराटे, कुश्ती और ब्राजीलियन जिउ-जित्सु जैसी अलग-अलग फाइटिंग शैलियों के समर्थक अपनी-अपनी तकनीक को सबसे प्रभावी बताते थे। इस पर काफी बहस होती थी कि असली मुकाबले में कौन-सा मार्शल आर्ट सबसे ज्यादा कारगर साबित होगा।

इसी सवाल का जवाब तलाशने के लिए यूएफसी का पहला टूर्नामेंट आयोजित किया गया। इसमें ब्राजीलियन जिउ-जित्सु विशेषज्ञ रॉयस ग्रेसी चैंपियन बने।

ग्रेसी शारीरिक रूप से कई प्रतिद्वंद्वियों से छोटे और हल्के थे, लेकिन उन्होंने अपनी तकनीक के दम पर बड़े और ताकतवर फाइटर्स को हराकर सबको चौंका दिया।

समय के साथ खेल का स्वरूप भी बदल गया। अब फाइटर्स सिर्फ एक शैली पर निर्भर नहीं रहते, बल्कि बॉक्सिंग, रेसलिंग, जूडो, कराटे, ताइक्वांडो, जिउ-जित्सु और किक बॉक्सिंग जैसी कई तकनीकों को मिलाकर मुकाबला करते हैं। यही वजह है कि इसे आज 'मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स' कहा जाता है।

अमेरिका इस साल अपनी आजादी के 250 साल पूरे करने जा रहा है। अमेरिका जुलाई 1776 में ब्रिटेन से स्वतंत्र हुआ था।

आजादी के जश्न की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। पूरे देश में एक साल से ज्यादा समय तक चलने वाले कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की गई है। यूएफसी इवेंट भी इसी जश्न का हिस्सा है, जिसे ट्रम्प प्रशासन प्रमुख आकर्षण के तौर पर पेश कर रहा है।

अमेरिका की स्थापना का आधार माने जाने वाले 'डिक्लेरेशन ऑफ इंडिपेंडेंस' पर 4 जुलाई 1776 को हस्ताक्षर हुए थे। इसी की 250वीं सालगिरह के मौके पर देशभर में परेड, प्रदर्शनी, सांस्कृतिक कार्यक्रम और बड़े सार्वजनिक समारोह आयोजित किए जाएंगे।

लंदन का मौसम बढ़ाता है मेरी क्रिएटिविटी को : ओलिविया

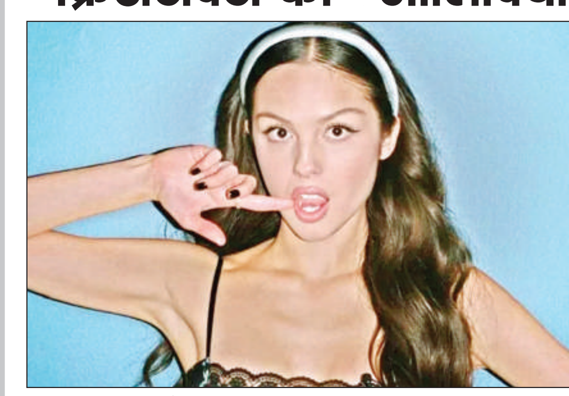

लास एंजेलस

हाल ही में अमेरिकी गायिका और गीतकार ओलिविया रोड्रिगो ने अपनी निजी जिंदगी और आगामी एल्बम से जुड़ी कई दिलचस्प बातें साझा कीं। चर्चा के दौरान उन्होंने बताया कि लंदन उनके लिए एक ऐसी जगह है जहां वह खुद को अपने सबसे बेहतर रूप में पाती हैं।

ओलिविया ने अपनी भावनाओं को व्यक्त करते हुए कहा, जब भी मैं लंदन में होती हूं, मुझे लगता है कि मैं खुद का सबसे बेहतर वर्जन बन जाती हूं। इस शहर का माहौल, इसकी गहरी संस्कृति और यहां का जीवन एक अलग ही ऊर्जा प्रदान करता है, जो मेरी रचनात्मकता को बढ़ावा देता है। उन्होंने यह भी बताया कि उनके नए एल्बम यू सीम प्रिटी सैड फार ए गर्ल सो इन लव का एक बड़ा हिस्सा लंदन में ही लिखा गया है। यह एल्बम उस विशेष समय और वहां बिताए अनुभवों से गहराई से प्रेरित है, जिसने उनके संगीत को एक नई दिशा दी। ओलिविया ने लंदन के मौसम का भी अपनी रचनात्मक प्रक्रिया पर पड़ने वाले प्रभाव का जिक्र किया।

उन्होंने कहा, लंदन का मौसम भी मेरी क्रिएटिविटी को बढ़ाता है। यहां इतनी बारिश होती है कि लोग बाहर जाने के बजाय घर के अंदर बैठकर गिटार बजाते हैं और गाने लिखते हैं। मेरे साथ भी कुछ ऐसा ही हुआ। बारिश भरे दिनों में मुझे अपने विचारों और भावनाओं के साथ समय बिताने का मौका मिलता है, जिससे नए गीत और धुनें बनती हैं। सिर्फ लंदन ही नहीं, बल्कि इंग्लैंड का मैनचेस्टर शहर भी उन्हें काफी प्रेरित करता है। ओलिविया ने बताया कि कुछ साल पहले उन्होंने मैनचेस्टर में भी समय बिताया था और वहां का अनुभव उनके लिए यादगार रहा, क्योंकि उस शहर का भी एक समृद्ध संगीत इतिहास रहा है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि मैनचेस्टर दुनिया के कई मशहूर बैंड्स का घर रहा है और यहां से संगीत की दुनिया को कई ऐसे कलाकार मिले हैं, जिन्होंने वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बनाई है।

अपने नए एल्बम की रिलीज टाइमलाइन के बारे में बात करते हुए ओलिविया ने बताया, शुरुआत में मेरा प्लान इसे साल की शुरुआत में रिलीज करने का था। मैंने सोचा था कि फरवरी में पहला सिंगल रिलीज करूंगी और जून तक पूरा एल्बम दर्शकों के सामने आ जाएगा। लेकिन समय के साथ मुझे महसूस हुआ कि कुछ चीजों को और बेहतर बनाने की जरूरत है। उन्होंने कहा, एक अच्छा एल्बम तैयार करने में काफी समय लगता है।

प्रधानमंत्री मोदी ने स्लोवाकिया में स्वागत की अनोखी परंपरा को सराहा

ब्रातिस्लावा (स्लोवाकिया)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक्स हैंडल पर साझा एक तस्वीर में स्लोवाकिया में स्वागत की अनोखी परंपरा को सराहा है। उन्होंने लिखा, इस देश में स्वागत के दौरान पारंपरिक रूप से ब्रेड और नमक पेश किया गया। यह स्लोवाकिया की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और सद्भावना व दोस्ती के उन मूल्यों की एक सुंदर झलक थी, जिन्हें वे बहुत महत्व देते हैं। प्रधानमंत्री मोदी के एक्स हैंडल की दूसरी पोस्ट में कहा गया, कल शाम ब्रातिस्लावा में मिला स्वागत सचमुच बहुत खास रहा। मैं भारतीय समुदाय के स्नेह और गर्मजोशी के लिए उनका आभारी हूं। ऐसे भाव उन मजबूत रिश्तों को दर्शाते हैं जो हमारे लोगों को जोड़ते हैं और भारत-स्लोवाकिया की दोस्ती को और मजबूत बनाते हैं। उल्लेखनीय है प्रधानमंत्री मोदी फ्रांस की यात्रा के बाद यहां पहुंचे हैं।

पीओके में प्रदर्शन से हिली पाक सरकार, सेना घरों में घुस कर लोगों को जबरन उठा रही

जेएएसी के प्रमुख नेता ने आडियो मैसेज जारी कर मानवाधिकार संस्थानों से मांगी मदद

करांची

पाकिस्तान के कब्जे वाले पीओके में जाइंट अवामी एक्शन कमेटी (जेएएसी) के प्रमुख नेता शौकत नवाज मीर ने छिपे हुए ठिकाने से एक आडियो मैसेज जारी किया है। इसमें उन्होंने पाकिस्तान की सेना और सुरक्षा एजेंसियों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। मीर का दावा है कि आंदोलन को कुचलने के लिए पूरे इलाके में दमन का बड़ा अभियान चलाया जा रहा है। शौकत नवाज मीर ने स्थानीय लोगों, विदेशों में रह रहे कश्मीरी समुदाय और अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संस्थाओं से मदद की अपील की है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक उन्होंने आरोप लगाया कि पाकिस्तान का सुरक्षा ढांचा और सैन्य प्रतिष्ठान आंदोलन को खत्म करने के लिए संरचनात्मक आतंक और व्यापक हिंसा का सहारा ले रहा है। मीर के मुताबिक सुरक्षा एजेंसियां जेएएसी की कोर कमेटी के सदस्यों के साथ-साथ उन परिवारों को भी निशाना बना रही हैं, जिन्होंने आंदोलन को आर्थिक या सार्वजनिक समर्थन दिया है। उन्होंने दावा किया कि रात के अंधेरे में घरों पर छापे मारे जा रहे हैं, संपत्ति को नुकसान पहुंचाया जा रहा है और महिलाओं के साथ अभद्र व्यवहार किया जा रहा है। आडियो संदेश में उन्होंने कहा कि कई कार्यकर्ताओं को बिना किसी स्पष्ट प्रक्रिया के हिरासत में लिया गया है, जबकि बड़ी संख्या में लोगों को जबरन गायब कर दिया गया है।

परिवारों को उनके ठिकाने और सुरक्षा के बारे में कोई जानकारी नहीं दी जा रही। मीर ने पीओके की मौजूदा स्थिति को मानवीय संकट बताया। उनका दावा है कि कोटली, नीलम और रावलाकोट जैसे इलाकों में हालिया झड़पों में कई स्थानीय लोगों की मौत हुई है। उन्होंने आरोप लगाया कि अर्धसैनिक बलों को सार्वजनिक स्थानों पर जुटने वाले लोगों के खिलाफ सीधे घातक बल प्रयोग करने की छूट दी गई है। इस बीच सीमा क्षेत्र की निगरानी कर रहे शीर्ष खुफिया सूत्रों ने बताया कि हालात ने एक बार फिर दिखा दिया है कि इस इलाके पर इस्लामाबाद का सीधा और पूर्ण नियंत्रण है। पंजाब रेंजर्स और फेडरल कान्स्टेबुलरी जैसे भारी हथियारों से लैस बलों की तैनाती के साथ-साथ संचार और इंटरनेट सेवाओं पर बैन लगाया गया है।

वैज्ञानिकों ने की 415 मिलियन साल पुराने खूंखार बिच्छू के जीवाश्म की खोज

लंदन

हाल ही में वैज्ञानिकों ने 415 मिलियन साल पुराने एक जीवाश्म की खोज की है। इस खोज ने पेलियोन्टोलाजी के एक सदी पुराने रहस्य को सुलझा दिया है और यह भी बताया है कि आर्थ्रोपोड्स ने इतने विशाल आकार में कैसे विकसित हुए। इस दानवाकार जीव का नाम प्रिएक्टुरस गिगास है, और यह उस समय पृथ्वी पर मौजूद था जब अन्य जीव बहुत छोटे हुआ करते थे। इसकी लंबाई लगभग 3.3 फीट यानी करीब एक मीटर थी, और इसके डंक 6.2 इंच लंबे व बेहद खतरनाक थे। यह बिच्छू जमीन के साथ-साथ पानी में भी अपना शिकार खोजता था, जिससे इसकी शिकार करने की क्षमता और भी बढ़ जाती थी। प्रिएक्टुरस गिगास के अवशेष पहली बार 1870 के दशक में इंग्लैंड और वेल्स में मिले थे। लेकिन पेलियोन्टोलाजिस्ट्स लंबे समय तक इस जीव की वास्तविक पहचान को लेकर असमंजस में थे। मैनचेस्टर विश्वविद्यालय के

पेलियोन्टोलाजिस्ट रसेल गारवुड ने बताया, प्रिएक्टुरस ने एक सदी से भी अधिक समय तक हम पेलियोन्टोलाजिस्ट्स को हैरान किया है। शुरुआत में शोधकर्ताओं को लगा कि यह एक बड़ा क्रस्टेशियन है। फिर 1980 के दशक में कुछ शोधों ने इसे बिच्छू बताया। लेकिन जीवाश्म के टुकड़े बहुत छोटे थे और बिच्छू की विशिष्ट पूंछ भी गायब थी, जिससे उस समय इस सिद्धांत को पूरी तरह से स्वीकार नहीं किया गया। नई स्टडी ने इस पुरानी बहस को आखिरकार खत्म कर दिया है। लंदन के नेचुरल हिस्ट्री म्यूजियम के शोधकर्ताओं ने आधुनिक इमेजिंग और एनालिसिस तकनीकों का उपयोग किया। उन्होंने प्रिएक्टुरस गिगास के खास जीवाश्मों की दोबारा जांच की और उनकी तुलना पहले से मौजूद प्रागैतिहासिक जीवों और पहचाने गए बिच्छुओं के जीवाश्मों से की। इस गहन विश्लेषण से यह साफ हो गया कि प्रिएक्टुरस गिगास वास्तव में एक बिच्छू ही है। नेचुरल हिस्ट्री म्यूजियम के रिचर्ड हावर्ड ने बताया, यह पुष्टि करना कि यह जीव एक बिच्छू है, हमारी समझ को पूरी तरह से बदल देता है। यह विशाल बिच्छू उस समय पृथ्वी पर था जब जंगलों जैसे जटिल इकोसिस्टम का विकास नहीं हुआ था। इसलिए वैज्ञानिकों का मानना है कि यह जीव आंशिक रूप से पानी में रहता होगा। जीवाश्म में एपिमेरा नामक फ्लैप जैसे स्ट्रक्चर मिले हैं, जो लाबस्टर और केकड़ों के ऊपरी कवच की तरह काम करते थे।

रिचर्ड हावर्ड ने कहा, जमीन पर प्रिएक्टुरस को सपोर्ट करने वाले जटिल इकोसिस्टम के बिना, इन जानवरों ने शायद अपनी जिंदगी का कुछ हिस्सा पानी में शिकार करते हुए बिताया होगा। पानी में रहने की वजह से ही इसे अपने विशाल शरीर को संभालने में मदद मिली होगी और इसने दोनों ही वातावरण में अपनी बादशाहत कायम रखी। 415 मिलियन साल पहले पृथ्वी पर मौजूद अन्य आर्थ्रोपोड्स, जैसे कीड़े और मकड़ियां, बहुत छोटे हुआ करते थे। ऐसे में यह बिच्छू अपने समय का सबसे बड़ा और खतरनाक शिकारी बन गया। इसकी एक बड़ी वजह यह भी थी कि इसे टक्कर देने वाला कोई दूसरा बड़ा शिकारी मौजूद नहीं था। पानी और जमीन दोनों जगह इसकी बादशाहत थी, जिससे यह अपने शिकार पर पूरी तरह हावी रहता था। रसेल गारवुड ने बताया, प्रिएक्टुरस को जो चीज इतनी दिलचस्प बनाती है, वह यह है कि यह उस समय विशाल हो गया जब जमीन पर जीवन बहुत छोटा था।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

सफलता क़रीब होने के बावजूद आपकी ऊर्जा के स्तर में गिरावट आएगी। अतिरिक्त धन को रिअल एस्टेट में निवेश किया जा सकता है। किसी धार्मिक स्थल या संबंधी के यहाँ जाने की संभावना है। आपको पहली नज़र में किसी से प्यार हो सकता है। सही दिशा में ईमानदारी से उठाए गए क़दम निश्चित तौर पर लाभ देंगे। अपने व्यक्तित्व और रंग–रूप को बेहतर बनाने का कोशिश संतोषजनक साबित होगी। अपने जीवनसाथी के साथ आप प्यार और रुमानियत से भरे पुराने दिन एक बार फिर जी पाएंगे।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज आपका आत्मविश्वास और ऊर्जा का स्तर ऊँचा रहेगा। बिना विचार किये आपको किसी को भी अपना पैसा नहीं देना चाहिए नहीं तो आपको आने वाले वक्त में बड़ी परेशानी है सकती है। दोस्त और क़रीबी लोग मदद के लिए आपकी ओर हाथ बढ़ाएंगे। आज अपने प्रिय से दूर होने का दुःख आपको टीस देता रहेगा। थोड़ा–सा मोलभाव और चतुरता काफ़ी फ़ायदा पहुँचा सकती है। ऐसे लोगों से जुड़ने से बचें जो आपकी प्रतिष्ठा को आघात पहुँचा सकते हैं। आपकी व्यस्त दिनचर्या के चलते आपका जीवनसाथी आपके ऊपर शक़ कर सकता है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

अपने स्वास्थ्य को नज़रअन्दाज़ न करें आपके द्वारा धन को बचाने के प्रयास आज असफल हो सकते हैं हालांकि आपको इससे घबराने की जरुरत नहीं है स्थिति जल्द ही सुधरेगी। घर के किसी सदस्य के व्यवहार की वजह से आप परेशान रह सकते हैं। आपको उनसे बात करने की जरुरत है। नए प्रेम–संबंधों के बनने की संभावना ठोस है, लेकिन व्यक्तिगत और गोपनीय जानकारियों को उजागर करने से बचें। दफ़्तर में स्नेह का माहौल बना रहेगा। आज इस राशि के कुछ छात्र लेपटॉप या टीवी पर कोई मूवी देखकर अपना कीमती समय जाया कर सकते हैं।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

सफलता क़रीब होने के बावजूद आपकी ऊर्जा के स्तर में गिरावट आएगी। अपने गुस्से पर काबू रखें और ऑफिस में सबके साथ ढ़ग से व्यवहार करें अगर आप ऐसा नहीं करते तो आपकी जॉब जा सकती है और आपकी आर्थिक स्थिति खराब हो सकती है। नवयुवकों को स्कूल प्रोजेक्ट की बाबत कुछ राय लेने की ज़रूरत हो सकती है। आपके बॉस किसी भी बहाने में दिलचस्पी नहीं ज़ाहिर करेंगे– इसलिए निगाहों में बने रहने के लिए अपना काम अच्छी तरह से करें। जो लोग बीते कुछ दिनों से काफी व्यस्त थे उन्हें आज अपने लिए फुर्सत के पल मिल सकते हैं।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

उधार मांगने वाले लोगों को नज़रअन्दाज़ करें। नाती–पोतों से आज काफ़ी ख़ुशी मिल सकती है। लेकिन आज वह दिन है जब आप अगर चाहें तो यह ख़ुद महसूस कर सकते हैं। आज आपकी दृढ़ता और लगन सफलता हासिल करेंगे, क्योंकि आप लक्ष्य भेदने में क़ामयाब रहेंगे। हालाँकि सफलता के नशे को सिर पर न चढ़ने दें और ईमानदारी से कड़ी मेहनत जारी रखें। अपने बच्चों को आज समय का सदुपयोग करने की सलाह दे सकते हैं। वैवाहिक जीवन में स्नेह को दिखलाने का अपना महत्व है और इस चीज़ का अनुभव आज आप करेंगे।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

जो व्यापारी अपने कारोबार के सिलसिले में घर से बाहर जा रहे हैं वो अपने धन को आज बहुत संभालकर रखें। धन चोरी होने की संभावना है। बच्चों की उनसे जुड़े मामलों में मदद करना आवश्यक है। आपके लिए आज बहुत सक्रिय और लोगों से मेल–जोल भरा दिन रहेगा। लोग आपसे आपकी राय मांगेंगे और जो भी आप कहेंगे, उसे बिना सोचे मान लेंगे। किसी वजह से आज आपके ऑफिस में जल्दी छुट्टी हो सकती है इसका आप फायदा उठाएंगे और अपने परिवार के लोगों के साथ कहीं घूमने जाएंगे।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

माता–पिता की मदद से आप आर्थिक तंगी से बाहर निकलने में क़ामयाब रहेंगे। यह वक़्त इस बात को समझने का है कि गुस्सा छोटा–पागलपन है और यह आपको बारी नुक़सान की तरफ़ धकेल सकता है। अपने प्रिय की ईमानदारी पर शक न करें। कार्यक्षेत्र में आपको कुछ सकारात्मक बदलाव देखने को मिल सकते हैं। ऐसे लोगों से जुड़ने से बचें जो आपकी प्रतिष्ठा को आघात पहुँचा सकते हैं। आप अपने जीवनसाथी के प्यार की मदद से ज़िन्दगी की मुश्किलों का आसानी से सामना कर सकते हैं।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज के दिन ऐसी चीज़ों पर काम करने की ज़रूरत है, जो आपकी सेहत में सुधार ला सकती हैं। दिन भर भले ही आप धन को लेकर जूझते रहें लेकिन शाम के वक्त आपको धन लाभ हो सकता है। घर वालों के साथ समय बिताना ख़ुशनुमा अनुभव रहेगा। आपको कार्यक्षेत्र में अच्छे फल पाने के लिए अपने काम करने के तरीके पर गौर करने की जरुरत है नहीं तो आप बॉस की नजरों में आपकी नकारात्मक छवि बन सकती है। आज आप अपने जीवनसाथी के साथ कुछ बेहतरीन पल गुज़ार सकेंगे।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

ख़ुश हो जाएँ क्योंकि अच्छा समय आने वाला है और आप स्वयं में अतिरिक्त ऊर्जा का अनुभव करेंगे। आर्थिक तौर पर सुधार के चलते आप आसानी से काफ़ी वक़्त से लंबित बिल और उधार चुका सकेंगे। आपका मज़ाकिया स्वभाव आपके चारों ओर के वातावरण को ख़ुशनुमा बना दे। इस राशि वालों को आज खुद के लिए काफी समय मिलेगा। इस समय का उपयोग आप अपने शोकों को पूरा करने में कर सकते हैं। आप कोई किताब पढ़ सकते हैं आज आपके वैवाहिक जीवन के सबसे अच्छे दिनों में से एक हो सकता है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

जीवन–साथी की सेहत को ठीक तरह से ध्यान दिए जाने और देखभाल की ज़रूरत है। आप पैसा बना सकते हैं, बशर्ते आप अपनी जमा–पूंजी पारम्परिक तौर पर निवेश करें। कोई चिट्ठी या ई–मेल पूरे परिवार के लिए अच्छी ख़बर लाएगी। सारी दुनिया की मदहोशी उन ख़ुशनसीबों के बीच सिमट जाती है, जो प्यार में हों। नई चीज़ों को सीखने की आप मे ललक बढेगी । आपका चुम्बकीय और ज़िन्दादिल व्यक्तित्व आपको सबके आकर्षण का केन्द्र बना देगा।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

इस राशि के कुछ लोगों को आज संतान पक्ष से आर्थिक लाभ होने की उम्मीद है। आज आपको अपनी संतान पर गर्व महसूस होगा। शाम के समय कुछ हँसी–ख़ुशी भरा वक़्त अपने बच्चों के साथ गुज़ारें। कोई अच्छी ख़बर या जीवनसाथी से मिला कोई संदेश आपके उत्साह को दोगुना कर देगा। कामकाज के मोर्चे पर आपकी कड़ी मेहनत ज़रूर रंग लाएगी। आपका खाली वक्त आज किसी गैरजरुरी काम में खराब हो सकता है। वैवाहिक जीवन को अधिक सुखमय बनाने के आपके प्रयास उम्मीद से ज़्यादा रंग लाएंगे।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

दूसरों के साथ ख़ुशी बांटने से सेहत और खिलेगी। अगर आपको धन संचय करके रखना है तो अपने जीवनसाथी या माता पिता से इस बारे में बात करें। आपके व्यक्तिगत जीवन में कुछ महत्वपूर्ण घटित होगा, जो आपके और आपके परिवार के लिए प्रसन्नता लेकर आएगा। आज के दिन अपने प्रिय की भावनाओं को समझें। सहकर्मियों के साथ काम करते वक़्त युक्ति और चतुरता की ज़रूरत होगी। बेवजह की उलझनों से दूर होकर आज आप किसी मंदिर, गुरुद्वारे या किसी भी धार्मिक स्थल पर अपना खाली समय बिता सकते हैं।

आज का पंचांग

दिनांक : 16 जून 2026, मंगलवार
विक्रम संवत : 2083
मास : ज्येष्ठ , शुक्ल पक्ष
तिथि : द्वितीया रात्रि 12:55 तक
नक्षत्र : आर्द्रा सायं 04:13 तक
योग : वृद्धि रात्रि 12:34 तक
करण : बालव दोपहर 02:42 तक
चन्द्रराशि : मिथुन
सूर्योदय : 05:41, सूर्यास्त 06:51 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:53 सूर्यास्त 06:47 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:45, सूर्यास्त 06:40 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:34 , सूर्यास्त 06:41 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
चल : 09:00 से 10:30
लाभ : 10:30 से 12:00
अमृत : 12:00 से 01:30
राहुकाल : सायं 03:00 से 04:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : चन्द्रदर्शन, विश्व एकता दिवस

❋ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ❋

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

विजयवाड़ा के संभवनाथ जिनालय में श्री भक्तामर अभिषेक का भव्य आयोजन

पीएम मोदी के सफल 12 वर्ष पूर्ण होने पर दीर्घायु और राष्ट्र कल्याण की कामना

विजयवाड़ा, 15 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। विश्व में शांति, सद्भावना एवं समस्त प्राणीमात्र के कल्याण की मंगल भावना के साथ श्री संभवनाथ नूतन जिनालय, विजयवाड़ा में श्री भक्तामर अभिषेक का भव्य आयोजन श्रद्धा एवं भक्ति भावपूर्वक सम्पन्न हुआ। यह विशेष आयोजन भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के सफलतापूर्वक 12 वर्ष पूर्ण होने तथा लोकतांत्रिक पद्धति से निर्वाचित भारत के सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाले प्रधानमंत्री के रूप में ऐतिहासिक उपलब्धि प्राप्त करने के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री श्री मोदी जी के उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु एवं राष्ट्रसेवा के लिए निरंतर ऊर्जा एवं सफलता की मंगलकामना की गई।

भक्तामर अभिषेक के दौरान विश्व शांति, समस्त प्राणीमात्र के कल्याण, साधु–साध्वी भगवंतों के निर्विघ्न विहार, राष्ट्र की समृद्धि एवं मानवता के कल्याण हेतु विशेष प्रार्थनाएँ एवं भक्तामर का मंगल पाठ किया गया। पूरा मंदिर परिसर भक्तिमय भजनों और मंत्रोच्चार से गुंजायमान रहा।

कार्यक्रम में प्रमुख अतिथियों के रूप में भाजपा एन.टी.आर. जिला अध्यक्ष श्री अड्डूरी श्रीराम, श्री कनकदुर्गा मंदिर ट्रस्ट बोर्ड सदस्य श्री अव्वारा बुल्लाबाई, भाजपा एन.टी.आर. जिला सचिव श्री पैला सुरेश, श्री पुल्लेटी कोटेश्वरराव (नानी), भाजपा कनकदुर्गा मंडल अध्यक्ष श्री अरुण संपत एवं भूतपूर्व जिला सचिव श्री हर्ष व्यास उपस्थित रहे।

जैन समाज की ओर से श्री पन्नालाल देवीचंदजी, श्री भोगीलाल जैन, श्री प्रकाशकुमार दीपचंदजी, श्री पोपटलाल कांकरिया, श्री विनोद जैन, श्री मुकेश जैन, श्री योगेश जैन, श्री संजय जैन सहित अनेक गणमान्य सदस्य एवं श्रद्धालुओं ने बड़ी संख्या में उपस्थित होकर अभिषेक का लाभ प्राप्त किया।

सम्पूर्ण कार्यक्रम का सफल समन्वय श्री प्रवीण जैन रांका द्वारा किया गया। कार्यक्रम श्रद्धा, भक्ति एवं आध्यात्मिक वातावरण के बीच सम्पन्न हुआ तथा उपस्थित श्रद्धालुओं ने विश्व शांति, राष्ट्र कल्याण एवं प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के उज्ज्वल, स्वस्थ एवं दीर्घ सार्वजनिक जीवन हेतु मंगलकामनाएँ व्यक्त कीं। अंत में सकल श्रीसंघ एवं उपस्थित श्रद्धालुओं का आभार व्यक्त किया गया तथा सभी ने धर्म, समाज एवं राष्ट्रहित के लिए निरंतर कार्य करने का संकल्प लिया।

सुल्तान बाजार स्थित सरकारी कन्या उच्च विद्यालय में नए शैक्षणिक सत्र के अवसर पर छात्राओं को निःशुल्क पाठ्यपुस्तकों का वितरण किया गया। इस महत्वपूर्ण अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप मेंआर. ए. विनोद कुमार सहित कई अन्य स्थानीय नेताओं, शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया।

परोपकार की भावना परिवार के संस्कारों से मिलती है : शमी हरीश हिंदूजा

हैदराबाद, 15 जून शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में सोमवार को इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के सामने स्थित केबीआर पार्क पर नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में जरूरतमंद लोगों को प्रेमपूर्वक भोजन वितरित किया गया। इस अवसर पर उपस्थित सदस्यों ने सेवा को मानव जीवन का सर्वोच्च धर्म बताते हुए समाज के प्रत्येक सक्षम व्यक्ति से जरूरतमंदों की सहायता के लिए आगे आने का आह्वान किया।

इस अवसर पर समाजसेवी शमी हरीश हिंदूजा ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि परोपकार, सेवा, दया और सहयोग की भावना व्यक्ति को अपने परिवार से प्राप्त संस्कारों के माध्यम से मिलती है। बचपन में मिले अच्छे संस्कार ही व्यक्ति को समाज और मानवता के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का एहसास कराते हैं। उन्होंने कहा कि जिस परिवार में सेवा और दान की परंपरा होती है, वहां से निकलने वाली पीढ़ियां भी समाज हित में कार्य करने के लिए सदैव तत्पर रहती हैं।

उन्होंने कहा कि अन्नदान भारतीय संस्कृति की सबसे महान परंपराओं में से एक है। भूखे व्यक्ति को भोजन कराना केवल एक सामाजिक कार्य नहीं, बल्कि ईश्वर की सच्ची सेवा है। जब किसी जरूरतमंद के चेहरे पर भोजन प्राप्त करने के बाद संतोष और प्रसन्नता दिखाई देती है, तो उससे बढ़कर कोई सुख नहीं होता। राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद जिस निस्वार्थ भावना और समर्पण के साथ वर्षों से अन्नदान एवं सेवा कार्यों को निरंतर आगे बढ़ा रहा है, वह वास्तव में अनुकरणीय और प्रेरणादायक है।

कार्यक्रम के दौरान सभी सदस्यों ने सेवा कार्यों को और अधिक व्यापक बनाने तथा समाज के अंतिम व्यक्ति तक सहायता पहुंचाने का संकल्प लिया। वक्ताओं ने कहा कि समाज में बढ़ती संवेदनहीनता के बीच ऐसे सेवा कार्य मानवता की मिसाल प्रस्तुत करते हैं और लोगों को एक–दूसरे के प्रति प्रेम, सहयोग एवं सद्भाव का संदेश देते हैं।

अन्नदान कार्यक्रम में शमी हरीश हिंदूजा, हरीश तोलाराम हिंदूजा, उमाकांत अग्रवाल, उमा अग्रवाल, संजय अग्रवाल, शिवचरण गुप्ता, उर्मिला गुप्ता, मनीष अग्रवाल, राजेश नथानी, अनीता नथानी सहित राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद के अनेक सदस्यों ने सक्रिय रूप से अपनी सेवाएं प्रदान कीं।

बारिश न होने से चिंतित किसानों ने किया महाप्रसाद का आयोजन

मदनूर, 15 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। स्थानिक किसानों ने गांव की जनता के सहयोग से महाप्रसाद का आयोजन किया।

इस अवसर पर किसानों ने बताया कि किसानों के लिए मृगशिरा नक्षत्र बहुत शुभ और महत्वपूर्ण माना जाता है।

इस नक्षत्र में बारिश शुरू होते ही किसान अपनी फसलों को उगाने की तैयारी में जुट जाते हैं। इसे खेती के लिए सबसे बेहतरीन समय माना जाता है।मृग नक्षत्र बीत कर एक सप्ताह होने आ रहा है, आज तक बारिश नहीं होने से किसानों को फसल उगाने में देरी हो रही है।

किसानों ने ग्राम देवताओं को गाजे–बाजे के साथ जलाभिषेक किया व मध्य हनुमान मंदिर में सोमवार के दिन पूजा–अर्चना करने के बाद मंदिर परिसर में महाप्रसाद का आयोजन किया गया। इस समय किसानों ने भगवान से परिपूर्ण वर्षा व फसल देने की प्रार्थना की।

सिख विलेज एक्स रोड, मस्ताना होटल के पास अमावस अन्नप्रसादम ग्रुप की तरफ से अमावस पर अन्नप्रसाद करते हुए दिनेश कटारिया, प्रवीण लोढ़ा, ज्ञानचंद लोढ़ा, दिलीप लोढ़ा, संजय जी तातिया, महावीर तातेड़, अमवर भाई, राजू बोहरा, शेरमल तातेड़, विपुल अग्रवाल, श्रवण, अशोक और अन्य।

अमावस्या पर दंडी सुदर्शन आश्रम में विशेष पूजा और अन्नदान

बांसवाड़ा, 15 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। ताड़कोल स्थित दंडी सुदर्शन आश्रम में सोमवार को अमावस्या पर पीठाधिपति श्री दंडी सुदर्शन स्वामीजी के सान्निध्य में श्री काशी विश्वेश्वर स्वामी, काल भैरव, श्री वाराही माता और श्री गुरु दत्तात्रेय स्वामी का विशेष अभिषेक, होम और पूजा हुई।

दोपहर में आश्रम में अन्नदान कार्यक्रम हुआ। स्वामीजी ने सरकारी अस्पताल के स्टाफ और मरीजों के लिए भोजन के पैकेट भी भिजवाए। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाएं, युवा और भक्त शामिल हुए।

कामारेड्डी पद्मशाली संघ ने बनाई राज्यस्तरीय पहचान, खाते में 6.75 लाख

कामारेड्डी, 15 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला पद्मशाली संघ अध्यक्ष सिरिगधा लक्ष्मी नरसिमलू ने कहा कि तेलंगाना पद्मशाली संघ को राज्य स्तर पर स्थापित करने में कामारेड्डी की अहम भूमिका रही है। रविवार को ईएसआर गार्डन में हुई आम सभा में उन्होंने बताया कि जिला बनने पर संघ के पास एक रुपया भी नहीं था, आज 24 मंडलों और 3 कस्बों में कमेटियां बन गई हैं। संघ में 835 सदस्य हैं और एसबीआई खाते में 6 लाख 75 हजार रुपये जमा हैं।

पिछले साढ़े तीन साल में पारदर्शिता के लिए नियम बनाए गए, विकास कार्य हुए और दस्तावेज पेन ड्राइव में सुरक्षित रखे जाएंगे। इस मौके पर समाज के सरपंचों, पार्षदों और नवनिर्वाचित वार्ड सदस्यों को शॉल–मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया।

मधुमक्खी पालन पर निःशुल्क प्रशिक्षण 18 से

हैदराबाद, 15 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। राष्ट्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम संस्थान (निम्समे), हैदराबाद में 18 से 25 जून 2026 तक एकीकृत वैज्ञानिक मधुमक्खी पालन पर निःशुल्क प्रशिक्षण आयोजित करेगा। यह कार्यक्रम राष्ट्रीय मधुमक्खी बोर्ड द्वारा राष्ट्रीय मधुमक्खी पालन और शहद अभियान के तहत प्रायोजित है। इसका उद्देश्य तिलहन उत्पादन बढ़ाने के लिए परागण में मधुमक्खियों के उपयोग को बढ़ावा देना है।

प्रशिक्षण में किसानों और मधुमक्खी पालकों को तिलहन खेतों में मधुमक्खी बक्से रखने, शहद, मोम, प्रोपोलिस और पराग से अतिरिक्त आय और मधुक्रांति पोर्टल पर पंजीकरण की जानकारी दी जाएगी।

गणेश स्पोर्ट्स क्लब ने चौथी बार जीती एनडीजेडी ट्रॉफी

बीकानेर, 15 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। नरसिंग दास जीवणी देवी सेवग चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से रिडमलसर स्थित टर्फ फैक्ट्री मैदान पर खेले गए डे–नाइट फाइनल में गणेश स्पोर्ट्स क्लब ने रानी बाजार क्लब को 4 विकेट से हराकर एनडीजेडी ट्रॉफी पर चौथी बार कब्जा किया।

पहले बल्लेबाजी करते हुए रानी बाजार ने 12 ओवर में 3 विकेट पर 95 रन बनाए। तरुण भोजक ने 34, भानू शर्मा ने 20 और चिन्मय भोजक ने 15 रन बनाए। गणेश स्पोर्ट्स के गौरव शर्मा ने 2 और ऋतुराज शर्मा ने 1 विकेट लिया।

जवाब में गणेश स्पोर्ट्स ने 11 ओवर में 6 विकेट पर 96 रन बनाकर जीत दर्ज की। गौरव शर्मा ने 40, शंकर सेवग ने 26 और ऋतुराज शर्मा ने 18 रन बनाए। गौरव शर्मा मैन ऑफ द मैच रहे।

समापन पर ट्रस्ट अध्यक्ष शंकर सेवग, रमेश कुमार शर्मा और पंकज शर्मा ने विजेता टीम को ट्रॉफी और खिलाड़ियों को मेडल देकर सम्मानित किया।

12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर बांसवाड़ा में योग वॉक

बांसवाड़ा, 15 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। आयुष मंत्रालय के निर्देश पर योग इंस्ट्रक्टर वोटलम श्रीनिवास गौड़ राबोयो ने सरकारी यूनानी अस्पताल, बांसवाड़ा में 21 जून को होने वाले 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में योग वॉक का आयोजन किया।

इसके बाद योग सेंटर में जागरूकता कार्यक्रम हुआ। उन्होंने कहा कि योग जीवनशैली है, नियमित आसन से शारीरिक रोगों से बचाव होता है और प्राणायाम–ध्यान से मानसिक तनाव दूर होता है। कार्यक्रम में एरिया अस्पताल के डॉक्टर, नर्स, स्टाफ, छात्र और स्थानीय लोग शामिल हुए।

किसानों को महंगे खाद–बीज बेचने पर होगी कार्रवाई : कांता राव

मदनूर, 15 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। जुक्कल विधानसभा क्षेत्र के विधायक लक्ष्मी कांता राव ने सोशल मीडिया के माध्यम से खाद–बीज विक्रेताओं को चेतावनी दी है।

उन्होंने कहा कि क्षेत्र में किसानों को अधिक दाम पर रासायनिक खाद और बीज बेचने वाले दुकानदारों और व्यापारियों पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

कलियुग की तारनहार गीता

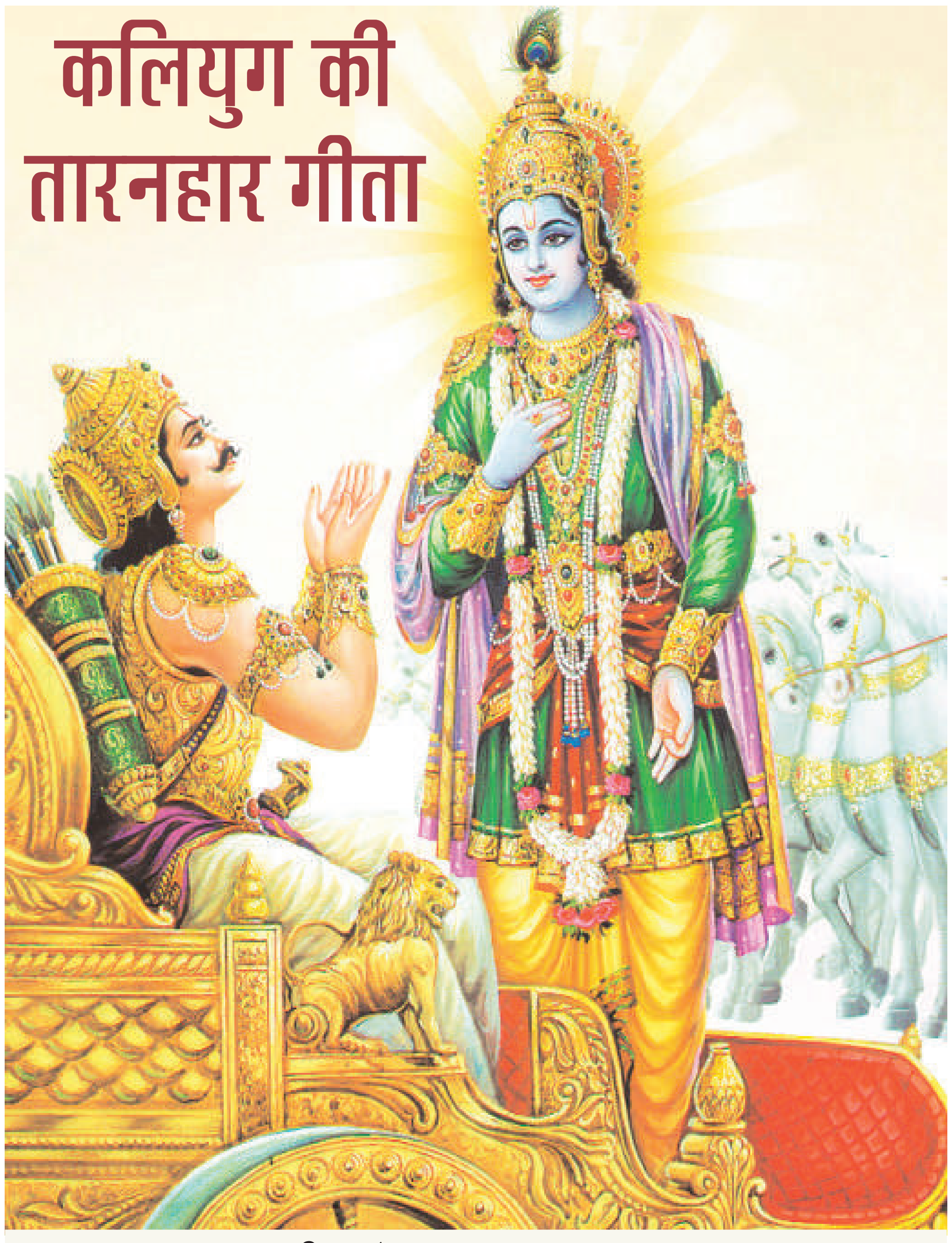

जब-जब कटुता-वैमनस्यता, पृथकता, स्वार्थपरता, अनैतिकता, अत्याचार, अधर्म, पाप रागद्वेष, छलकपट समाज में अव्यवस्थित होते हैं, तो वसुद्या से धर्म विलुप्त होने लगता है। तब-तब भक्तों की रक्षा के लिए ईश्वर को यहां अवतार लेना पड़ता है। यह सब श्री मदभगवद्गीता में कहा गया है—

'यदा यदा हि धर्मस्य ग्लानिर्भवति भारत।
अम्युत्थानमधर्मस्य तदात्माने सृजाम्यहम।।
परित्राणाय साधूना विनाशाय च दुष्कूताम्।
धर्मसंस्थापनार्थाय सम्भवामि युगे युगे।।'

जब दुर्योधन ने धर्मराज युधिष्ठर से कह दिया कि मैं सूई के नोक बराबर भूमि बिना युद्ध न दूंगा, तो विवश होकर धर्मराज युधिष्ठर को युद्ध के लिए प्रस्तुत होना पड़ा। कुरुक्षेत्र स्थान में कौरव व पांडव की सेनाएं अलग-अलग एकत्रित हुईं। भगवान श्रीकृष्ण ने कौरव और पांडव दोनों को सहयोग दिया। पांडव की ओर से श्री कृष्ण भगवान ने अर्जुन का सारथी बनना स्वीकार किया और कौरव की ओर उन्होंने अपनी सेना को रखा। जिस समय कौरव व पांडव की सेनाएं युद्ध के लिए आमने-सामने थी, अर्जुन ने भगवान श्री कृष्ण से कहा- भगवान्! रथ को दोनों सेनाओं के बीच ले चलो, ताकि मैं युद्ध करने वालों को देख लूं। भगवान श्री कृष्ण ने रथ को दोनों सेनाओं के बीच में ले गए। तब अर्जुन ने देखा कि युद्ध स्थान पर गुरु द्रोणाचार्य भीष्म पितामह अश्वत्थामा आदि लोग मौजूद थे। साथ ही अर्जुन ने अपने निकटस्थ स्वजन बन्धुओं को अस्त्रों से पूर्ण रुपेण सुसज्जित देखा, तो अर्जुन विचलित हो गए, उनका हृदय द्रवित हो गया।

'अशोच्यानन्वशोचस्त्वं प्रज्ञावाद्रांश्य भाषते।
गतासूनगतासंश्च नानूशोचन्ति पंडित:।।'

भगवान श्री कृष्ण ने अर्जुन को कहा कि तू न शोक करने योग्यों के लिए शोक करता है और पंडितों जैसे वचनों को कहता है। परंतु पंडित जन जिनके प्राण चले गए हैं, उनके लिए और जिनके प्राण नहीं गए हैं उनके लिए भी नहीं शोक करते हैं। *'अनाशिनोऽप्रमेस्य तस्माद्युध्यस्व भारत'* नाशरहित अप्रेमय नित्यस्वरूप जीवात्मा के यह सब शरीर नाशवान कहे गए हैं, इसलिए हे भरतवंशी अर्जुन तू युद्ध कर। 'धर्म एव हतो हन्ति धर्मो रक्षति रक्षित:।'

तुम धर्म की हानि कर रहे हो। तुम्हें यह ध्यान नहीं है कि जो धर्म की रक्षा करता है, उसकी रक्षा स्वयं होती है और धर्म को नष्ट करने वाला स्वयं नष्ट हो जाता है। 'हतो वा प्राप्स्यसि स्वर्गं जित्वा वा मोक्ष्यसे महीम् मर कर स्वर्ग को प्राप्त होगा अथवा जीतकर राज्य का सुख भोगेगा।'

'मन्मना भव मद्भक्तों मद्याजी मां नमस्कुरू।
मामेवैष्यसि सत्यं ने प्रतिजाने प्रियोऽसि में।।'

हे अर्जुन! तू केवल मुझ सचिदानन्द वासुदेव परमात्मा में ही अनन्य प्रेम से नित्य, निरंतर, अचल मनबाला हो और मुझ परमेश्वर को ही अतिशय श्रद्धाभक्ति सहित निष्कामभाव से नाम, गुण और प्रभाव के श्रवण-कीर्तन, मनन और पठन-पाठन द्वारा निरंतर भजने वाला हो तथा मेरा (शंख, चक्र, गदा, पद्म और किरीट कुंडल आदि भूषणों से युक्त पीताम्बर वनमाला और कौस्तुम मणिधारी विष्णु का) मन वाणी और शरीर के द्वारा सर्वस्व अर्पण करके अतिशय श्रद्धा भक्ति और प्रेम से ह्विलता पूर्वक पूजन करने वाला हो और मुझ सर्वशक्तिमान विभूति बल एश्वर्य, माधुर्य गंभीरता, उदारता, वात्सल्य और सुहृदयता आदि गुणों से संपन्न सबके आश्रयरूप वासुदेव को विनयभाव पूर्वक भ ित सहित साष्टाडंग दंडवत प्रणाम कर। ऐसा करने से तू (अर्जुन) मेरे को ही प्राप्त होगा। यह मैं तेरे लिए सत्य प्रतिज्ञा करता हूं, अत: तू मेरा अत्यंत प्रिय सखा है।

श्रीमद्भगवद्गीता कहती है कि सत् सनातन है, स्थाई है शाश्वते है, अत: जो है वह है, जो नहीं है, वह नहीं है। 'नासतो विद्यते भावो नाभावो विद्यते सत:' यह सत् अपना कार्य करता है। स्वर्ण से कुंडल बनता है, तो सोना समाप्त नहीं होता है। कुंडल टूट कर पुन: सोना बन जाता है, इसीलिए कि सोना कुंडल में विद्यमान है, यही सनातनता की सार्थकता है।

'सर्वोंपनिषदों गांवों दोग्द्या गोपालनंदन:
पार्थो वत्स: सुधीर्भोक्ता दुग्धं गीतामृतं महत्।'

श्रीमद्भगवद्गीता को उपनिषदों का मीठा दूध कहा गया है। उपनिषद गाय हैं। दुहने वाला वासुदेव कृष्ण हैं। अर्जुन बछड़ा हैं। पाठक पीने वाले (भोकता) हैं।

'कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फल्षु कदाचन'

कर्म और कर्म फल दोनों प्रभु को समर्पित हैं। हम तो उसकी अभिलाषा की पूर्ति के माध्यम मात्र है। वही जो चाहे अभिलाषा की पूर्ति ऐसे व्यक्ति को पूर्ण निश्चितता प्रदान करते हैं और उसकी जिम्मेदारी अपने ऊपर ले लेते हैं।

'योगक्षेमम् वहाम्ययहम्'। वही प्रभु सबको संसार सागर से पार करते हैं। हमारा कर्तव्य बनता है कि हम इस कल्याणकारी श्रीगीता के ज्ञानयज्ञ को सर्वत्र फैलाएं।

गीता के पठन-पाठन से मनुष्य जीवन का आधार सुदृढ़ होता है। श्री गीता की अलोकिक महिमा है, इसके श्रवण और रसावास्दन से सच्चिदानंद परमात्मा की प्राप्ति होती है।

गीता के अठारह आध्याय

1, अर्जुन विषाद योग 2.सांख्य योग 3. कर्मयोग 4. ज्ञानकर्मसंन्यास योग 5. कर्मसन्यास योग 6. आत्म संयम योग 7. ज्ञान-विज्ञान योग 8. अक्षर ब्रह्मयोग 9. राजविद्याराजगुह्मयोग 10. विभूति योग 11. विश्वरूपदर्शन योग 12. भक्ति योग 13. क्षेत्रक्षेत्रज्ञविभागयोग 14. गुणत्रयविभाग योग 15. पुरुषोतम योग 16. दैवासुर संपद्धिभाग योग 17. श्रद्धात्रयविभाग योग 18. मोक्ष सन्यांस योग।

ज्ञान, समर्पण और कर्म

गीता का हर श्लोक गागर में सागर है। लेकिन इस पूरे ग्रंथ का सार तीन बातों में छिपा है, ज्ञान, समर्पण और कर्म। ये तीन वो सूत्र हैं, जिन्हें अपनाकर व्यक्ति सफलता की सीढ़ी चढ़ता है। यानी स्वयं को ज्ञानवान बनाकर समर्पण भाव से कर्म में जुट जाएं। ज्ञान, जो बहते जल-सा निर्मल हो, समर्पण, जो गहरे समुद्र-सा अथाह हो और कर्म, जो धरती-सा निस्वार्थ हो।

स्वास्थ्य को प्रभावित करते हैं वास्तुदोष

सभी दिशाएं प्रकृति की ही हैं और सभी शुभ हैं। वास्तुशास्त्र तो मात्र प्रकृति में व्याप्त सूर्य की जीवनदायी सकारात्मक ऊर्जा के श्रेष्ठ उपयोग का तरीका बताता है ताकि पृथ्वीवासी स्वस्थ, सुखद व शांतिपूर्वक जीवन जी सकें।

आजकल छोटे या बड़े भवनों की बनावट पहले के भवनों की तुलना में सुंदर व भव्य जरूर हो गई है, लेकिन आर्किटेक्ट मकानों को सुंदरता प्रदान करने के लिए अनियमित आकार को महत्व देने लगे हैं। इस कारण मकान बनाते समय जाने-अनजाने वास्तु सिद्धांतों की अवहेलना हो रही है। महिला हो या पुरुष, उनकी हर प्रकार की बीमारी में वास्तुदोष की अपनी भूमिका रहती है। वास्तुदोष के कारण घर में सकारात्मक और नकारात्मक ऊर्जा के बीच असंतुलन की स्थिति पैदा हो जाती है। इस कारण वहां रहने वालों के शारीरिक व मानसिक रोगी बनने की आशंका होती है।

वैसे तो सभी दिशाएं प्रकृति की ही हैं और सभी शुभ हैं। वास्तुशास्त्र तो मात्र प्रकृति में व्याप्त सूर्य की जीवनदायी सकारात्मक ऊर्जा के श्रेष्ठ उपयोग का तरीका बताता है ताकि पृथ्वीवासी स्वस्थ, सुखद व शांतिपूर्वक जीवन जी सकें। वह भवन, जहां पर प्रात:काल की बजाय दोपहर की किरणें आती हैं वहां रहने वालों का स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहता। दोपहर के समय पृथ्वी पर पड़ने वाली सूर्य की नकारात्मक किरणें (अल्ट्रा वायलेट) होती हैं जो स्वास्थ्य के लिए बहुत नुकसानदेह होती हैं। इसी कारण वास्तुशास्त्र में दक्षिण व पश्चिम की दीवारों को ऊंचा रखने का प्रावधान है। साथ ही इन दिशाओं में उत्तर व पूर्व की तुलना में कम खिड़की-दरवाजे रखने की सलाह दी गई है ताकि उस घर में रहने वाले सदस्य इन नकारात्मक ऊर्जा से युक्त किरणों के संपर्क में कम से कम आएं तथा ईशान दिशा में स्थित जल स्त्रोतों पर भी यह किरणें न पड़ सकें।

भवन के ईशान कोण में अधिक खाली जगह रखने का कारण भी सूर्य की गति ही है। जब सूर्य उत्तरायण की तरफ होता है तो दोपहर तक लाभदायक किरणें पृथ्वी पर पड़ती हैं। जब सूर्य दक्षिणायण होता है तो दोपहर के पूर्व ही हानिकारक किरणें पड़नी शुरू हो जाती हैं, क्योंकि दिन छोटे होते जाते हैं। अत: उत्तरायण काल की सूर्य की किरणों का पूरा लाभ प्राप्त करने के लिए ही वास्तुशास्त्र में दक्षिण की अपेक्षा उत्तर में ज्यादा खाली जगह छोड़ने की सलाह दी गई है। जिस घर का नैऋत्य कोण, किसी भी प्रकार से नीचा हो या वहां किसी भी प्रकार का भूमिगत पानी का टैंक, कुआं, बोरवेल, सेप्टिक टैंक इत्यादि हो तो वहां रहने वाले के असामयिक मृत्यु का शिकार होने की आशंका रहती है।

ध्यान रहे वास्तुशास्त्र एक विज्ञान है। घर की बनावट में ही वास्तु अनुकूल परिवर्तन कर वास्तुदोषों को दूर किया जा सकता है। बाकी टोटकों की जरूरत नहीं है।

श्रीयंत्र उपासना से आती है अमिट सुख-समृद्धि!

भारतीय सनातन उपासना पद्धति में श्रीयंत्र उपासना का बहुत महत्व है। इसके बारे में प्राय: एक व्यक्ति कभी न कभी चर्चा छेड़ ही देता है लेकिन पूरी जानकारी न मिलने पर वह इस अद्भुत उपासना से नहीं जुड़ पाता। उत्तरायण में यानी सूर्य की मकर राशि में प्रवेश करने के बाद जब माघ का महीना प्रारंभ होता है इस यात्रा की उपासना प्रारंभ कर देनी चाहिए। तभी दीपावली की रात्रि को यह यंत्र अराधना के बाद फलदायी बनता है। 14 जनवरी से उत्तरायण शुरू हो जाएगा। अत: अपनी एंव राज्स की सुख-समृद्धि चाहने वालों साधकों की उपासना के लिए श्रीयंत्र की उपासना का अनुकूल समय आ रहा है।

प्राचीन है पद्धति

धन-संपदा और वैभव की देवी महालक्ष्मी की कृपा पाने के लिए श्रीयंत्र की उपासना एवं प्रयोग प्राचीन काल से प्रचलित है। आर्थिक दृष्टि से श्रीयंत्र को समस्त यंत्रों का शिरोमणि और यंत्रराज माना गया है। श्रीयंत्र उस त्रिपुरा महा शिवशक्ति का प्रतीक है, जो धन-वैभव, सुख-समृद्धि एवं संपन्नता की अधिष्ठात्री भी महात्रिपुर सुंदरी के रूप में प्रसद्धि है। ब्रह्मा की उत्पत्ति, स्थिति और पालना की सामर्थ्य प्राप्त करने का कारण भी यही है। जगगुरु आदि शंकराचार्य के अनुसार यदि शिव, शक्ति के सहित होता है। वही शक्ति युक्त अर्थात् सर्व सामर्थ्यवान होता है। शक्ति से रहित हुआ देव शुभाशुभ फल देने योग्य नहीं होता।

शास्त्रानुसार लक्ष्मी सरस्वती एवं ब्रह्माणी तीनों लोकों की संपत्ति, वैभव एवं शोभा का नाम ही श्री है। लक्ष्मी, सरस्वती, धात्री त्रिवर्मसम्पद् विभूति शोभासु। जो ब्रह्मा, विष्णु एवं महेश इन तीनों से जो पुरातन हो, वही त्रिपुरा है। श्रीयंत्र में पांच त्रिकोण की नोंक ऊपर की ओर और चार त्रिकोण की नीचे की ओर हैं जिनकी नोंक ऊपर की ओर है, उन्हें भगवती की शक्ति का प्रतीक माना जाता है और उसे शिवशक्ति भी कहा जाता है। नीचे की ओर नोंक वाले त्रिकोण कल्याणकारी शिव के प्रतीक हैं। इन्हें श्रीकंठ भी कहते हैं। ऊर्ध्वमुखी पांच त्रिकोण पांच प्राण, पांच ज्ञानेंद्रियां, पांच तन्मात्रा और 5 महातत्वों के प्रतीक हैं। शरीर में यह अस्थि, मेदा, मांस, अवृक और त्वचा के रूप में विद्यमान है।

अधोमुखी चार त्रिकोण शरीर में जीव, प्राण, शुक्र और मज्जा की द्योतक हैं और ब्रह्मांड में मन, बुद्धि, चित्त और अहंकार के प्रतीक हैं। पांच ऊर्ध्वमुखी और चार अधोमुखी त्रिकोण नौ मूल प्रवृत्तियों का प्रतिनिधित्व करती हैं। इस प्रकार श्री यंत्र में एक आठ दल वाला और दूसरा सोलह दल वाला कमल है। भगवान शंकर के मतानुसार सृष्टि से ऊर्ध्वमुखी त्रिकोण अग्नि, तत्व के वृत्त वायु तत्व के बिंदु आकाश का और भूपुर पृथ्व तत्व का प्रतीक माना जाता है।

श्रीयंत्र की संरचना किसी शुभ मुहूर्त में स्वर्ण पत्र, रजत पत्र, ताम्र पत्र अथवा भोमपत्र पर शुद्धतापर्वूक एवं श्रद्धापूर्वक करवानी चाहिए। तदुपरांत किसी सुयोग्य पंडित से उसकी प्राण प्रतिष्ठा करवाकर विधिवत् लाल पुष्पों द्वारा पूजन करना चाहिए। यद्यपि श्रीयंत्र की शास्त्रीय पूजन विधि अत्यंत जटिल एवं विस्तृत प्रक्रिया है, परंतु यहां पर संक्षिप्त विधि का उल्लेख करते हैं-

संक्षिप्त पूजन विधि

नित्य स्नान पूजा, पाठोपरांत शुद्ध स्वच्छ वस्त्र धारण करें। श्रीयंत्र को लाल वस्त्र एवं मौली लपेट कर लाल चंदन का तिलक लगाकर गंगा जल, मंत्र द्वारा शुद्धि कर आसन पर यंत्र को स्थापित करना चाहिए तथा धूप-दीप द्वारा वातावरण को पवित्र करके श्रीयंत्र के पास शुद्धासन पर पूव को मुख कर बैठें तथा यह मंत्र पढ़ते हुए यंत्र को प्रणाम करें-

'दिव्यां परां सुधवलां चक्रयातां,मूलादि बिन्दुपरिपूर्णा

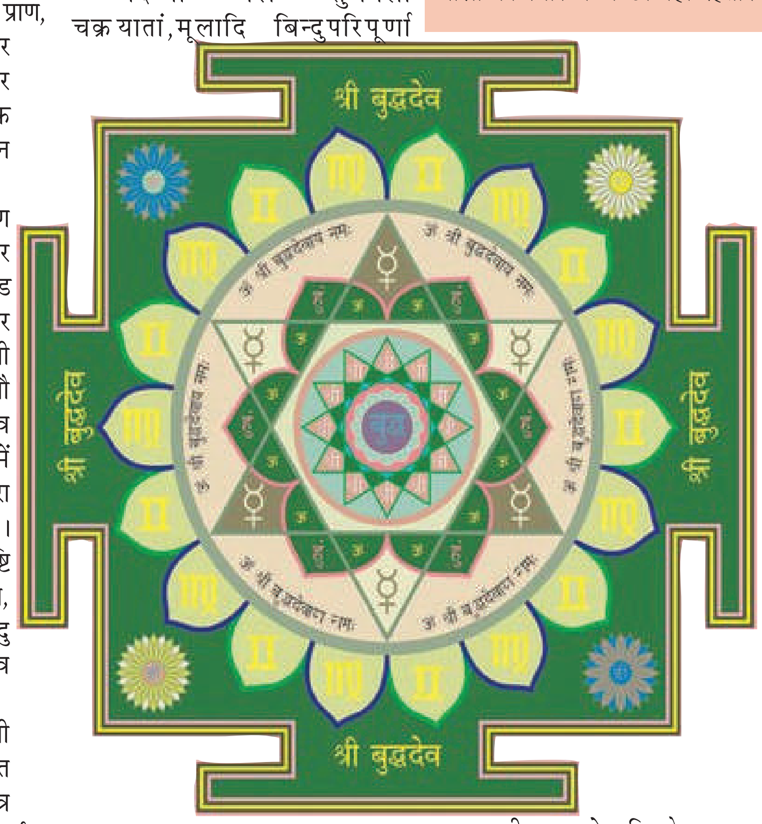

कलात्मरूपाम्। स्थित्वात्मिका शरधनुसृणि पाशहस्तां, श्री चक्रतां सततं नमामि।'

श्रीयंत्र की अधिष्ठानी देवी महात्रिपुर सुंदरी है, अत: यंत्र को प्रणाम करने के बाद निम्न मंत्र द्वारा देवी का ध्यान करें-

बालार्कयुत तैजसं त्रिनयनां, रक्ताम्बरोल्लासिनी।
नानालंकृति राजमान वपुषं बालेन्दु युत शेखरम्।
हस्तैरिक्षु धनु: सृर्णि सुरशंर, पाशं मुदा विभ्रतीम्
श्रीचक्र स्थित सुन्दरीं, त्रिजगतामाधारभूतां भजे।

इसके पश्चात् श्रीयंत्र की पंचामृत अथवा गंगा जल से स्नान कराकर लाल चन्दन, अक्षत, रोला, लाल पुष्प, धूप, दीप नैवेद्य अर्पित करते हुए पूजा करें। फिर कलश पर दीप जलाकर चन्दन या रुद्राक्ष की माला से शक्ति के अनुसार सवा लाख, 51 हजार, 31हजार, 21 हजार अथवा 11 हजार या 108 की संख्या में नियमित रूप से प्रतिदिन एक निश्चित समय पर संकल्प पूर्वक करने से अभीष्ट सिद्धि होती है।

मंत्र इस प्रकार से है-

नम: श्री चक्रस्थेऽखिलमयि नमो बिंदुनिलये।
नम: कामेशाक्तं स्थिताते नमस्तेऽव ललिते।
अथवा
नमो हेमाद्रिस्थे शिवशक्ति नम: श्री पुरगते।
नम: पद्माख्यां कुतुकिनी नमो रत्नगृहगे।
अथवा
ऊँ श्रीं ह्वीं क्लीं ह्वीं श्रीं महालक्ष्म्यै नम:।

पिरामिड देते हैं चमत्कारी प्रभाव

पिरामिड की मूल धारणा मिस्त्र के पिरामिडों पर आधारित मानी जाती है। पिरामिड का प्रयोग सही तरह से करने पर ये चमत्कारी प्रभाव देते हैं। भारत तथा दूसरे देशों के मंदिरों और गिरजाघरों को दिये गये पिरामिड सरीखे, इस बात को सिद्ध करते हैं कि पिरामिड की आकृति चमत्कारी शक्ति रखती है। इसकी एकाग्रता की शक्ति को समूचे विश्व ने स्वीकार किया है। इसके अलावा भवन निर्माण कला एवं स्थापत्य कला में इसका एक विशेष स्थान है।

किसी भी स्थिति में यह दावा नहीं किया जा सकता कि पिरामिडों में ऐसा कोई प्रभाव है, जो रातों-रात हमारी उन्नति के रास्ते खोल देगा। घर में पिरामिड की स्थापना से धन की बरसात नहीं होगी और इस संसार में ऐसी कोई वस्तु है भी नहीं, जिसके चमत्कार से ही धन प्राप्त हो सके। हमारे परिश्रम और ईश्वरीय कृपा-दोनों के सम्मिलित सहयोग से ही जीवन में प्रगति की जा सकती है। पिरामिड कोई पारस पत्थर नहीं है कि आपके पिछवाड़े सड़ रहे कबाड़ को सोना बना दे। पिरामिड आपकी मनोस्थिति को परिपक्व बनाने का काम करता है। आपके सोचने और सही निर्णय लेने की क्षमता को द्विगणित कर देता है। पिरामिड सही मायने में एक प्रकार की औषधि है और परहेज पूर्वक किया गया सेवन, आपको रोग मुक्त कर सकता है। लेकिन इसके विपरीत यदि आप किसी औषधि का ठीक से सेवन न करें तो आपके शरीर में रोग की उपस्थिति बनी रह सकती है। ऊपर से चाहे आप स्वस्थ दिखाई दें, लेकिन आन्तरिक रूप से आप कमजोर हो सकते हैं। यही स्थिति पिरामिड की है। आमतौर पर बाजार में सभी तरह की धातुओं, लकड़ी, प्लास्टिक और मिट्टी से बने पिरामिड विभिन्न आकारों में उपलब्ध हैं। विभिन्न पदार्थों से बने ये पिरामिड, एकल और नौ के गुणांक में आसानी से मिलते हैं। यह स्थिति आपके लिए समस्या उत्पन्न कर सकती है कि किसे और कितने आकार के पिरामिड की आपको आवश्यकता है। लेकिन इस समस्या का समाधान भी आपके ही पास है। पहले आप निर्णय करें कि आपको पिरामिड की स्थापना कहां करनी है। आमतौर पर यदि आप अपने ऑफिस की टेबल पर पिरामिड को रखते हैं तो आपके लिए एक बड़े आकार का धातु से बना पिरामिड उपयुक्त है, लेकिन इस पिरामिड को रखने से पूर्व कुछ बातों को ध्यान में रखें।

1. पिरामिड वहीं श्रेष्ठ है, जो धातु से बना हो।

2. दूसरी वरीयता उस पिरामिड को दें, जो मिट्टी का बना हो।

3. तीसरी वरीयता पत्थर से बने पिरामिड की है और चौथा स्थान लकड़ी से बने पिरामिड का है।

4. ये सब वस्तुएं प्रकृति का ही प्रतिनिधित्व करती हैं।

5.प्लास्टिक आदि से बने पिरामिड बेकार हैं, उनको उपयोग में न लाएं। क्योंकि प्लास्टिक से बने पिरामिडों का कोई शुभाशुभ प्रभाव नहीं होता।

6. ऑफिस की टेबल पर रखे पिरामिड का उपयोग कभी भी पेपर वेट के लिए न करें।

7. पिरामिड हमेशा आपके दांई तरफ होना चाहिए। अर्थात् अपने दाएं हाथ की ओर पिरामिड रखें।

8. किसी से बात करते समय पिरामिड को इस प्रकार अपने हाथों में न उछालें कि सामने वाले व्यक्ति को ऐसा आभास हो कि आपके हाथ में कोई खिलौना है।

यदि आप पिरामिड का ठीक प्रकार से उपयोग करते हैं तो निश्चित रूप से समय के साथ आपको इसका लाभ भी प्राप्त होगा। आपको केवल सब्र रखने भर की जरूरत है।

आज के समय में स्मार्ट नहीं

हार्ड वर्किंग है जरूरी

जब भी लम्बे काम की लिस्ट करने की जरूरत पड़ जाए तो छोटे ब्रेक्स जरूर लेने चाहिए। इससे फोकस बढ़ता है और थके हुए दिमाग को थोड़ा आराम भी मिल जाएगा। लेकिन ऐसा सोचना कि आज रिलैक्स करके काम कल करेंगे ये गलत लालच है। लम्बे ब्रेक्स आलस पैदा करते हैं। अगर सी तरह के ब्रेक्स लेंगे तो आपके काम पर असर जरूर पड़ेगा। काम करते रहने से ही सफलता मिलती है।

खराब क्वालिटी का काम मिल सकता है

इससे कोई फर्क नहीं पड़ता की आप रोज क्या काम करते हैं। अगर आप काम को पूरा समय नहीं देते हैं तो नतीजे बिगड़ सकते हैं। जो लोग मेहनत करने से बचते हैं और स्मार्ट वर्किंग तकनीक का ज्यादा इस्तेमाल करते हैं उनके काम की क्वालिटी खराब होने की सम्भावना ज्यादा होती है।

स्मार्ट वर्किंग करने वाले अक्सर अपने वर्कप्लेस पर सालों तक एक ही पोजिशन पर बने रह जाते हैं। जैसे अगर आप एक दिन में पांच प्रोजेक्ट्स करते हैं तो वे अच्छी क्वालिटी के नहीं हो सकते हैं। इसलिए चाहे एक दिन में कम काम करें लेकिन उसकी क्वालिटी बहुत अच्छी होनी चाहिए।

मेहनत हमेशा रंग लाती है

बात उस बॉस की नहीं है जो आपकी मेहनत को देखते हुए भी नजरअंदाज करते हैं। बात मेहनत के उस तजुर्बे की है जो आपको ऑफिस में सबके बीच मिलता है। हो सकता है आपको प्रोमोशन नहीं मिले लेकिन एक्सपीरिएंस जरूर मिलेगा और धीरे धीरे आप अपने काम में एक्सपर्ट बन जाएंगे। इसी तरह तजुर्बे लेकर एक दिन आप अपना ड्रीम जॉब भी हासिल करेंगे। अगली बार आपको कोई एक्स्ट्रा काम दे तो तुरंत उसे रिजेक्ट नहीं कर दें। कुछ मिनट रुकें और सोचें की क्या ये एक्स्ट्रा काम किसी भी तरह से भविष्य में मेरा भला कर सकता है? अगर जवाब हां में मिले तो उसे कर लेने में कोई बुराई नहीं है। ऐसे काम भी करें जो आपकी जवाबदारी या जिम्मेदारी में नहीं आते हैं। आप कभी इन्हे रिग्रेट नहीं करेंगे। हर हालत में मेहनत का फल तो मिलता ही है। पैसे पर फोकस करना बंद कर दें और तजुर्बा लेने की जिद पकड़ें।

कैरियर

इन संकेतों से जानें

रिश्ते

कैसे बढ़े रिश्तों की उम्र

हर कोई अपने जीवनसाथी की भावनाओं को ठीक से समझ नहीं पाता है। एक साथ खुशनुमा जीवन बिताने वाली जोड़ियां बहुत समझदार, बहुत पैसे वाली या मनोविज्ञान की गहरी समझ रखने वाली हो ऐसा नहीं है। अगर लोग अपने रिश्ते में कुछ चीजों को जोड़ते रहते हैं तो रिश्ते लंबे समय तक टिके रहते हैं।

प्यार जताने का तरीका

अपने रिश्ते में समय-समय पर प्यार जताना जरूरी होता है ताकि आपके साथी को यह लगता रहे कि आपके लिए इस जु?ाव की अहमियत है। जीवनसाथी के लिए फूल खरीदना या फिर उसकी पसंद की चीजें करने का अपना महत्व है। यह बहुत छोटी-सी बात लग सकती है लेकिन किसी भी रिश्ते में इसका बहुत ज्यादा महत्व होता है। किसी भी रिश्ते में जब एक व्यक्ति को यह लगने लगता है कि उसकी कोई अहमियत नहीं है तो यहीं से दरार पड़ना शुरू होती है। अगर दोनों एक दूसरे के साथ जुड़ाव महसूस करते हैं तो रिश्ता ताउम्र बना रहता है। ऐसे जीवनसाथी कभी भी संवाद की कमी, पैसों की दिक्कतों या फिर रिश्तेदारों के कारण रिश्ते को खत्म नहीं करते हैं।

गलतियों को मान लेना

हर रिश्ते में लड़ाइयां और गलतफहमियों के लिए पूरी गुंजाइश होती है। लेकिन जब दोनों ही अपनी गलतियों के लिए माफी मांगने की समझबूझ रखते हैं तो रिश्ता हरा-भरा रहता है। अपनी गलती स्वीकारना अपने कद को छोटा करना नहीं है बल्कि यह तो बड़प्पन को बताता है। जब आप अपने अहम को छोड़कर अपने साथी को मनाने की कोशिश करते हैं तो इसका मतलब है कि आपके रिश्ते में एकदूसरे लिए पर्याप्त प्रेम है। अपने साथी की परिस्थिति को समझना भी बहुत ही मायने रखता है क्योंकि उससे भी दूरियां खत्म हो जाती हैं और शिकवों के लिए जगह नहीं रहती।

बातचीत का लहजा

आप क्या कहते हैं यह उतना मायने नहीं रखता है बल्कि महत्वपूर्ण यह है कि आप किस तरह से कहते हैं। बातचीत करते हुए अगर आप किसी बात को बहुत गुस्से में कहते हैं तो उसकी प्रतिक्रिया वैसी ही होगी जबकि अगर आप उसे समझाने के अंदाज में कहते हैं तो उसका असर दूसरी तरह होता है। किसी भी बहस में आपको अपने साथी के प्रति बहुत ही नपे-तुले शब्दों का उपयोग करना चाहिए। किसी भी मुद्दे पर आप अपने साथी के साथ किस तरह बात करते हैं उसी से आप दोनों का जुड़ाव स्पष्ट हो जाता है। याद रखिए आपकी टोन किसी भी बात को कहते हुए मायने रखती है।

किस तरह ध्यान देते हैं

जब भी आपका जीवनसाथी आपको मैसेज करता है तो आप किस तरह और कितनी देर में उसका जवाब देते हैं इससे भी पता चलता है कि आपका रिश्ता किस दौर से गुजर रहा है। जो अपने जीवनसाथी के फोन या संदेश को महत्व नहीं देते हैं वे अपने रिश्ते को मुश्किल में डाल रहे होते हैं। जिस रिश्ते में दोनों ही साथी एकदूसरे के साथ चीजें शेयर करते रहते हैं या फिर एकदूसरे को जिंदगी के अनुभवों के बारे में बताते रहते हैं वह लंबे समय तक टिका रहता है। एकदूसरे के साथ जुड़ाव बढ़ाने के लिए शेयरिंग बहुत ही अहम है।

एकदूसरे को स्वीकार करना

किसी रिश्ते की शुरुआत में दो व्यक्तियों में बहुत ज्यादा प्रेम होता है और तब सारा ध्यान खूबियों पर ही होता है लेकिन समय के साथ एकदूसरे की कमियां भी सामने आती हैं। लेकिन इन कमियों को नजरअंदाज करके अगर आप खूबियों पर ही ध्यान लगाएं तो रिश्ता कायम रहता है। जब आप किसी भी कमजोरी या कमी को ज्यादा बड़ा करके देखने लगते हैं तो चीजें खराब मोड़ लेने लगती हैं। किसी भी खुशहाल रिश्ते में एकदूसरे से प्रेम के अलावा किसी भी अन्य चीज की अपेक्षा से बचना चाहिए। कोई भी व्यक्ति पूरी तरह परफेक्ट नहीं होता है परफेक्शन तो आपको तलाशना पड़ता है।

खाली समय कैसे गुजारते हैं

अगर आप दोनों अपना खाली वक्त एकदूसरे के साथ गुजारना पसंद करते हैं तो समझिए कि आपका रिश्ते बिल्कुल सुरक्षित दायरे में हैं। अक्सर लोग अपने खाली वक्त में अकेले कहीं जाना पसंद करते हैं या उन चीजों को करने के बारे में सोचते हैं जो लंबे समय से अटकी पड़ी है। तब जीवनसाथी को मिलने वाला वक्त और भी कम हो जाता है। ऐसे में आपसी उलझनों को सुलझाने का समय ही नहीं मिलता है। संवाद से सारी चीजों का हल निकाला जा सकता है मगर तब क्या होगा जब इस संवाद के लिए समय ही न हो। साथ बिताया जाने वाले समय की ज्यादा न हो लेकिन जितना हो वह शानदार ढंग से बीते तो रिश्ता बेहतर होता है।

कोई भी रिश्ता हमेशा बना रहेगा इसकी गारंटी लेकर नहीं तय होता है। रिश्तों को लगातार सींचना पड़ता है। एक साथ जिंदगी शुरू करने वाले दो लोग इस बात को जानते हैं कि रिश्ता बनाना एक लंबी प्रक्रिया है। जरूरत से ज्यादा अपेक्षा का बोझ रिश्ते नहीं उठा पाते हैं और टूट जाते हैं। यह कभी नहीं होता कि हर कोई रिश्ते निभाना जानता हो। हम सभी में कुछ कमियां और कमजोरियां होती हैं।

बेडरूम में भूलकर भी न रखें फूल

फेंगशुई में घर को शरीर के समान माना जाता है। फेंगशुई में हर छोटी-बड़ी चीज का महत्व है। अगर घर में गलत स्थान पर कोई चीज रखी है तो इसके दुष्परिणाम भी सामने आने लगते हैं। फूलों से घर को सजाने में भी हमें फेंगशुई के सिद्धांतों को ध्यान रखना चाहिए।

घर में अगर फूलों को सही स्थान पर रखा जाए तो ये घर को पॉजिटिव एनर्जी से भर देते हैं। अपने घर में फूलों को हमेशा लिविंग रूम या डाइनिंग रूम में लगाना चाहिए। बेडरूम में फूलों को बिल्कुल भी नहीं रखना चाहिए। ऐसा करने से घर के सदस्यों में बेचैनी हो सकती है।

फेंगशुई के अनुसार बांस के पौधे सुख-समृद्धि के प्रतीक हैं। इनसे परिवार के सदस्यों को पूर्ण आयु और अच्छा स्वास्थ्य मिलता है। घर की बैठक में बांस का पौधा लगाना चाहिए। इसके अलावा घर को नकारात्मक ऊर्जा से मुक्त रखने के लिए पूर्व दिशा में मिट्टी के छोटे से पात्र में नमक भरकर रख दें। हर दिन इस नमक को बदलते रहें।

वास्तु

घर में खुशहाली के लिए तीन हरे पौधे मिट्टी के बर्तनों में घर के अंदर पूर्व दिशा में रखें। ये पौधे बोनसाई या कैक्टस के न हों। घर, कार्यालय, शोरूम के पूर्वी हिस्से में लकड़ी का फर्नीचर रखने से लाभ मिलता है। अपने लिविंग रूम या डाइनिंग रूम में फ्रेश फूलों को लगाएं। इससे घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।

घर में रखे फूल अगर सूखने या मुरझाने लगें तो इन्हें तुरंत हटा देना चाहिए। सूखे फूलों को कभी भी घर में नहीं लगाना चाहिए। फेंगशुई में माना जाता है कि सूखे हुए फूलों से नकारात्मक ऊर्जा आती है। आप अपने घर में प्लास्टिक के आर्टिफिशियल फूल भी लगा सकते हैं।

कभी भी हो सकती है

नई शुरुआत

जर्मन कवि बर्तोल्त ब्रेख्त की पंक्तियां हैं-
जो हो चुका सो हो चुका, हर चीज बदलती है,
अपनी हर आखिरी सांस के साथ,
तुम कर सकते हो ताजा शुरुआत...।

किसी भी काम की शुरुआत के लिए जरूरी नहीं कि कोई मुहूर्त ही हो। जब आपकी इच्छा हो, मन में जुनून हो तभी एक नई शुरुआत की जा सकती है। यदि पूर्व में असफलता भी मिली हो तो उससे घबराना कैसा। आगे तो बढ़ना ही है जिसके लिए पहला कदम भी बढ़ाना ही होगा। नई शुरुआत तभी संभव है जब बुरी यादों को भुलाकर नए दृष्टिकोण के साथ शुभ कदम बढ़ाएं। प्रयास करें, हारें, फिर प्रयास करें, यही तो जीवन है। अमेरिकी टीवी होस्ट ओप्रा विनफ्रे ने एक इंटरव्यू में कहा था, ऐसा काम करें जिसे असंभव समझते हों। विफल हों, फिर प्रयास करें। केवल वे लोग ही नहीं गिरते, जो कभी चुनौतीपूर्ण काम नहीं करते। हार भी आपकी है, इसलिए अपनी हार का भी आनंद लें। हम सभी कभी न कभी असुरक्षित महसूस करते हैं। संबंध, करियर, सेहत...ऐसे कई पहलू हैं, जिनमें विफलता की चिंता होती है। इससे बचाव के लिए कुछ जरूरी बातों पर ध्यान देना अति आवश्यक है। इसलिए यदि इन चार बातों पर ध्यान दें तो जिंदगी आसान होगी।

व्यक्तित्व विकास

1. दो नावों में न रहें सवार

एक ही बार में दो अलग-अलग दिशाओं में चलना मुमकिन नहीं तो ऊर्जा व्यर्थ क्यों करें? सिर्फ थोड़ा-सा पाने के लिए अगर रोज इच्छा के खिलाफ काम करना पड़े तो बेहतर है वह करें जो करना चाहते हैं। लेकिन पहले यह जान लें कि करना क्या चाहते हैं। दुविधा में रहने और आगे कदम न बढ़ाने से विफलता ही मिलेगी, इसलिए दृढ़-इच्छा से आगे बढ़ें। एक नई शुरुआत के लिए कोई समय नहीं होता, वह तो कभी भी शुरू की जा सकती है।

2. समय है 'हां' कहने का

सही दिशा में कदम बढ़ाने के बाद डर की कोई वजह नहीं रहना चाहिए। जीवन को पूरे जज्बे के साथ जीने की चाह रखें, अपनी काबिलियत पर भरोसा रखें। अतीत से सबक लेकर मौजूदा स्थिति पर नियंत्रण रखें। फैसलों पर अडिग रहें। नए अवसरों को स्वीकार करें तभी तो किसी काम की शुरुआत होगी।

3. नजरिया बदलें

सोच बदले बिना नतीजे नहीं बदले जा सकते। सोच एक-सी रहेगी तो नतीजे भी एक जैसे ही मिलेंगे। इसलिए नए विचारों को दिल में जगह दें। दृष्टिकोण बदलने को तैयार रहें। हर चीज बदलती है, इसी का नाम जिंदगी है।

4. डर कैसा हार से

दिल्ली विश्वविद्यालय में समाजशास्त्र विभाग की प्रो. अनीता मिनोचा कहती हैं जब हम वर्तमान से संतुष्ट नहीं होते तो अतीत अधिक खुशगवार लगता है। अतीत कितना भी अच्छा हो, उसे लौटा तो नहीं सकते। इसलिए सचाई स्वीकारें। हर चुनौती का सामना करें और एक नई शुरुआत में जुट जाएं।

सफलता का स्वाद

कभी-कभी कोई उदाहरण हमें वह सबक भी सिखा जाता है, जिसका हम लंबे समय से इंतजार कर रहे होते हैं। अब्राहम लिंकन अमेरिका के 16वें राष्ट्रपति थे। वे जीवन के 51वें पड़ाव पर राष्ट्रपति चुने गए। इस बड़ी सफलता का अध्याय दरअसल अनेक विफलताओं की बुनियाद पर लिखा गया। उम्र के 22वें वर्ष में बिजनेस में उन्हें नुकसान हुआ, 23वें वर्ष में राजनीति में कदम रखा, मगर हार गए, 24वें वर्ष में फिर व्यापार में नुकसान हुआ, 26वें वर्ष में उनकी मंगेतर का निधन हो गया, फिर खुद बीमार हो गए। एक बार फिर उन्होंने स्पीकर का चुनाव लड़ा। यह उम्र का 29वां पड़ाव था लेकिन यहां भी उन्हें हार का स्वाद चखना पड़ा। 31 वें वर्ष में फिर उन्होंने राजनीति की ओर रुख किया लेकिन फिर चुनाव हारे। 46 की उम्र में सीनेट का चुनाव लढ़ा और हारे। विफलताओं से उनका बेहद करीबी रिश्ता रहा, लेकिन एक दिन यही व्यक्ति अमेरिका का राष्ट्रपति बन गया।

जानें इंडिया के बेस्ट मानसून स्पॉटस के बारे में....

अगर आप इस मॉनसून में अपने पार्टनर के साथ कहीं बाहर जाने की सोच रहे हैं और आपको समझ न आ रहा हैं कि कहां जाएं तो हम आपकी इसमें मदद कर देते हैं। हम आपको बताएंगे ऐसी हसीन वादियां के बारे में जहां जाकर आप इस भागती दौड़ती जिंदगी के तनाव से आजाद होकर अपने पार्टनर के साथ हसीन लम्हों का मजा उठा पाएंगे। इन जगहों पर न सिर्फ आपको खूबसूरत मौसम मिलेगा बल्कि,यहा ठंडी-ठंडी फुहारों में भीगने का मजा ही कुछ और होगा। ये हैं इंडिया के बेस्ट मानसून स्पॉट जहां आप जरूर जाना चाहेंगे। दार्जिलिंग, पश्चिम बंगाल दार्जिलिंग पश्चिम बंगाल का स्वर्ग हैं। यहां हर साल हजारों की संख्या में पर्यटकों का तांता लगा रहता हैं। यह शहर चाय बागान के लिए भी विश्व प्रसिद्ध हैं। मानसून के मौसम में दार्जिलिंग की सैर एक अनोखा और यादगार पल होगा। क्योकि चारों और फैले चाय के बागान और दार्जिलिंग की हसीन वादियां आपका मन मोह लेंगे। गोवा यह बीच अपने भव्य प्राकृतिक दृश्यों के कारण पर्यटकों को सम्मोहित करता हैं। यहां कुदरत का नजारा देखते ही बनता है। समुद्र के किनारे झुके हुए खजूर के पेड़ और सफेद चमकीले रेत इस बीच की खूबसूरती को और भी बढ़ा देते हैं। इस बीच को पहले हिप्पियों का बीच कहा जाता था। अगर आप मोलभाव में अच्छे हैं, तो आपको मोलभाव करके खरीदारी में मजा आता है तो यहां लगाने वाला बाजार भी आपके लिए एक आकर्षण है। इस बीच पर चांदनी रातों में हिप्पियों की पार्टियां होती हैं जो बड़ी संख्या में पर्यटकों को आकर्षित कराती हैं । शिलांग, मेघालय मेघालय की राजधानी शिलांग एक बेहद खूबसूरत आकर्षक स्थल हैं। पहाड़ियों पर बसा यह छोटा सा शहर हमेशा से ही पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र रहा हैं, इसे पूरब का स्कॉटलैंड भी कहा जाता है। यहां पर मानसून का अपना अलग ही मजा है। वैसे तो यहां पूरे साल मौसम सुहावना रहता है लेकिन मानसून में यहां के मौसम में चार चांद लग जाते हैं। कुर्ग, कर्नाटक पश्चिमी घाटों में फैला हुआ कुर्ग की मिस्टी घाटी में खूबसूरती देखते ही बनती हैं। यहां कॉफी, चाय और मसालों के पेड़ हैं। कुर्ग को इसकी खूबसूरती और यहां के खुशनुमे मौसम के चलते भारत का स्कॉटलैंड कहा जाता है। यहां कॉफी और मसालों की खेती होती है। कुर्ग के प्रसिद्ध पर्यटन केन्द्र में मंडालपत्ती, तिब्बती मठ, कावेरी नदी, इरूपू फॉल, इगुथापा मंदिर, ओमकारेश्वर मंदिर, मरकारा डाउन गोल्फ क्लब, ब्रह्मागिरी पहाड़ी और नाल्कनद महल है। मुन्नार, केरल मुन्नार में विशाल चाय बागान और घुमावदार गलियों की वजह से मुन्नार भारत के फेमस हिल स्टेशन में से एक है। यहां भारतीय मसालों की खुशबू आती है क्योंकि यहां मसालों की खेती होती है। यहां पर्यटकों के बीच हाउसबोटिंग काफी पॉपुलर है। मुन्नार के प्रसिद्ध पर्यटन केन्द्र में चाय के बगीचे, वॉन्डरला अम्यूसमेंट पार्क, कोची फोर्ट, गणपति मंदिर और हाउसबोट है।

पर्यटन

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ

संपादकीय

सत्ता ही 'जनार्दन' है!

अब यह भारतीय लोकतंत्र और राजनीति का नया मुहावरा होना चाहिए। हम सुनते आए थे कि जनता 'जनार्दन' होती है। प्रधानमंत्री मोदी ने भी सार्वजनिक मंचों से यह कई बार स्वीकार किया है और चुनाव के बाद जनता के सामने नतमस्तक भी हुए हैं। दरअसल लोकतंत्र के शास्त्रीय अर्थ तो यही हैं, क्योंकि जनता ही जन-प्रतिनिधि चुनती है। प्रधानमंत्रियों, मुख्यमंत्रियों, कद्दावर नेताओं को खारिज कर सत्ता से बाहर भी करती रही है, लेकिन अब भाजपा नए किस्म की राजनीति गढ़ रही है। फिलहाल पश्चिम बंगाल का ही उदाहरण लें। भाजपा ने चुनाव में 15 साल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और उनकी पार्टी तृणमूल कांग्रेस को करारी पराजय दी है। यह जनादेश स्पष्ट है, लेकिन भाजपा इसी से संतुष्ट नहीं है। तृणमूल के भीतर बगावत, टूट और पाला-बदल कोई वैचारिक और नैतिक नहीं है। दरअसल भाजपा तृणमूल को तोड़ कर, अंततः ममता बनर्जी को 'पार्टीहीन' करने पर आमादा है। दिलचस्प यह है कि बंगाल में तृणमूल का बागी गुट प्रमुख विपक्षी दल है, लिहाजा उसके नेता ऋतब्रत बनर्जी को स्पीकर ने 'नेता प्रतिपक्ष' की मान्यता दी है। दिल्ली में तृणमूल के 20 लोकसभा सांसदों ने 'अलग गुट' के तौर पर, बैठने की अलग व्यवस्था करने के लिए, स्पीकर ओम बिरला को पत्र लिखा है। संभवतः स्पीकर सोमवार, 15 जून को, बागी सांसदों से मुलाकात करेंगे और उनके हस्ताक्षरों की पुष्टि करेंगे। सांसदों का बागी गुट एनडीए को समर्थन देना चाहता है। बाद में वे भाजपा में भी विलीन हो जाएं, तो आश्चर्य नहीं होना चाहिए। सहज सवाल यह है कि आखिर विपक्ष कौन है? तृणमूल विपक्षी दल है अथवा एनडीए का संभावित घटक...! बंगाल में विधायकों और सांसदों को जनादेश क्या मिले थे? बेशक जनादेश भाजपा के खिलाफ थे, लेकिन अब कमोबेश सांसद सत्ता-समर्थक हो रहे हैं। यह कौन-सी राजनीति या जनादेश की स्वीकृति है? क्या अब संवैधानिक शुचिता या नैतिकता की बात करना ही छोड़ दें? सर्वोच्च अदालत ने भी विभाजन, टूट-फूट विधायक अथवा संसदीय दल में नहीं माना था। शायद ऐसा संविधान-पीठ का फैसला है। शीर्ष अदालत पार्टी के भीतर दोफाड़ और दलबदल को 'विभाजन' मानती है, लिहाजा तृणमूल के भीतर भाजपा जो करवा रही है, वह असंवैधानिक है। ममता बनर्जी को इसकी पर्याप्त जानकारी होगी, तभी तृणमूल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तय करने के स्पीकर के फैसले को कोलकाता उच्च न्यायालय में चुनौती दे रखी है। सवाल दलबदल का इतना गंभीर नहीं है। केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव से बागी तृणमूल सांसद सुदीप बंद्योपाध्याय ने, एक और बागी शताब्दी रॉय के साथ, मुलाकात और विमर्श किया है। सुदीप ने गृहमंत्री अमित शाह से भी करीब 30 मिनट तक मुलाकात, बातचीत की है। सुदीप कभी तृणमूल के संसदीय नेता और ममता के बेहद भरोसेमंद होते थे। रविवार को मुख्यमंत्री सुवेन्दु अधिकारी एक बार फिर बागी सांसदों की बैठक में उपस्थित रहे। यदि तृणमूल के तिनका-तिनका होने या करने में भाजपा की कोई भूमिका नहीं है, तो केंद्रीय मंत्री और मुख्यमंत्री बागी चेहरों से लगातार, बार-बार, मुलाकातें क्यों कर रहे हैं? क्या बार-बार चाय पीने का मन करता है? दरअसल इस राजनीति ने नया मुहावरा यह गढ़ दिया है कि अब विपक्ष भी 'सत्तामय' होगा! कोई ताकतवर, प्रतिद्वंद्वी विपक्ष नहीं होगा! यदि राजनीतिक तौर पर किसी दल या जन-प्रतिनिधि को जिंदा रहना है, तो भाजपा के मुताबिक ही चलना पड़ेगा। अब चुनाव के दौरान भी जनता नहीं, सत्ता और उसके प्रबंध नहीं, 'जनार्दन' होंगे! क्या इसी तरह धीरे-धीरे लोकतंत्र का लोप होगा? दरअसल यह क्षेत्रीय दलों का अस्तित्व खत्म करने की बड़ी राजनीतिक साजिश है। उन्हें जेल जाने के खौफ दिखाए जा रहे हैं, ईडी और सीबीआई को निरंकुश कर दिया गया है, अब पुलिस रात के अंधेरे में भी, किसी भी नेता के घर में, घुस सकती है। बहरहाल भाजपा तृणमूल के 20 सांसद तोड़ ले और द्रमुक के 22 सांसदों का समर्थन जुगाड़ ले, फिर भी लोकसभा में उसका दो-तिहाई बहुमत नहीं होगा। अभी शिवसेना (उद्धव) के भी सांसद तोडऩे की रणनीति पर विचार किया जा रहा है। ऐसे माहौल में सर्वोच्च अदालत को हस्तक्षेप करना चाहिए, क्योंकि संविधान ने उसे कई विशेष शक्तियां दी हैं। चुनाव आयोग तो पहले से ही 'भाजपा का भोंपू' बना है। यदि तृणमूल का मामला आयोग तक गया, तो नियति शिवसेना और एनसीपी वाली तय है।

प्रधानमंत्री मोदी ने भी सार्वजनिक मंचों से यह कई बार स्वीकार किया है और चुनाव के बाद जनता के सामने नतमस्तक भी हुए हैं। दरअसल लोकतंत्र के शास्त्रीय अर्थ तो यही हैं, क्योंकि जनता ही जन-प्रतिनिधि चुनती है। प्रधानमंत्रियों, मुख्यमंत्रियों, कद्दावर नेताओं को खारिज कर सत्ता से बाहर भी करती रही है, लेकिन अब भाजपा नए किस्म की राजनीति गढ़ रही है। फिलहाल पश्चिम बंगाल का ही उदाहरण लें। भाजपा ने चुनाव में 15 साल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और उनकी पार्टी तृणमूल कांग्रेस को करारी पराजय दी है। यह जनादेश स्पष्ट है, लेकिन भाजपा इसी से संतुष्ट नहीं है। तृणमूल के भीतर बगावत, टूट और पाला-बदल कोई वैचारिक और नैतिक नहीं है। दरअसल भाजपा तृणमूल को तोड़ कर, अंततः ममता बनर्जी को 'पार्टीहीन' करने पर आमादा है। दिलचस्प यह है कि बंगाल में तृणमूल का बागी गुट प्रमुख विपक्षी दल है, लिहाजा उसके नेता ऋतब्रत बनर्जी को स्पीकर ने 'नेता प्रतिपक्ष' की मान्यता दी है। दिल्ली में तृणमूल के 20 लोकसभा सांसदों ने 'अलग गुट' के तौर पर, बैठने की अलग व्यवस्था करने के लिए, स्पीकर ओम बिरला को पत्र लिखा है।

कुछ अलग

सूखे पेड़ पर उल्लू

सडक़ पर सारा देश देखा जा सकता है, लेकिन हमारी सडक़ पर खड़ा यह सूखा पेड़ खुद को दिखाने का नजरिया बन गया है। दिखाने में सबसे अधिक मेहनत होती है। दिखाने के लिए पूरी मेकअप इंडस्ट्री फल-फूल रही है, तो शादियों के दिखावे में पूरा बाजार सक्रिय रहता है। यह विवाद का विषय है कि दूल्हा बाजार को सहारा देता है या दुल्हन से पूरा बाजार चलता है। खैर यह तो तसदीक हो चुका है कि औरतों के कारण बाजार नहीं, राजनीति भी चलने लगी है। हम समाज को सीधे देख ही नहीं पाते, बल्कि औरत के कारण समाज दिखाई देता है। बहरहाल सडक़ पर पेड़ सूख कर भी खड़ा था। वैसे सूखे हुए लोग भी यूं ही ठूंठ बनकर खड़े रहते हैं। हर जगह कोई न कोई ठूंठ मिल ही जाता है। ठूंठ की पहचान उसके खड़े रहने के तरीके से है। सरकार और आम जनता के बीच ठूंठ तय करते हैं कि कौन बीपीएल हो सकता है, किसे ठेका मिल सकता है या किसे काम करने की अनुमति प्रदान की जा सकती है। ठूंठ की खासियत यह कि यह चाहकर भी झुक नहीं सकता। ठूंठ का अपना आत्मविश्वास है, वह अपनी तरह से जिंदा रह सकता है, बल्कि कोई उसका क्या बिगाड़ लेगा। यही विश्वास सडक़ के किनारे खड़े पेड़ का भी है। वाहन उससे टकरा कर टूटते हैं, कई बार बाइक सवार मौत का शिकार हो जाते हैं, लेकिन पेड़ का बाल भी बांका नहीं होता। दरअसल वन विभाग इस ठूंठ की वजह से अपनी ताकत जानता है। चाहे जंगल में हरे पेड़ कट जाएं। तस्कर पूरा जंगल खाली कर दें या पेड़ हवाओं से ढह जाएं, मगर विभाग की शान ठूंठ में है। ऐसे में वन विभाग को ठूंठ विभाग मान लिया जाए, तो कम से कम जनता यह संतोष तो कर लेगी कि सडक़ पर ठूंठ हो रह जाना, राष्ट्रीय उपलब्धि है।

विज्ञान के साथ विवेक और सफलता के साथ संवेदनशीलता का समन्वय स्थापित कर सके

शिक्षा में एक नये युग एवं शैक्षिक क्रांति की आहट

शिक्षा के क्षेत्र में यह प्रश्न लगातार गूंज रहा है कि क्या वर्तमान शिक्षा व्यवस्था वास्तव में मनुष्य का निर्माण कर रही है या केवल पेशेवर और उपभोक्तावादी समाज का निर्माण कर रही है? ऐसे समय में जैन श्वेताम्बर तेरापंथी महासभा द्वारा प्रारंभ की गई आचार्य महाश्रमण इंटरनेशनल स्कूल की योजना एक नई आशा, नई दृष्टि और नए शैक्षणिक दर्शन के रूप में सामने आई है। यह केवल विद्यालयों की स्थापना की योजना नहीं है, बल्कि शिक्षा को उसके मूल उद्देश्य से जोड़ने का एक महाअभियान है। महासभा ने देशभर में लगभग सौ विद्यालयों की स्थापना का लक्ष्य निर्धारित किया है। वर्तमान में राजस्थान के श्रीडूंगरगढ़, गंगाशहर और नोखा तथा गुजरात के भुज में विद्यालयों का निर्माण और शैक्षणिक गतिविधियां तीव्र गति से संचालित हैं। इन विद्यालयों की स्थापना के पीछे केवल आधुनिक शिक्षण संस्थान खड़े करने की भावना नहीं है, बल्कि ऐसी शिक्षा संस्कृति विकसित करने का संकल्प है जो ज्ञान के साथ संस्कार, विज्ञान के साथ विवेक और सफलता के साथ संवेदनशीलता का समन्वय स्थापित कर सके।

आज पूरी दुनिया शिक्षा के एक ऐसे मोड़ पर खड़ी है जहां ज्ञान का विस्तार तो अभूतपूर्व हुआ है, लेकिन जीवन मूल्यों का क्षरण भी उतनी ही तेजी से दिखाई देता है। विज्ञान और तकनीक ने मानव जीवन को सुविधासंपन्न बनाया है, लेकिन मानसिक तनाव, हिंसा, प्रतिस्पर्धा, नैतिक संकट और मानवीय संवेदनाओं के क्षय जैसी चुनौतियां भी बढ़ी हैं। शिक्षा के क्षेत्र में यह प्रश्न लगातार गूंज रहा है कि क्या वर्तमान शिक्षा व्यवस्था वास्तव में मनुष्य का निर्माण कर रही है या केवल पेशेवर और उपभोक्तावादी समाज का निर्माण कर रही है? ऐसे समय में जैन श्वेताम्बर तेरापंथी महासभा द्वारा प्रारंभ की गई आचार्य महाश्रमण इंटरनेशनल स्कूल की योजना एक नई आशा, नई दृष्टि और नए शैक्षणिक दर्शन के रूप में सामने आई है। यह केवल विद्यालयों की स्थापना की योजना नहीं है, बल्कि शिक्षा को उसके मूल उद्देश्य से जोड़ने का एक महाअभियान है। महासभा ने देशभर में लगभग सौ विद्यालयों की स्थापना का लक्ष्य निर्धारित किया है। वर्तमान में राजस्थान के श्रीडूंगरगढ़, गंगाशहर और नोखा तथा गुजरात के भुज में विद्यालयों का निर्माण और शैक्षणिक गतिविधियां तीव्र गति से संचालित हैं। इन विद्यालयों की स्थापना के पीछे केवल आधुनिक शिक्षण संस्थान खड़े करने की भावना नहीं है, बल्कि ऐसी शिक्षा संस्कृति विकसित करने का संकल्प है जो ज्ञान के साथ संस्कार, विज्ञान के साथ विवेक और सफलता के साथ संवेदनशीलता का समन्वय स्थापित कर सके। तेरापंथ धर्मसंघ की शिक्षा-दृष्टि सदैव व्यापक, मानवीय और दूरदर्शी रही है। इस परंपरा में शिक्षा को केवल रोजगार प्राप्ति का माध्यम नहीं माना गया, बल्कि व्यक्ति के समग्र विकास का आधार समझा गया है। तेरापंथ के आचार्यों ने समय-समय पर यह स्पष्ट किया कि शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य मनुष्य को भीतर से समृद्ध बनाना है। यदि शिक्षा केवल बुद्धि को विकसित करे और हृदय को उपेक्षित छोड़ दे, तो वह अधूरी शिक्षा है। यदि वह ज्ञान तो दे लेकिन चरित्र न बनाए, तो वह समाज के लिए संकट भी उत्पन्न कर सकती है। आचार्य श्री तुलसी ने इस आवश्यकता को बहुत पहले पहचान लिया था। उन्होंने अणुव्रत आंदोलन के माध्यम से नैतिकता को सामाजिक जीवन के केंद्र में स्थापित करने का प्रयास किया। उनका मानना था कि व्यक्ति, समाज और राष्ट्र का वास्तविक विकास नैतिक आधार पर ही संभव है। उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में नैतिक मूल्यों को स्थापित करने के लिए नैतिक पाठमाला और नैतिक शिक्षा परीक्षाओं का अभिनव प्रयोग प्रारंभ किया। उस समय यह केवल एक शैक्षणिक कार्यक्रम नहीं था, बल्कि एक सामाजिक परिवर्तन का अभियान था। लाखों विद्यार्थियों ने इन कार्यक्रमों के माध्यम से सत्य, अहिंसा, अनुशासन, संयम, ईमानदारी और कर्तव्यपरायणता जैसे मूल्यों को अपने जीवन में अपनाने की प्रेरणा प्राप्त की। आचार्य महाप्रज्ञ ने इस विचारधारा को और अधिक वैज्ञानिक एवं व्यावहारिक रूप प्रदान किया। उन्होंने जीवन विज्ञान के

रूप में एक ऐसा शैक्षणिक मॉडल प्रस्तुत किया जिसमें शिक्षा को शरीर, मन, भावना और चेतना के विकास से जोड़ा गया। जीवन विज्ञान ने विद्यार्थियों को केवल परीक्षा में सफल होने की तैयारी नहीं दी, बल्कि तनावमुक्त जीवन, भावनात्मक संतुलन, आत्मानुशासन और सकारात्मक सोच की दिशा भी प्रदान की। आज जब दुनिया मानसिक स्वास्थ्य और भावनात्मक शिक्षा पर गंभीरता से विचार कर रही है, तब यह अनुभव होता है कि जीवन विज्ञान जैसी अवधारणाएं अपने समय से बहुत आगे की सोच थीं। आचार्य महाश्रमण ने इस समूची परंपरा को एक नई ऊंचाई प्रदान की है। उनका व्यक्तित्व ज्ञान, साधना, अनुशासन, अहिंसा और मानवीय संवेदनाओं का अद्भुत समन्वय है। उनकी दृष्टि में शिक्षा केवल मस्तिष्क के विकास तक सीमित नहीं रह सकती। उसे मनुष्य के भीतर छिपी नैतिक, आध्यात्मिक और मानवीय संभावनाओं को भी जागृत करना होगा। इसी कारण उनके नाम पर स्थापित आचार्य महाश्रमण इंटरनेशनल स्कूल केवल आधुनिक शिक्षा प्रदान करने वाले संस्थान नहीं, बल्कि जीवन-दृष्टि देने वाले केंद्र बनने की क्षमता रखते हैं। आचार्य महाश्रमण इंटरनेशनल स्कूल का मूल मंत्र- "ज्ञान, मूल्य और चरित्र" है जो वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता को अभिव्यक्त करता है। आज अधिकांश शैक्षणिक संस्थानों में ज्ञान और कौशल पर तो पर्याप्त ध्यान दिया जाता है, लेकिन मूल्य और चरित्र का पक्ष अपेक्षाकृत कमजोर दिखाई देता है। परिणामस्वरूप समाज में बौद्धिक प्रगति तो होती है, परंतु नैतिक और मानवीय संकट भी बढ़ते जाते हैं। आचार्य महाश्रमण इंटरनेशनल स्कूल इस असंतुलन को दूर करने का एक सार्थक एवं प्रभावी प्रयास साबित होगा। यहां शिक्षा का लक्ष्य केवल जानकारी देना नहीं, बल्कि ज्ञान को विवेक में और विवेक को चरित्र में रूपांतरित करना है। भारत की नई शिक्षा नीति 2020 भी इसी प्रकार की समग्र शिक्षा की आवश्यकता पर बल देती है। नई शिक्षा नीति में बहुआयामी विकास, जीवन कौशल, भारतीय ज्ञान परंपरा, मूल्य आधारित शिक्षा और समग्र व्यक्तित्व निर्माण को विशेष महत्व दिया गया है। किंतु किसी भी नीति की सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि उसे व्यवहार में उतारने वाले संस्थान कितने सक्षम हैं। आचार्य महाश्रमण इंटरनेशनल स्कूल इस दृष्टि से नई शिक्षा नीति के जीवंत और प्रभावी मॉडल बन सकते हैं। यहां आधुनिक पाठ्यक्रम, वैज्ञानिक दृष्टिकोण, तकनीकी दक्षता और वैश्विक प्रतिस्पर्धा की तैयारी के साथ-साथ नैतिकता, आत्मानुशासन, सह-अस्तित्व और आध्यात्मिक चेतना को भी समान महत्व दिया जाता है।

जैन श्वेताम्बर तेरापंथी महासभा के अध्यक्ष और प्रख्यात उद्योगपति महेंद्र नाहटा के अनुसार इस परियोजना को महासभा की प्रमुख शैक्षणिक गतिविधि के रूप में विकसित किया है। इन स्कूलों के उद्देश्य एवं उनकी दूरदृष्टि इस योजना को सामान्य विद्यालय परियोजना से कहीं अधिक व्यापक बनाती है। नाहटा का विश्वास है कि आने वाले समय में केवल तकनीकी ज्ञान पर्याप्त नहीं होगा। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, स्वचालन और डिजिटल तकनीक के युग में मशीनें अनेक कार्य कर सकेंगी, लेकिन करुणा, संवेदनशीलता, नैतिक निर्णय, मानवीय संबंध और आत्मिक संतुलन जैसे गुण केवल मनुष्य ही विकसित कर सकता है। इसलिए शिक्षा को मस्तिष्क के साथ-साथ हृदय और आत्मा को भी शिक्षित करना होगा। महेंद्र नाहटा का यह विचार अत्यंत महत्वपूर्ण है कि ये विद्यालय भारत की नई शिक्षा नीति को आध्यात्मिक दृष्टि से समृद्ध करने का माध्यम बन सकते हैं। यहां आध्यात्मिकता का अर्थ किसी धार्मिक संकीर्णता से नहीं है, बल्कि आत्म-जागरूकता, नैतिकता, सहिष्णुता, मानवीय एकता और आंतरिक संतुलन से है। यह दृष्टिकोण आज के वैश्विक समाज की भी आवश्यकता है, क्योंकि विश्व के अनेक विकसित देशों में शिक्षा सुधार की चर्चाओं का केंद्र मानसिक स्वास्थ्य, सामाजिक उत्तरदायित्व और मूल्य आधारित जीवन बनता जा रहा है। आज शिक्षा के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह है कि वह विद्यार्थियों को सफल तो बना रही है, लेकिन संतुष्ट नहीं; बुद्धिमान तो बना रही है, लेकिन संवेदनशील नहीं; सक्षम तो बना रही है, लेकिन चरित्रवान नहीं। परिणामस्वरूप समाज में तनाव, अवसाद, हिंसा, असहिष्णुता और सामाजिक विघटन जैसी समस्याएं बढ़ती जा रही हैं। ऐसे समय में शिक्षा के ऐसे मॉडल की आवश्यकता है जो मनुष्य को केवल प्रतिस्पर्धा के लिए नहीं, बल्कि जीवन के लिए तैयार करे। जो उसे केवल करियर नहीं, बल्कि जीवन का उद्देश्य भी प्रदान करे। जो उसे केवल कमाना नहीं, बल्कि जीना भी सिखाए। आचार्य महाश्रमण इंटरनेशनल स्कूल इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल हैं। यहां विज्ञान और अध्यात्म, आधुनिकता और संस्कृति, तकनीक और नैतिकता, प्रतिस्पर्धा और सहयोग, सफलता और संवेदनशीलता के बीच संतुलन स्थापित करने का प्रयास किया जायेगा। यह दृष्टिकोण भविष्य की शिक्षा का आधार बन सकता है। दुनिया भर में आज ऐसी शिक्षा की खोज हो रही है जो विद्यार्थियों को केवल ज्ञानवान नहीं, बल्कि विवेकवान और उत्तरदायी नागरिक भी बना सके। भारतीय शिक्षा परंपरा सदियों से इसी आदर्श की पक्षधर रही है।

देश दुनिया से

भारत-बांग्लादेश संबंधों में बढ़ता अविश्वास

भारत और बांग्लादेश के संबंध दक्षिण एशिया की कूटनीति में विशेष महत्व रखते हैं। वर्ष 1971 में बांग्लादेश की स्वतंत्रता के समय भारत ने जिस प्रकार राजनीतिक, सैन्य और मानवीय सहयोग प्रदान किया, उसने दोनों देशों के बीच मैत्री और विश्वास की मजबूत नींव रखी। पिछले पाँच दशकों में व्यापार, सुरक्षा, ऊर्जा, संपर्क, जल संसाधन और सांस्कृतिक आदान-प्रदान जैसे अनेक क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। भारत की ₹पड़ोसी प्रथम₹ नीति तथा बांग्लादेश की विकासोन्मुख विदेश नीति ने भी संबंधों को नई ऊँचाइयाँ प्रदान की हैं। इसके बावजूद हाल के वर्षों में दोनों देशों के संबंधों में तनाव और अविश्वास के संकेत दिखाई दिए हैं। यह स्थिति इस तथ्य को रेखांकित करती है कि पड़ोसी देशों के साथ संबंध केवल रणनीतिक हितों से संचालित नहीं होते, बल्कि उनमें संवेदनशीलताओं, जनभावनाओं और पारस्परिक सम्मान का भी महत्वपूर्ण स्थान होता है। भारत और बांग्लादेश लगभग 4,096 किलोमीटर लंबी सीमा साझा करते हैं, जो भारत की किसी भी पड़ोसी देश के साथ सबसे लंबी स्थलीय सीमा है। दोनों देशों के बीच गहरे सांस्कृतिक, भाषाई और ऐतिहासिक संबंध मौजूद हैं। पिछले एक दशक में भूमि सीमा समझौता, सीमा प्रबंधन, आतंकवाद विरोधी सहयोग, ऊर्जा व्यापार तथा क्षेत्रीय संपर्क परियोजनाओं में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त हुई है। बांग्लादेश आज भारत का एक प्रमुख व्यापारिक साझेदार है और भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र को मुख्य भूमि से जोड़ने में भी उसकी महत्वपूर्ण भूमिका है। इसलिए दोनों देशों के बीच विश्वास और सहयोग केवल द्विपक्षीय नहीं बल्कि पूरे दक्षिण एशिया की स्थिरता और समृद्धि के लिए आवश्यक है। हाल के समय में बांग्लादेश की आंतरिक राजनीति में हुए बदलावों ने द्विपक्षीय संबंधों को प्रभावित किया है। सत्ता परिवर्तन, राजनीतिक अस्थिरता और विभिन्न राजनीतिक दलों के बीच प्रतिस्पर्धा के कारण भारत की भूमिका को लेकर अलग-अलग धारणाएँ विकसित हुई हैं। बांग्लादेश के कुछ राजनीतिक समूहों में यह धारणा बनी कि

भारत किसी विशेष राजनीतिक शक्ति के प्रति अधिक सहानुभूति रखता है, जबकि भारत अपनी ओर से स्थिरता और विकास को प्राथमिकता देने की बात करता रहा है। इस प्रकार की धारणाएँ चाहे तथ्यात्मक रूप से सही हों या नहीं, वे विश्वास के वातावरण को प्रभावित करती हैं और संबंधों में मनोवैज्ञानिक दूरी उत्पन्न करती हैं। तीस्ता नदी के जल बँटवारे का मुद्दा लंबे समय से दोनों देशों के बीच एक प्रमुख विवाद का विषय बना हुआ है। बांग्लादेश के लिए तीस्ता नदी का जल कृषि और आजीविका की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। कई वर्षों से प्रस्तावित समझौता विभिन्न कारणों से लंबित है, जिससे बांग्लादेश में यह भावना विकसित हुई है कि उसकी चिंताओं को अपेक्षित प्राथमिकता नहीं मिल रही। भारत की संघीय व्यवस्था में राज्यों की भूमिका भी इस विषय को जटिल बनाती है, लेकिन समाधान में देरी ने अविश्वास को बढ़ावा दिया है। जल संसाधनों के न्यायसंगत और टिकाऊ प्रबंधन के बिना दीर्घकालिक विश्वास निर्माण कठिन प्रतीत होता है। सीमा संबंधी मुद्दे भी संबंधों में तनाव का कारण बने हैं। तस्करी, अवैध आव्रजन और सीमा सुरक्षा की चुनौतियों के कारण कई बार सीमा पर अप्रिय घटनाएँ हुई हैं। नागरिक हताहतों की घटनाओं ने बांग्लादेश में व्यापक प्रतिक्रिया उत्पन्न की है और भारत की छवि पर भी प्रभाव डाला है। यद्यपि दोनों देशों की सीमा सुरक्षा एजेंसियाँ समन्वय बढ़ाने के प्रयास कर रही हैं, फिर भी ऐसी घटनाएँ आम लोगों के मन में नकारात्मक भावनाएँ पैदा करती हैं। पड़ोसी देशों के बीच सीमा केवल सुरक्षा का विषय नहीं होती, बल्कि मानवीय और सामाजिक संबंधों से भी जुड़ी होती है। नागरिकता संशोधन अधिनियम (CAA) और राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (NRC) जैसे मुद्दों ने भी बांग्लादेश में कुछ आशंकाएँ उत्पन्न कीं। यद्यपि भारत ने बार-बार स्पष्ट किया कि ये उसकी आंतरिक नीतियाँ हैं, फिर भी बांग्लादेश में यह चिंता व्यक्त की गई कि इनका अप्रत्यक्ष प्रभाव भविष्य में दोनों देशों के संबंधों पर पड़ सकता है। अंतरराष्ट्रीय संबंधों में नीतियों की वास्तविकता के साथ-साथ उनकी सार्वजनिक धारणा भी महत्वपूर्ण होती है और यही कारण है कि ऐसे मुद्दे कभी-कभी कूटनीतिक विमर्श का हिस्सा बन जाते हैं। दक्षिण एशिया में चीन की बढ़ती सक्रियता भी भारत-बांग्लादेश संबंधों को प्रभावित करने वाला एक महत्वपूर्ण कारक है। बांग्लादेश ने अपनी विकास आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए चीन सहित कई देशों के साथ आर्थिक और अवसंरचनात्मक सहयोग बढ़ाया है। भारत के लिए यह स्वाभाविक चिंता का विषय है कि क्षेत्र में किसी बाहरी शक्ति का अत्यधिक प्रभाव उसके रणनीतिक हितों को प्रभावित कर सकता है। दूसरी ओर बांग्लादेश अपनी विदेश नीति में संतुलन बनाए रखते हुए विभिन्न देशों से निवेश और तकनीकी सहयोग प्राप्त करना चाहता है। इस स्थिति में दोनों देशों के लिए पारदर्शिता और संवाद अत्यंत आवश्यक हो जाते हैं। व्यापारिक असंतुलन भी अविश्वास के कारकों में शामिल है। यद्यपि द्विपक्षीय व्यापार लगातार बढ़ रहा है, लेकिन इसका लाभ अपेक्षाकृत अधिक भारत को मिलता हुआ दिखाई देता है। बांग्लादेश लंबे समय से भारतीय बाजार में अपने उत्पादों की बेहतर पहुँच तथा गैर-शुल्क बाधाओं में कमी की मांग करता रहा है।

आप का नज़रिया

हमारे नाविकों की हत्याएं

बेशक राष्ट्रपति ट्रंप ने ईरान में 'कयामत की रात' का फैसला वापस ले लिया, लेकिन यही संभावित था, क्योंकि ट्रंप 'अस्थिर' दिमाग के नेता हैं। ईरान युद्ध का एक अमानवीय पक्ष यह भी रहा है कि भारतीय नाविकों के लिए हरेक दिन 'कयामत' साबित हो रहा है। होर्मुज जलडमरूमध्य मार्ग के आसपास अथवा ओमान तट के करीब अमरीकी सेना ने उन जहाजों पर भी मिसाइल हमले किए हैं, जिन पर भारतीय नाविक सवार थे और अन्य भारतीय चालक दल के कामगार भी मौजूद थे। बेशक जहाज होर्मुज पर ईरानी सेना की नाफरमानी करे अथवा अमरीकी नाकेबंदी को नजरअंदाज करे, हर स्थिति में 'मौत' निश्चित है। अमरीकी हमलों में अभी तक कुल 7 नाविकों की हत्या की गई है। यकीनन यह भारत-अमरीका की रणनीतिक साझेदारी का घोर उल्लंघन है और अंतरराष्ट्रीय कानूनों को धता बताने वाला 'युद्ध अपराध' भी है। भारत के प्रशिक्षित मानव संसाधनों को नष्ट करना भी है। यह खतरा भारत ही नहीं, यूरोप, एशिया के वे देश भी झेल रहे हैं, जिनके जहाज तेल, गैस, खाद, मशीनरी, खाद्य एवं अन्य रोजमर्रा की सामग्री आदि लेकर होर्मुज-ओमान से गुजरने को बाध्य हैं। हालांकि भारत सरकार के विदेश मंत्रालय ने दिल्ली में अमरीकी चार्ज डी अफेयर्स (एक किस्म का राजदूत) को तलब कर कारोबारी जहाजों और नागरिक ढांचे पर हमले तुरंत बंद करने को कहा है। भारत ने कड़ा राजनयिक विरोध भी दर्ज कराया है, लेकिन अमरीका ऐसी फटकार, सख्त रवैये की परवाह कहां करता है? वह अपनी सुविधा के मुताबिक कानूनों की व्याख्या करता है और उन्हें मानता है। 'रणनीतिक साझेदारी' दो खूबसूरत शब्द हैं, लेकिन अमरीका उनके मर्म को नहीं जानता। केंद्रीय जहाजरानी मंत्रालय ने खुलासा किया है कि 13 भारतीय ध्वज वाले जहाज और 562 भारतीय नाविक अब भी होर्मुज क्षेत्र में मौजूद हैं। बल्कि वे फंसे हुए हैं। पूरे खाड़ी क्षेत्र में 18,000 से अधिक भारतीय नाविक काम कर रहे हैं। वे दूसरे देशों के जहाजों पर भी तैनात हैं। ऐसे में युद्ध के बढऩे से या अमरीका-ईरान के आपसी तनाव के मद्देनजर भारत के समुद्री और ऊर्जा-हितों पर भी असर पड़ता है। दरअसल जब से ईरान युद्ध भडक़ा है, तब से करीब 20,000 नाविक, अधिकतर भारतीय नाविक, होर्मुज के वैश्विक जलमार्ग के आसपास फंसे हैं। उनमें से कई ऐसे बड़े जहाज हैं, जिन पर भोजन, पानी आदि खत्म होने को हैं और नाविकों का मनोबल भी खतरनाक रूप से टूटता जा रहा है। अब भी 1600 से अधिक जहाज फारस और ओमान की खाड़ी में फंसे हुए हैं। उन पर करोड़ों रुपए का तेल, गैस, अन्य सामान लदे हैं। वे कब तक समंदर में खड़े रह सकते हैं? ऐसे में वैश्विक समुद्री व्यापार का क्या होगा? जहाजों की मालिक कंपनियां 'हत्यारे हमलों' के बीच कारोबार क्यों करेंगी? दुनिया में जो 20-25 फीसदी तेल, गैस, खाद, अन्य सामान इस 'संकरे जलमार्ग' से गुजरता था, उसका क्या होगा और देश घोर संकट झेलने को विवश होंगे? इन तमाम संदर्भों में राष्ट्रपति ट्रंप को 'वैश्विक अस्थिरता का खलनायक' मानना चाहिए। कुछ हद तक ईरान की जिद और होर्मुज को हथियार की तरह इस्तेमाल करने की रणनीति का 'प्रतिनायक' भी माना जा सकता है। अमरीका-इजरायल के थोपे हुए युद्ध ने ईरान को ऐसी दुरावस्था में झोंक दिया है कि वहां के लोग ईएमआई पर रोटी खाने को अभिशप्त हैं। ईरान में 73 फीसदी महंगाई बढ़ चुकी है। ईरानी ईएमआई पर ही पुराना, घरेलू सामान खरीद रहे हैं। वहां की जिंदगी कर्ज लेकर जीनी पड़ रही है। करीब 20 लाख लोग बेरोजगार हो चुके हैं। अब तो राष्ट्रपति ट्रंप के बयान से ही स्पष्ट है कि अमरीका वेनेजुएला की तरह ईरान के तेल-गैस पर कब्जा करना चाहता था, लिहाजा उसी लुटेरे मंसूबों के साथ युद्ध थोपा था। कुछ आंकड़े सामने आए हैं कि अमरीका ने अप्रैल में ईरान का 16.72 करोड़ बैरल तेल बेचा, जिससे 17.1 अरब डॉलर कमाए। पेट्रोलियम उत्पादों के निर्यात से 36 अरब डॉलर की कमाई की।

ईरान युद्ध का एक अमानवीय पक्ष यह भी रहा है कि भारतीय नाविकों के लिए हरेक दिन 'कयामत' साबित हो रहा है। होर्मुज जलडमरूमध्य मार्ग के आसपास अथवा ओमान तट के करीब अमरीकी सेना ने उन जहाजों पर भी मिसाइल हमले किए हैं, जिन पर भारतीय नाविक सवार थे और अन्य भारतीय चालक दल के कामगार भी मौजूद थे। बेशक जहाज होर्मुज पर ईरानी सेना की नाफरमानी करे अथवा अमरीकी नाकेबंदी को नजरअंदाज करे, हर स्थिति में 'मौत' निश्चित है। अमरीकी हमलों में अभी तक कुल 7 नाविकों की हत्या की गई है। यकीनन यह भारत-अमरीका की रणनीतिक साझेदारी का घोर उल्लंघन है और अंतरराष्ट्रीय कानूनों को धता बताने वाला 'युद्ध अपराध' भी है। भारत के प्रशिक्षित मानव संसाधनों को नष्ट करना भी है। यह खतरा भारत ही नहीं, यूरोप, एशिया के वे देश भी झेल रहे हैं, जिनके जहाज तेल, गैस, खाद, मशीनरी, खाद्य एवं अन्य रोजमर्रा की सामग्री आदि लेकर होर्मुज-ओमान से गुजरने को बाध्य हैं। हालांकि भारत सरकार के विदेश मंत्रालय ने दिल्ली में अमरीकी चार्ज डी अफेयर्स (एक किस्म का राजदूत) को तलब कर कारोबारी जहाजों और नागरिक ढांचे पर हमले तुरंत बंद करने को कहा है। भारत ने कड़ा राजनयिक विरोध भी दर्ज कराया है, लेकिन अमरीका ऐसी फटकार, सख्त रवैये की परवाह कहां करता है? वह अपनी सुविधा के मुताबिक कानूनों की व्याख्या करता है और उन्हें मानता है।

दृष्टि कोण

भारत से सेवा निर्यात की अनुकूलताएं

यकीनन जहां भारत की एआई क्षमता और डिजिटल अर्थव्यवस्था भारत के सेवा निर्यात को मजबूती दे रही है, वहीं भारत के व्यापार समझौते भारत से सेवा निर्यात बढ़ाने के लिए नई शक्ति बनते हुए दिखाई दे रहे हैं। हाल ही में एक जून से भारत और ओमान के बीच लागू वृहद आर्थिक एवं साझेदारी समझौता (सीईपीए) भारत से ओमान को सेवा निर्यात बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इस समय भारत से ओमान को सेवा निर्यात करीब 67 करोड़ डॉलर का है। यह आगामी पांच वर्षों में 1.5 अरब से 2 अरब डॉलर के स्तर पर पहुंचने की उम्मीद है। प्रमुख रूप से ओमान ने अपने 127 से अधिक सेवा उप-क्षेत्रों में भारतीय कंपनियों को प्रवेश की अनुमति दी है। इस समझौते के तहत ओमान में भारतीय पेशेवरों, चिकित्सा, शिक्षा, डिजिटल, विकास और पर्यटन के क्षेत्रों में अभूतपूर्व वृद्धि की उम्मीद है। उल्लेखनीय है कि भारत के विभिन्न व्यापार समझौतों में सेवा निर्यात बढ़ाने को प्राथमिकता दी गई है। पिछले माह 15 से 20 मई तक प्रधानमंत्री मोदी ने पांच देशों- संयुक्त अरब अमीरात, नीदरलैंड, स्वीडन, नॉर्वे और इटली की आधिकारिक यात्रा के दौरान इन देशों के साथ जो द्विपक्षीय व्यापार समझौते किए हैं, उनसे भारत की नई पीढ़ी के लिए सेवा निर्यात में आगे बढने की संभावनाएं उभरकर दिखाई दे रही हैं। विगत 27 अप्रैल को भारत और न्यूजीलैंड के बीच एक ऐतिहासिक एफटीए पर हस्ताक्षर हुए हैं। न्यूजीलैंड के साथ किए गए इस एफटीए का अत्यधिक मजबूत पक्ष भारत से सेवा निर्यात बढ़ाना और भारत से पेशेवरों को न्यूजीलैंड में अच्छे अवसरों के लिए आगे बढ़ाना भी है। यह भी महत्वपूर्ण है कि पिछले वर्ष 2025 में भारत के द्वारा ब्रिटेन के साथ किए गए एफटीए का भी इसी वर्ष 2026 में आगामी महीनों में कार्यान्वयन शुरू होगा। साथ ही भारत-यूरोपीय संघ एफटीए का क्रियान्वयन भी इसी वर्ष संभावित है। इस समझौते को सभी समझौतों की जननी कहा गया है। अब मॉरीशस, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), ऑस्ट्रेलिया और चार यूरोपीय देशों

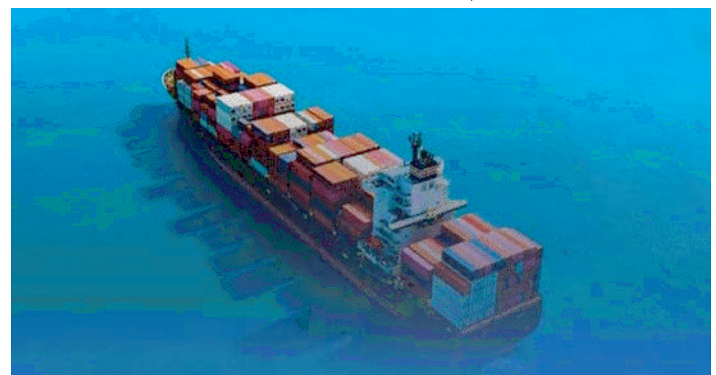

आइसलैंड, स्विट्जरलैंड, नॉर्वे और लिकटेंस्टाइन के समूह यूरोपियन फ्री ट्रेड एसोसिएशन (एफ्टा) के साथ सफलतापूर्वक कार्यान्वित हो रहे एफटीए के और अधिक लाभ मिलते हुए दिखाई देंगे। इतना ही नहीं कनाडा, इजरायल, रूस, पेरू, चिली, दक्षिण अफ्रीका और मेक्सिको के साथ जो मुक्त व्यापार समझौते अंतिम चरण में हैं, उन लगभग सभी समझौतों में भारत से सेवा निर्यात बढ़ाने के प्रावधानों को प्राथमिकता दी गई है। इस परिप्रेक्ष्य में उल्लेखनीय है कि हाल ही में अमरीकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने नई दिल्ली में अपनी आधिकारिक यात्रा के दौरान भारत और अमरीका के बीच जिस बहुप्रतीक्षित व्यापार समझौते को कुछ ही सप्ताह में अंतिम रूप दिए जाने की बात कही है, उससे भी अमरीका को भारत से सेवा निर्यात बढ़ेगा। हाल ही में भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के द्वारा 'अर्थव्यवस्था की स्थिति' पर जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि पश्चिम एशिया संकट की चुनौतियों के बीच भी भारत से बढ़ता सेवाओं का निर्यात (सर्विस एक्सपोर्ट) भारतीय अर्थव्यवस्था को मजबूती दे रहा है। देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में सेवा क्षेत्र का करीब 53.6 प्रतिशत योगदान है। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में भारत के कुल 863.11 अरब डॉलर के निर्यात में भारत से सेवा निर्यात की हिस्सेदारी सर्वोच्च स्तर पर पहुंचते हुए 421.32 अरब डॉलर रही है। अब जहां मार्च 2026 में भारत से सेवाओं का निर्यात 35.20 अरब डॉलर का रहा, वहीं यह सेवा निर्यात अप्रैल 2026 में बढक़र 37.24 अरब डॉलर हो गया है। पिछले 11 वर्षों में सेवा निर्यात ढाई गुना से भी अधिक हो गया है।

वेस्टइंडीज ने तीसरे टी-20 में श्रीलंका को 5 विकेट से हराया, सीरीज़ 2-1 से जीती

जमैका

तेज गेंदबाज़ शमार जोसेफ की करियर की सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज़ी और शेरफेन रदरफोर्ड की संयमित अर्धशतकीय पारी की बदौलत वेस्टइंडीज ने तीसरे और निर्णायक टी20 मुकाबले में सोमवार को श्रीलंका को 5 विकेट से हराकर तीन मैचों की सीरीज़ 2-1 से अपने नाम कर ली।

पहले बल्लेबाज़ी करने उतरी श्रीलंका की शुरुआत अच्छी रही। कमिल मिशारा और पथुम निसांका ने तेज रन बनाए और टीम ने शुरुआती ओवरों में मजबूत स्थिति बना ली। पांचवें ओवर तक स्कोर 48/1 पहुंच गया था और बड़ा स्कोर बनने की उम्मीद दिख रही थी।

हालांकि इसके बाद मैच का रुख पूरी तरह बदल गया। तेज गेंदबाज़ शमार जोसेफ ने अपने पहले ही ओवर में दो बड़े विकेट लेकर श्रीलंका की लय तोड़ दी। मिशारा 23 गेंदों पर 28 रन बनाकर आउट हुए और इसके बाद श्रीलंका लगातार विकेट गंवाता चला गया।

मध्यक्रम में दासुन शनाका और दुनिथ वेलालागे ने पारी संभालने की कोशिश की, लेकिन शनाका के आउट होने के बाद दबाव और बढ़ गया। वेलालागे ने कुछ आक्रामक शाट लगाकर टीम को संभालने का प्रयास किया, लेकिन अंतिम ओवर में फिर शमार जोसेफ ने तीन विकेट लेकर श्रीलंका को बड़ा स्कोर बनाने से रोक दिया। श्रीलंका की टीम 20 ओवर में 169 रन पर सिमट गई। जोसेफ ने 5 विकेट लेकर 33 रन दिए और टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपना पहला पांच विकेट हाल दर्ज किया। 170 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी वेस्टइंडीज की शुरुआत धीमी रही। शुरुआती तीन ओवरों में सिर्फ 10 रन बने और कप्तान शाई होप जल्दी आउट हो गए। इसके बाद शिमरान हेटमायर ने तेज बल्लेबाज़ी करते हुए टीम को संभाला। मध्य ओवरों में श्रीलंका के स्पिनरों, खासकर वानिंदु हसरंगा, ने मैच में वापसी कराई और वेस्टइंडीज का स्कोर 10 ओवर में 64/4 हो गया।

ऐसे समय में शेरफेन रदरफोर्ड ने जिम्मेदारी संभाली। उन्होंने दबाव में बल्लेबाज़ी करते हुए नाबाद 54 रन (40 गेंद) बनाए और टीम को जीत के करीब पहुंचाया। अंत में जेसन होल्डर ने तेज़ी से रन बनाते हुए मैच खत्म कर दिया।

वेस्टइंडीज ने 19.4 ओवर में 170/5 बनाकर मुकाबला जीत लिया और सीरीज़ पर कब्ज़ा जमा लिया।

संक्षिप्त स्कोर:

श्रीलंका – 169 आलआउट (20 ओवर)
दुनिथ वेलालागे 43 रन
शमार जोसेफ 5/33
वेस्टइंडीज – 170/5 (19.4 ओवर)
शेरफेन रदरफोर्ड 54*
जेसन होल्डर 21*
वानिंदु हसरंगा 2/17
परिणाम: वेस्टइंडीज 5 विकेट से विजयी, सीरीज़ 2-1 से जीती।

न्यूज ब्रीफ

इस बार विंबलडन में मिलेगी सबसे अधिक इनामी राशि

लंदन। इस माह के अंत में शुरु हो रहे विंबलडन टेनिस टूर्नामेंट में खिलाड़ियों को पहले से अधिक इनामी राशि मिलेगी। पिछले कुछ समय से खिलाड़ियों ने राजस्व में हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए एक बड़ा अभियान चलाया था जिसके बाद ही विंबलडन ने अपनी कुल इनामी राशि में 20 फीसदी वृद्धि की घोषणा की। इस प्रतिष्ठित ग्रास कोर्ट ग्रैंडस्लैम टेनिस टूर्नामेंट के एकल चैंपियन को अब पिछली बार की जगह पर रिकार्ड 36 लाख पाउंड (लगभग 48 लाख डालर) मिलेंगे, जो कि प्रतियोगिता के इतिहास में अब तक की सबसे बड़ी विजेता राशि है। आल इंग्लैंड क्लब की अध्यक्ष, डेबोरा जेवन्स ने कहा है कि खिलाड़ियों की मांग के बाद दैनिक भत्ते सहित कुल इनामी राशि छह करोड़ 42 लाख पाउंड (लगभग आठ करोड़ 58 लाख डालर) तक पहुंच जाएगी। यह महत्वपूर्ण बढ़ोतरी ऐसे समय में हुई है जब टेनिस खिलाड़ी लंबे समय से चार ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंटों से होने वाली भारी कमाई में अपनी अधिक हिस्सेदारी की मांग कर रहे थे। हाल के महीनों में, इस मुद्दे पर खिलाड़ियों ने सामूहिक कार्रवाई की दिशा में ठोस कदम उठाने शुरू किये थे। फ्रेंच ओपन से ठीक पहले, दुनिया की नंबर एक महिला खिलाड़ी एरिना सबालेंका ने तो यहां तक कहा था कि यदि उनकी मांगें पूरी नहीं होती हैं, तो खिलाड़ियों को किसी न किसी स्तर पर टूर्नामेंटों का बहिष्कार करना चाहिए। इसके अलावा पुरुषों के नंबर एक खिलाड़ी यानिक सिनर, अमेरिकी स्टार कोको गाफ और कई अन्य शीर्ष खिलाड़ियों ने भी सार्वजनिक रूप से इस मुद्दे पर अपनी बात रखी थीहै। खिलाड़ियों की एकजुटता का एक और उदाहरण रोलां गैरो (फ्रेंच ओपन) पर देखने को मिला, जहां टूर्नामेंट से पहले हुई प्रेस कान्फ्रेंस में शीर्ष 10 खिलाड़ियों ने टूर्नामेंट से होने वाली कमाई में अपने हिस्से को लेकर सांकेतिक विरोध दर्ज कराने के लिए पत्रकारों के साथ अपने सत्र को केवल 15 मिनट तक सीमित रखा।

फीफा विश्वकप में बेहतर शुरुआत से ही मिलेगी सफलता : रोनाल्डो

ह्यूस्टन । पुर्तगाल के कप्तान और स्टार स्ट्राइकर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने अपनी टीम से कहा है कि

उसे फीफा विश्वकप खिताब जीतने की चिन्ता छोड़कर बेहतर शुरुआत पर ध्यान देना चाहिये। रोनाल्डो के अनुसार बेहतर शुरुआत होने से ही टीम को खिताबी जीत मिलने की संभावना रहेगी। पुर्तगाल की टीम विश्वकप में अपने अभियान की शुरुआत 17 जून को कांगो के खिलाफ मैच से करेगी है। उन्होंने खिलाड़ियों से खिताब जीतने के शुरुआती दबाव को भूलकर टूर्नामेंट में एक मजबूत और सकारात्मक शुरुआत पर ध्यान केंद्रित करने को कहा है। रोनाल्डो ने स्पष्ट किया कि बड़े लक्ष्यों की ओर बढ़ने से पहले, हर मैच को एक-एक करके खेलना और धीरे-धीरे अपनी रणनीति को अमल में लाने पर ही विश्व कप जैसे कठिन मुकाबले में सफलता मिल सकती है एक प्रकार से देखा जाये तो ये जीत की कुंजी होगी। पुर्तगाल अपना पहला ग्रुप मैच गौतरलब हैकि 48 शीर्ष टीमों के इस विशाल टूर्नामेंट में रोनाल्डो के कारण ही पुर्तगाल को स्वाभाविक रूप से एक मजबूत दावेदार के रूप में देखा जा रहा है।

रोहित और कोहली के विकल्प पर बात होना स्वाभाविक : स्वान

लंदन। इंग्लैंड के पूर्व स्पिनर ग्रीम स्वान ने कहा है कि भारतीय टीम के दिग्गज क्रिकेटर रोहित शर्मा और विराट कोहली अपने करियर के अंतिम चरण में हैं, इसलिए इनकी जगह किन क्रिकेटरों को जगह मिलेगी। इसपर बात होना स्वाभाविक है। स्वान ने कहा कि जब भी कोई खिलाड़ी अपने करियर के दूसरे हिस्से में पहुंचता है तो यह स्वाभाविक है कि लोग उसके उत्तराधिकारी की तलाश करने लगते हैं, चाहे उसने कितना भी अच्छा प्रदर्शन क्यों न किया हो। उन्होंने कहा, आप भले ही अपने खेल के शीर्ष पर हों, फिर भी लोग सोचने लगते हैं कि रोहित या विराट के बाद कौन आएगा। यह बहुत सामान्य बात है। जैसे ही प्रदर्शन कमजोर होता है उत्तराधिकारी पर चर्चा तेज हो जाती है। साथ ही कहा कि यह स्थिति तब पैदा होती है जब प्रशंसक और विशेषज्ञ भविष्य की ओर देखने लगते हैं। स्वान के अनुसार, युवा प्रतिभाओं का उभरना इस दबाव को और अधिक बढ़ा देता है। उन्होंने कहा कि लगातार नई प्रतिभाओं के सामने आने से भारतीय शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों पर स्वाभाविक रूप से अतिरिक्त दबाव बनता है।

वैभव सूर्यवंशी ने श्रीलंकाई खिलाड़ी को धक्का मारा

सुपर ओवर में भारत-ए की हार के बाद हुई बहस कप्तान तिलक भी अंपायरों से भिड़े

दांबुला। श्रीलंका-ए ने सोमवार को दांबुला में खेले गए ट्राई सीरीज के रोमांचक मुकाबले में भारत-ए को सुपर ओवर में हरा दिया। मैच के बाद 15 साल के वैभव सूर्यवंशी की एक श्रीलंकाई खिलाड़ी से बहस हो गई और इसी दौरान उन्होंने विरोधी खिलाड़ी को धक्का भी दे दिया। श्रीलंकाई विकेटकीपर निरोशन डिकवेला ने बीचबचाव कर मामला शांत कराया।

इससे पहले, सोमवार को मुकाबला टाई हो गया। भारत-ए ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 49.2 ओवर में 265 रन बनाए थे। जवाब में श्रीलंका-ए भी 50 ओवर में 265 रन ही बना सकी। आखिरी गेंद पर श्रीलंका को जीत के लिए 2 रन चाहिए थे, लेकिन टीम सिर्फ 1 रन ही बना सकी। इसके बाद श्रीलंका-ए ने सुपर ओवर में 16 रन बनाए। जवाब में भारत 9 रन ही बना सका।

जब मैच टाई हुआ तब यह स्पष्ट नहीं था कि सुपर ओवर होगा या नहीं। अंपायर तर्क दे रहे थे कि काफी शाम हो चुकी है और आगे मुकाबला संभव नहीं होगा। इसके बाद भारतीय कप्तान तिलक वर्मा की अंपायर से बहस हुई। फिर सुपर ओवर कराने का फैसला किया गया।

इसके बाद अगला विवाद सुपर ओवर में श्रीलंका की पारी की आखिरी गेंद पर हुआ। अरशद खान की फुलटॉस गेंद पर श्रीलंकाई बल्लेबाज कैच आउट हुए। अंपायर ने बल्लेबाज को आउट करार दे दिया और भारतीय फील्डर्स ग्राउंड से बाहर चले गए।

इसके बाद रिप्ले देखने के बाद पता चला कि यह गेंद नो बॉल थी। गेंद बल्लेबाज की कमर से ऊपर थी। इसके बाद भारतीय फील्डर्स को दोबारा बुलाया गया और आखिरी गेंद फिर से कराया गया।

ड्रामे का अगला सीक्वेंस सुपर ओवर के बाद देखने को मिला। भारत के मैच हारने के बाद श्रीलंकाई खिलाड़ियों ने वैभव को कुछ कहा। इससे वैभव भड़क गए और उनकी श्रीलंकाई खिलाड़ी के साथ धक्का-मुक्की हो गई।

पाकिस्तान के खिलाफ भी विवादों में रहे हैं वैभव

वैभव का मैदान पर आक्रामक रवैया पहले भी चर्चा में रह चुका है। 2025 अंडर-19 एशिया कप फाइनल में पाकिस्तान के खिलाफ आउट होने के बाद उन्होंने विरोधी गेंदबाज को जवाब देते हुए जूता दिखाने का इशारा किया था। वहीं 2026 अंडर-19 वर्ल्ड कप के सुपर सिक्स मुकाबले में भी वह पाकिस्तानी खिलाड़ियों के साथ तीखी नोकझोंक में शामिल हुए थे।

सूर्यवंशी लगातार तीसरे मैच में फेल

भारत के 15 साल के वैभव सूर्यवंशी वनडे ट्राई सीरीज में एक बार फिर फेल रहे। वे आज के मुकाबले में महज 21 रन ही बना सके। वैभव के अलावा, अनुकूल रॉय 8 रन, निशांत सिंधु 6 रन, आयुष बडोनी 15 रन और प्रभसिमरन सिंह 11 रन बनाकर आउट हुए। हालांकि ऋतुराज गायकवाड (37 रन) और तिलक वर्मा (23 रन) ने 52 रन की साझेदारी करके भारतीय टीम को संभाला।

आखिर में सूर्यांश शेडगे (72 रन) और विप्रज निगम (51 रन) ने शतकीय साझेदारी करके टीम स्कोर 250 पार पहुंचा दिया। टीम इंडिया 49.2 ओवर में 265 रन पर ऑलआउट हो गई। विजयकांत वियास्कंथ ने 3 विकेट झटके।

अफगानिस्तान के खिलाफ जीत जरूरी, दूसरे मैच पर भी नजर रखनी होगी

भारत-ए के लिए ट्राई सीरीज के फाइनल में पहुंचने की उम्मीदें अभी बरकरार हैं, लेकिन टीम अब दूसरे नतीजों पर भी निर्भर हो गई है। भारत-ए के 3 मैचों में 2 अंक हैं और उसका अब केवल एक लीग मैच बचा है, जो 17 जून को अफगानिस्तान-ए के खिलाफ खेला जाएगा। फाइनल की दौड़ में बने रहने के लिए भारत को यह मुकाबला हर हाल में जीतना होगा। जीत के बाद उसके 4 अंक हो जाएंगे।

इसके बाद 19 जून को होने वाले श्रीलंका-ए और अफगानिस्तान-ए के मुकाबले पर नजर रहेगी। यदि अफगानिस्तान-ए उस मैच में श्रीलंका-ए को हरा देता है, तो तीनों टीमों के 4-4 अंक हो जाएंगे और फाइनलिस्ट का फैसला नेट रनरेट के आधार पर होगा।

फीफा विश्व कप 2026 : यासिन अयारी के दो गोलों की बदौलत स्वीडन ने ट्यूनीशिया को 5-1 से रौंदा

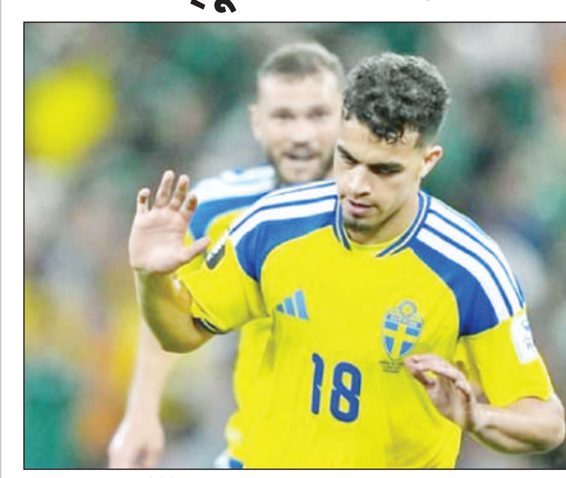

मोंटेरे

फीफा विश्व कप 2026 के ग्रुप-एफ मुकाबले में स्वीडन ने सोमवार को शानदार प्रदर्शन करते हुए ट्यूनीशिया को 5-1 से हराकर अपने अभियान की दमदार शुरुआत की। मोंटेरे स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में यासिन अयारी दो गोल दागकर जीत के नायक बने। स्वीडन ने मैच की शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया और सातवें मिनट में बढ़त हासिल कर ली। यासिन अयारी ने बाक्स के बाहर से जोरदार शाट लगाकर गेंद को गोल में पहुंचाया।

इसके बाद 30वें मिनट में स्टार स्ट्राइकर अलेक्जेंडर इसाक ने दूसरा गोल कर स्वीडन की बढ़त को दोगुना कर दिया।

पहले हाफ के अंतिम क्षणों में ट्यूनीशिया ने वापसी की उम्मीद जगाई। ओमर रेकीक ने शानदार हेडर लगाकर टीम के लिए गोल किया और स्कोर 2-1 कर दिया।

हालांकि दूसरे हाफ में स्वीडन ने मुकाबले पर पूरी तरह नियंत्रण कर लिया। 59वें मिनट में विक्टर ग्योकेरेस ने तीसरा गोल कर ट्यूनीशिया की वापसी की संभावनाओं को लगभग खत्म कर दिया।

इसके बाद मैच में उतरे स्थानापन्न खिलाड़ी मटियास स्वानबर्ग ने मैदान पर आने के मात्र 18 सेकंड के भीतर गोल दागकर स्वीडन की बढ़त 4-1 कर दी।

इंजरी टाइम में एक बार फिर यासिन अयारी ने बाक्स के बाहर से शानदार शाट लगाकर अपना दूसरा और टीम का पांचवां गोल किया।

इस जीत के साथ स्वीडन ने ग्रुप-एफ में तीन अंक हासिल कर शानदार शुरुआत की, जबकि ट्यूनीशिया को अपने अगले मुकाबले में वापसी की चुनौती का सामना करना होगा।

चहल का टेस्ट खेलने का सपना अब शायद ही पूरा हो : रिपोर्ट

नई दिल्ली। स्पिन युजवेंद्र चहल सीमित ओवरों के क्रिकेट में अपनी जादुई स्पिन से विरोधियों को नचाते रहे है पर लगता है उनका भारतीय टीम से टेस्ट खेलने का सपना शायद ही पूरा हो। चहल ने कई बार देश के लिए टेस्ट क्रिकेट खेलने की इच्छा जतायी है। एक रिपोर्ट के अनुसार घरेलू क्रिकेट में भी चहल ने काफी अच्छा प्रदर्शन किया है पर इसके बाद भी उन्हें अवसर नहीं मिला है। इसे उनके करियर की एक बड़ी विडंबना ही कहा जाएगा कि अच्छे प्रदर्शन के बाद भी वह जगह हासिल नहीं कर पाये। टी20 में अपनी स्पिन से बड़े-बड़े बल्लेबाजों को फंसाने वाले इस लेग स्पिनर को यह अवसर न मिल पाना कई प्रशंसकों के लिए भी हैरानी की बात भी रही है। यहां तक कि चहल के लिए भारतीय सीमित ओवरों की टीम में जगह भी मिलना अब कठिन हो गया है। पिछले काफी समय से वह सीमित ओवरों की टीम में भी जगह नहीं बना पाये हैं। ऐसा नहीं है कि चहल ने कोशिश नहीं की है, लेकिन प्रतिस्पर्धा इतनी कड़ी है कि छोटी सी भी गलती या फार्म में गिरावट से खिलाड़ी बाहर हो जाता है। चयनकर्ता अब भविष्य की ओर देख रहे हैं और युवा प्रतिभाओं को ज्यादा से ज्यादा अवसर देना चाहते हैं। ऐसे में चहल जैसे अनुभवी गेंदबाज की टीम इंडिया में वापसी तभी हो सकती है जब वह असाधारण प्रदर्शन करें। जिससे चयनकर्ताओं के लिए उनकी उपेक्षा संभव नहीं रहे।

महिला हाकी नेशंस कप 2026 : भारत की जीत के साथ शुरुआत, अमेरिका को 3-2 से हराया

आकलैंड

भारतीय महिला हाकी टीम ने एफआईएच हाकी महिला नेशंस कप 2026 के अपने पहले मुकाबले में दमदार वापसी करते हुए सोमवार को अमेरिका को 3-2 से हराकर टूर्नामेंट का विजयी आगाज़ किया। मैच की शुरुआत भारत के लिए चुनौतीपूर्ण रही। अमेरिका ने आक्रामक खेल दिखाते हुए चौथे मिनट में एशले सेसा के फील्ड गोल से बढ़त बनाई। इसके बाद सातवें मिनट में मैडलिन जिमर ने पेनल्टी कार्नर को गोल में बदलकर अमेरिका को 2-0 की बढ़त दिला दी।

दो गोल से पीछे होने के बाद भारतीय टीम ने धीरे-धीरे मैच पर पकड़ बनानी शुरू की। दूसरे क्वार्टर में वापसी कर रही ड्रैग-फ्लिक विशेषज्ञ दीपिका ने 17वें मिनट में पेनल्टी कार्नर पर गोल कर अंतर कम किया।

इसके बाद भारतीय टीम का दबाव लगातार बढ़ता गया। 24वें मिनट में भारत को एक और पेनल्टी कार्नर मिला और दीपिका ने एक बार फिर शानदार कन्वर्जन करते हुए स्कोर 2-2 से बराबर कर दिया।

बराबरी के बाद भारत ने अपनी लय बरकरार रखी और हाफ टाइम से पहले ही बढ़त हासिल कर ली। 28वें मिनट में नवनीत कौर ने पेनल्टी कार्नर को गोल में बदलकर भारत को 3-2 की बढ़त दिला दी।

दूसरे हाफ में दोनों टीमों ने कई मौके बनाए, लेकिन दोनों ओर की रक्षापंक्ति मजबूत रही। पूरे मैच में दोनों टीमों को छह-छह पेनल्टी कार्नर मिले, हालांकि कोई भी टीम आगे गोल नहीं कर सकी।

भारत ने अंतिम क्षणों तक बढ़त बनाए रखी और महत्वपूर्ण तीन अंक अपने नाम किए।

दो गोल करने वाली दीपिका को शानदार प्रदर्शन के लिए प्लेयर आफ द मैच चुना गया।

इस जीत के साथ भारतीय टीम पूल-ए में तीन अंकों के साथ दूसरे स्थान पर पहुंच गई। जापान भी तीन अंकों पर है, लेकिन बेहतर गोल अंतर के कारण शीर्ष पर बना हुआ है।

अब भारतीय महिला टीम अपना अगला मुकाबला 16 जून को जापान के खिलाफ खेलेगी।

रोहित के रिटायर होने के बाद ही यशस्वी को एकदिवसीय में नियमित जगह मिल पायेगी : सहवाग

नई दिल्ली

पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग का मानना है कि रोहित शर्मा के रिटायर होने के बाद यशस्वी जायसवाल को स्थायी तौर पर एकदिवसीय में पारी में शुरुआत करने का अवसर मिल सकेगा। सहवाग के अनुसार जब तक रोहित खेलेंगे यशस्वी को पारी की शुरुआत का अवसर नहीं मिलेगा।

उन्हें किसी अन्य स्थान पर भी तभी खेलने का अवसर मिलेगा जब कोई अन्य खिलाड़ी फिटनेस या किसी अन्य कारण से बाहर होगा। टेस्ट क्रिकेट में बेहतरीन बल्लेबाजी के बाद भी यशस्वी अब तक एकदवसीय टीम में जगह हासिल नहीं कर पाये हैं। अफगानिस्तान के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के लिए उन्हें तभी जगह मिली जब विराट कोहली फिट नहीं पाये गये।

सहवाग का मानना है कि यशस्वी के पास सभी प्रारुपों में बेहतर प्रदर्शन करने की क्षमता है पर इसके बाद भी सीमित ओवरों के प्रारुप में वह अपनी जगह पक्की नहीं कर पाये हैं। उन्हें अवसर का इंतजार करना पड़ रहा है क्योंकि पारी की शुरुआत के लिए जगह नहीं है। रोहित शर्मा और शुभमन गिल ने पारी की शुरुआत में अपनी जगह पक्की कर ली है। ऐसे में यशस्वी को तभी मौका मिलता है, जब इनमें से कोई सीनियर खिलाड़ी उपलब्ध नहीं होता। यशस्वी ने अब तक मिले अवसरों में साबित किया है कि वह सीमित ओवरों में भी प्रभावी हैं।

सहवाग ने कहा, अभी जगह नहीं है। शुभमन कप्तान हैं। रोहित खेल रहे हैं पर जैसे ही रोहित रिटायर होंगे, वैसे ही यशस्वी को सफेद गेंद प्रारुप में जगह मिल जाएगी। इसमें रुतुराज गायकवाड़ उनके प्रतिद्वंदी हो सकते हैं पर अगर आप तीन बल्लेबाज पारी की शुरुआत के लिए रखते हैं तो यशस्वी को जरुर अवसर मिलेगा। सहवाग के अनुसार वह टीम में तभी आ गये थे जब गिल या शर्मा उपलब्ध नहीं थे। ऐसा नहीं था कि उन्हें अवसर मिला और उन्होंने प्रदर्शन नहीं किया। उन्होंने जब मौका मिला, बहुत अच्छा प्रदर्शन किया। उन्हें प्रदर्शन के कारण बाहर नहीं किया पर बल्कि इसलिए क्योंकि वह किसी और की जगह पर शामिल किये गये थे। सहवाग के अनुसार ईशान किशन भी एकदिवसीय टीम में जगह के प्रबल दावेदार हैं। सहवाग ने आगे कहा, ईशान किशन भी वनडे क्रिकेट का हिस्सा नहीं हैं. उन्होंने वनडे में सबसे तेज डबल सेंचुरी बनाई है. वह भी एक खिलाड़ी हैं जो दावेदार हैं. मैं जायसवाल को वनडे और टी20 में यानी तीनों फार्मेट में देखना चाहूंगा. वह ऐसा खिलाड़ी है जो तीनों फार्मेट में खेल सकता है।

निस्वार्थ सेवा देखनी हो तो राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद को देखें : अनीता नथानी

हैदराबाद, 15 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन, पिलर नंबर 1265 ए के पास सोमवार को नियमित अन्नदान एवं सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर समाजसेवी अनीता नथानी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि राधे-राधे ग्रुप निस्वार्थ सेवा का पर्याय बन चुका है। बिना किसी प्रचार-प्रसार की अपेक्षा के यह समूह निरंतर जरूरतमंदों की सेवा में समर्पित भाव से कार्य कर रहा है, जो वास्तव में अनुकरणीय और प्रेरणादायक है।

उन्होंने कहा कि सेवा ही मानव जीवन का सबसे बड़ा धर्म है। राधे-राधे ग्रुप के सदस्य नियमित रूप से जरूरतमंदों तक भोजन पहुंचाकर मानवता की सच्ची मिसाल प्रस्तुत कर रहे हैं। समूह द्वारा किए जा रहे सेवा कार्य समाज में करुणा, सहयोग और परोपकार की भावना को सुदृढ़ कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भूखे व्यक्ति को भोजन कराना सबसे बड़ा पुण्य है और इस पुण्य कार्य में सहभागी बनना सौभाग्य की बात है।

कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में जरूरतमंदों को भोजन वितरित किया गया। सेवा कार्य में राधे-राधे ग्रुप के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और सभी ने सेवा को जीवन का अभिन्न अंग बनाने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर राम प्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, भगत राम गोयल, संजय गोयल, किरण गोयल, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, जगन गुप्ता, महेश गुप्ता, सुशील गुप्ता, शीतल गुप्ता, राजेश नथानी, अनीता नथानी, मधु अग्रवाल, शुचि गुप्ता, मनीष चिंडालिया, रविंद्र शर्मा एवं प्रीतिका अग्रवाल सहित राधे-राधे ग्रुप के अनेक सदस्यों ने अपनी सेवाएं प्रदान कीं। कार्यक्रम का वातावरण सेवा, समर्पण और मानवता की भावना से ओत-प्रोत रहा।

सिकंदराबाद मंडल में राजभाषा कार्यान्वयन की तिमाही बैठक संपन्न

हैदराबाद, 15 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। दक्षिण मध्य रेलवे के सिकंदराबाद मंडल में मंडल रेल प्रबंधक डॉ. आर. गोपालकृष्णन की अध्यक्षता में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही बैठक संपन्न हुई।

बैठक में अपर मंडल रेल प्रबंधक (परिचालन), अपर मंडल रेल प्रबंधक (इन्फ्रा), उप महाप्रबंधक (राजभाषा) और सभी शाखा अधिकारियों ने भाग लिया। डॉ. गोपालकृष्णन ने कहा कि तिमाही बैठक में सभी अधिकारियों की उपस्थिति और हस्ताक्षर अनिवार्य हैं, क्योंकि संसदीय राजभाषा समिति उपस्थिति का प्रमाण मांगती है।

उन्होंने हिंदी टिप्पणियों की संख्या बढ़ाने पर जोर देते हुए कहा कि बार-बार लिखी जाने वाली टिप्पणियों को द्विभाषी रूप में तैयार कर यूजर कस्टमाइज्ड टिप्पणी में सेव कर लें।

उन्होंने बताया कि सिकंदराबाद मंडल का अधिकांश हिस्सा तेलंगाना में है, जो 'ग' क्षेत्र में आता है, फिर भी यहां कई कर्मचारी हिंदी में काम करते हैं। उन्होंने निर्देश दिया कि सार्वजनिक क्षेत्र में लगाए जाने वाले सभी बोर्ड अनिवार्य रूप से त्रिभाषा में हों।बैठक में मंडल रेल प्रबंधक के करकमलों से त्रैमासिक पत्रिका 'सिकंदराबाद दर्पण' का विमोचन किया गया। उप महाप्रबंधक राजभाषा एम.के. नागराजु के धन्यवाद ज्ञापन के साथ बैठक संपन्न हुई।

नीमच मध्यप्रदेश से नगरागमन पर सिखवाल ब्राह्मण समाज महिला प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती अपेक्षा शर्मा उनके पति श्री ऋतुराज शर्मा का सिखवाल प्रगति समाज द्वारा भव्य स्वागत सम्मान किया गया। इस अवसर पर रामदेव नागला, अनिल जायलवाल, नरेश पांडेय, चंपालाल ओझा, श्रीनिवास तिवारी, सुरेश कुमार व्यास जानम उपस्थित थे।

नरसिंग दास आत्माराम बड़ागाँव वाला परिवार ने किया अन्नप्रसाद वितरण

हैदराबाद, 15 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। नरसिंग दास आत्माराम बड़ागाँव वाला परिवार द्वारा बंजारा हिल्स स्थित गोल्डन टेंपल में जून माह की सोमवती अमावस्या के पावन अवसर पर अन्नप्रसाद वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर लगभग 400 स्थानीय निवासियों एवं श्रद्धालुओं को श्रद्धापूर्वक अन्नप्रसाद वितरित किया गया।

परिवार के वरिष्ठ सदस्य मुकुंद लाल अग्रवाल ने एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से जानकारी देते हुए बताया कि परिवार द्वारा पिछले 35 माह से निरंतर गोल्डन टेंपल में अन्नप्रसाद वितरण की सेवा की जा रही है। यह सेवा धार्मिक आस्था के साथ-साथ समाजसेवा के उद्देश्य को भी साकार कर रही है।

कार्यक्रम की शुरुआत हरे कृष्ण महामंत्र के उच्चारण एवं अन्नप्रसाद की प्रार्थना के साथ की गई। इसके पश्चात उपस्थित श्रद्धालुओं एवं स्थानीय नागरिकों को विधिवत अन्नप्रसाद वितरित किया गया। पूरे आयोजन के दौरान भक्तिमय एवं आध्यात्मिक वातावरण बना रहा। अन्नप्रसाद में चावल, सांभर, चटनी, बटरमिल्क तथा बालुशाही सहित विभिन्न व्यंजन श्रद्धालुओं को परोसे गए। प्रसाद ग्रहण करने वाले लोगों ने परिवार की इस सेवा भावना की सराहना करते हुए आयोजन की प्रशंसा की।इस अवसर पर परिवार के सदस्य मुकुंद लाल अग्रवाल, ईश्वर लाल अग्रवाल, विष्णु गोपाल अग्रवाल, मधु अग्रवाल, आकाश अग्रवाल, श्रीमती संतोष अग्रवाल, ललिता अग्रवाल एवं सुमिरन अग्रवाल सहित अन्य सदस्यों ने सेवा कार्यों में सक्रिय सहयोग प्रदान किया। सभी ने मिलकर व्यवस्था संभाली और श्रद्धालुओं को अन्नप्रसाद वितरित किया।कार्यक्रम का समापन मंगलकामनाओं एवं जनसेवा के संकल्प के साथ हुआ। उपस्थित श्रद्धालुओं ने परिवार द्वारा किए जा रहे इस निरंतर सेवा कार्य को समाज के लिए प्रेरणादायी बताया।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

राम जपना...

सबसे छोटा बेटा मिल्कीपुर में कंप्यूटर ऑपरेटर है, जबकि बेटी टीचर है। मेरे पास जो कुछ है, वो परिवार का है।

राजेश पाठक: बदली जीवनशैली

अयोध्या के खाले पुरवा में रहने वाले राजेश पाठक पर भी संदेह है। राजेश नोटों की गिनती करने वाले कर्मचारियों में शामिल हैं। वे भी मंदिर परिसर के एक कमरे में रखे गए हैं। जांच में जुटे ट्रस्ट कर्मचारियों ने उनसे सवाल पूछे हैं। राजेश की पिछली 5-6 सालों में बदली जीवनशैली जांच के घेरे में है। इनसे क्या रिकवर हुआ? कुल कितने रुपए की संपत्तियां सामने आईं? यह अभी सामने नहीं आया है।

अनुकल्प मिश्रा: गांव में फॉर्म हाउस, अयोध्या में 65 लाख का घर खरीदा

मंदिर से चढ़ावे की चोरी में लवकुश नाम का शख्स भी आरोपी है। उसका साला अनुकल्प मिश्रा भी नोट गिनने वाली टीम का हिस्सा था। सूत्रों के मुताबिक, कौशलपुरी में मानस डेंटल हॉस्पिटल के पास एक घर है। यह घर पहले भोजपुरी गायक का था। उसे अनुकल्प मिश्रा के परिवार ने 64 से 65 लाख रुपए में खरीदा था। इसके बाद परिवार वहीं रहने लगा।वहीं, अनुकल्प के पैतृक गांव में उसके मकान से लगभग 300 मीटर की दूरी पर एक फार्म हाउस भी बनाया गया है। इसी जगह पर 23 से 30 अप्रैल, 2026 तक श्रीमद्भागवत कथा हुई थी। अनुकल्प ने भागवत कथा और शादी में अपने वैभव का प्रदर्शन कर साड़ियां बांटीं। उसके पिता रविंद्र मिश्रा प्रॉपर्टी डीलर हैं। अनुकल्प परिवार के साथ अयोध्या के कौशलपुरी में रहता है।

लवकुश: कार मैकेनिक, फैजाबाद में घर

लवकुश पहले कार मैकेनिक था। अयोध्या के रुदौली क्षेत्र के मीनापुर ठकुरान फगौली गांव का रहने वाला है। मंदिर में नौकरी मिलने के बाद उसकी आर्थिक स्थिति तेजी से बदली थी। गांव आने पर वह खूब पैसे खर्च करता है। एक बार उसने गांववालों को शराब पिलाने के लिए ठेके पर 50 हजार रुपए खर्च कर दिए थे। लवकुश के पिता बच्चूलाल गाजियाबाद की लोहा मंडी में काम करते हैं। लवकुश के घर भी ट्रस्ट के लोग पहुंचे थे। कुछ रुपए घर की आलमारी-बक्से में रखे थे, कुछ रुपए उसने गोबर में दबाकर छिपाए थे। इस दौरान 10 लाख रुपए बरामद हुए। उसका एक मकान फैजाबाद में बन रहा है। वो भी जांच के घेरे में है।

आईपीएस अधिकारी सीधे केंद्र को रिपोर्ट कर रहे

सोर्स के अनुसार, पूरे मामले की देशभर में चर्चा है। इसलिए केंद्र सरकार ने एक आईपीएस अधिकारी को 4 दिन पहले अयोध्या भेजा था। एक स्पेशल विमान उन्हें लेकर आया था। चर्चा है कि इन अधिकारी की देख-रेख में जांच चल रही है। ये केंद्र सरकार को सीधे रिपोर्ट कर रहे हैं। जांच टीम में 3 और अफसरों को शामिल किया गया। सीट में लखनऊ के कमिश्नर विजय विश्वास पंत (आईएएस), किरन एस. (आईपीएस , आईजी रेंज) और नीलरतन (विशेष सचिव, वित्त) को शामिल किया गया है। हालांकि, जांच को लेकर अयोध्या के संत आश्वस्त नहीं हैं। पहले चर्चा थी कि इस घोटाले की जांच समिति में रिटायर्ड जज शामिल होंगे, लेकिन शासन की बनी विशेष समिति में ऐसा नहीं हुआ। शासन के मुताबिक, इस समिति का गठन खुद तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अनुरोध पर ही किया गया है।अयोध्या के श्रीराम मंदिर में चढ़ावे की चोरी के बाद देशभर में टिन्नू यादव सुर्खियों में है। कहने को टिन्नू ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय के खास सहयोगी है, लेकिन श्रीराम मंदिर ट्रस्ट में वह बहुत पावरफुल बताया जाता है। चाहे सिक्योरिटी का मैनेजमेंट हो या चढ़ावे को बैंक में डिपॉजिट कराना हो, टिन्नू ही सब कुछ मैनेज करता आया है।

डील पूरी...

इस्माइल बक़ाई के मुताबिक यह एमओयू ईरानी लोगों की ऐतिहासिक हिम्मत का नतीजा है। पिछले एक साल में अमेरिका और इजरायल का रवैया सही नहीं रहा, लेकिन ईरान ने अपनी जमीन नहीं छोड़ी। अब दोनों देश एक लिखित समझौते पर आए हैं। इस्माइल बक़ाई ने साफ कहा कि अमेरिका और इजरायल ने जो 12 दिन की जंग लड़ी, उसके जुर्म ईरान भूलेगा नहीं। यह बात उन्होंने इसलिए कही क्योंकि कुछ लोग सोच रहे थे कि समझौते के बाद सब माफ हो जाएगा। इस्माइल बक़ाई ने कहा - नहीं, शहीदों का बदला लेना ईरान की स्थायी नीति है, इसे कोई नहीं बदल सकता। बक़ाई ने आईएईए और उसके बोर्ड ऑफ गवर्नर्स की तीखी आलोचना की। उन्होंने कहा कि इन अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं ने अमेरिका और इजरायल की आक्रामकता की निंदा नहीं की, जो इनके लिए शर्म की बात है। ये संस्थाएं इस परीक्षा में फेल हो गईं। एक पत्रकार ने पूछा कि क्या इजरायल का लेबनान से निकलना भी इस समझौते में लिखा है या सिर्फ युद्धविराम है। बक़ाई ने जवाब दिया कि एमओयू में लेबनान शब्द तीन बार आता है। इसमें लेबनान की संप्रभुता का सम्मान, उसकी जमीनी अखंडता और जंग बंद करने की बात शामिल है। यानी यह सिर्फ युद्धविराम नहीं, बल्कि पूरी तरह लड़ाई खत्म करने की बात है।

जेनेवा बैठक से पहले क्या होगा? बक़ाई ने बताया कि समझौते पर दस्तखत से पहले ईरानी अधिकारी पड़ोसी और क्षेत्रीय देशों का दौरा करेंगे। इन दौरों की पूरी जानकारी जल्द सार्वजनिक की जाएगी। साथ ही दस्तखत का तरीका और प्रक्रिया यानी कौन साइन करेगा, कहां होगा - यह एक-दो दिन में तय हो जाएगा और आधिकारिक तौर पर बताया जाएगा।

ईरान को क्या मिलेगा? यह समझौते का सबसे अहम हिस्सा है। बक़ाई ने बताया कि अमेरिका को ईरान के जो पैसे विदेश में रोके गए हैं, वो वापस करने होंगे। नुकसान का हर्जाना देना होगा। सभी आर्थिक पाबंदियां हटानी होंगी। ईरान बिना किसी रोकटोक के अपना तेल बेच सकेगा।

हॉर्मुज की खाड़ी - एक नई बात

यह समझौते का एक बड़ा और नया पहलू है। हॉर्मुज की खाड़ी दुनिया के तेल के प्रमुख मार्गों में से एक है। यहां से हर रोज लाखों बैरल तेल गुजरता है। अब ईरान ने कहा है कि हॉर्मुज की खाड़ी में जो जहाज गुजरेंगे, उनसे नेविगेशन, बीमा और पर्यावरण सुरक्षा जैसी सेवाओं के बदले फीस ली जाएगी। यह काम ईरान करेगा क्योंकि वह इस खाड़ी का तटीय देश है। बक़ाई ने साफ किया - यह टोल नहीं है, बल्कि सेवाओं के बदले शुल्क है। एक खास मुद्दा यह भी है कि एक तय समय तक खाड़ी से गुजरना इस बात पर निर्भर करेगा कि दूसरा पक्ष यानी अमेरिका/इजरायल कैसा व्यवहार करता है।

परमाणु मुद्दा - 60 दिन में बात

एमओयू में परमाणु मुद्दे की बारीकियां नहीं हैं। बस इतना तय हुआ है कि समझौते पर दस्तखत के बाद 60 दिनों के अंदर ईरान और अमेरिका के बीच परमाणु मुद्दे और पाबंदियां हटाने पर अलग से बातचीत होगी। यानी यह एमओयू एक शुरुआत है, असली बातचीत अभी होनी है।

अमेरिकी उपराष्ट्रपति वेंस ने क्या कहा?

इंटरव्यू में अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने बताया कि ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर दो-चरणी जांच प्रक्रिया होगी। हॉर्मुज की खाड़ी लंबे समय तक बिना टोल के खुली रहे, यह अमेरिका चाहता है। अभी कई बातें तय होनी बाकी हैं। दस्तखत की रस्म में ईरान के स्पीकर ऑफ हाउस, विदेश मंत्री और दूसरे बड़े नेता शामिल होंगे। इजरायल को लेकर वेंस ने कहा कि इजरायल में कुछ लोग इस समझौते को पसंद करते हैं। नए मिडिल ईस्ट में इजरायल की भी जगह होगी। इस हफ्ते समझौते का पूरा टेक्स्ट सार्वजनिक होने की उम्मीद है।

पेट्रोल-डीजल, एलपीजी से रुपया तक... भारत को होंगे ये 5 बड़े फायदे

अमेरिका-ईरान के बीच ये शांति समझौता भारत के लिए कई मायनों में राहत भरा है।

पहला फायदा- तेल-गैस संकट कम होगा

कच्चे तेल पर अमेरिका-ईरान शांति समझौता का असर दिखने भी लगा है और सोमवार को अंतरराष्ट्रीय बाजार में क्रूड ऑयल के भाव में अचानक बड़ी गिरावट आई है। ब्रेंट क्रूड की कीमत 5 फीसदी की गिरावट के साथ कम होकर 83 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया है। वहीं डब्ल्यूटीआई क्रूड की कीमत 5.50 फीसदी गिरकर 80 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। मर्बन क्रूड में तो और भी ज्यादा करीब 7 फीसदी की गिरावट आई है और ये कम होकर 77 डॉलर प्रति बैरल के आसपास आ गया है। ईरान और हॉर्मुज भारत समेत आयात पर निर्भर अन्य देशों के लिए आपूर्ति का सबसे बड़ा केंद्र है और भारत अपनी जरूरत का करीब 85 फीसदी तेल आयात करता है, ऐसे में ये डील देश में तेल-गैस संकट को कम करने वाली साबित हो सकती है।

दूसरा फायदा.- पेट्रोल-डीजल, एलपीजी सस्ते

होर्मुज जलडमरूमध्य ओपन होने और तेल-गैस सप्लाई चेन में सुधार से देश में इनका आयात बढ़ जाएगा, जिससे किल्लत खत्म होगी। कच्चा तेल सस्ता होने से पेट्रोल-डीजल की लागत कम हो सकती है और इसकी कीमतों में आगे गिरावट देखने को मिल सकती है। ये आम भारतीय के लिए एक बड़ी राहत होगी। गैस की आपूर्ति में रुकावट खत्म होने से एलपीजी संकट कम होगा और ऑयल मार्केटिंग कंपनियां सिलेंडर के दाम घटा सकती हैं। ये न सिर्फ आम लोगों, बल्कि उद्योगों के लिए भी राहत भरा होगा। ईंधन सस्ता होने से महंगाई पर कंट्रोल होगा, क्योंकि ट्रांसपोर्टेशन का खर्च घटेगा और खाने-पीने की चीजों समेत अन्य जरूरी सामानों की कीमतों में गिरावट आ सकती है।

तीसरा फायदा.- शेयर बाजार सुधार

ग्लोबल टेंशन, युद्ध, जियो-पॉलिटिकल तनाव ऐसे कारण हैं, जो सीधे शेयर बाजार पर असर डालते हैं। इसका असर भारतीय शेयर बाजार लंबे समय से देख रहा है। बात इजरायल-फिलिस्तीन जंग की हो, रूस-यूक्रेन युद्ध की हो या फिर अमेरिका-ईरान संघर्ष की। हर एक अपडेट का असर भारतीय शेयर बाज़ार पर देखने को मिला है। इस बड़ा उदाहरण ये है कि ट्रम्प ने जैसे ही ईरान के साथ शांति समझौते का ऐलान किया, तो सोमवार को खुलने के साथ ही सेंसेक्स-निफ्टी रॉकेट की रफ्तार से भागने लगे। खासतौर पर ऐसे सेक्टर जो तेल की लागत से संबंधित हैं, उनके शेयरों में तेज उछाल देखने को मिला।

भारतीय शेयर बाजार से लगातार दूरी बनाए चल रहे विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक यानी एफपीआई की धारणा में भी सुधार हो सकता है और एक बार फिर उनकी वापसी हो सकती है। ऐसा होता है, तो बाजार को सपोर्ट मिलेगा। बता दें कि इस साल 2026 में फरवरी महीने को छोड़कर बाकी हर महीने तेज बिकवाली देखने को मिली है। सिर्फ जून महीने के पहले पखवाड़े में ऋझखी की बिकवाली का आंकड़ा 62,000 करोड़ रुपये के पार निकल चुका है।

चौथा फायदा - रुपया होगा मजबूत

कच्चे तेल की कीमत कम होने से भारतीय करेंसी रुपया को भी फायदा होगा, जो कि ग्लोबल टेंशन के बीच अमेरिकी डॉलर के मुकाबले लगातार कमजोर होती नजर आई है और 95 का आंकड़ा पार कर चुकी है। इसके पीछे की वजह भी कच्चा तेल है, क्योंकि क्रूड का भाव घटने से भारत का तेल आयात बिल कम होगा और इससे देश का व्यापार घाटा भी घटेगा। ये करेंसी पर दबाव कम होने से इसके मजबूती के लिए बेहद फायदेमंद साबित होगा।

पांचवां फायदा - प्रवासियों को बड़ी राहत

मिडिल ईस्ट की जंग ने न सिर्फ आयात-निर्यात पर बुरा असर डाला, बल्कि खाड़ी देशों में रहकर रोजगार करने वाले लाखों भारतीयों के लिए बड़ी मुसीबत का सबब बनकर सामने आया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, करीब 90 लाख भारतीय खाड़ी देशों में काम करते हैं। ये शांति समझौता इन भारतीय प्रवासियों की सुरक्षा और उनके रोजगार को लेकर पैदा हुए जोखिम को कम करने में सहायक होगी।

कॉकरोच को...

शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग कर रहे थे। दीपके ने हमले के बाद सोशल मीडिया पर जारी वीडियो में कहा कि यह उनके आंदोलन को कमजोर करने की कोशिश है, लेकिन वे डरने वाले नहीं हैं। थप्पड़कांड के बाद अभिजीत दीपके ने प्रदर्शनकारियों को संबोधित किया। उन्होंने नारा लगाया, हिंदू-मुस्लिम की राजनीति नहीं चलेगी, नहीं चलेगी। उन्होंने कहा, हमें यह स्वतंत्रता कुर्बानियों के बाद मिली थी। हमें हिंदू-मुस्लिम में बांटा जाता है। जाति-धर्म में बांटा जाता है, लेकिन हमें इसमें नहीं फंसना है।

सीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता आशुतोष रांका ने बताया, यह किसी एक संगठन की नहीं, बल्कि देश के छात्रों, युवाओं और अभिभावकों की लड़ाई है। यह शिक्षा व्यवस्था को सुधारने की लड़ाई है। बढ़ती बेरोजगारी, शिक्षा व्यवस्था में अव्यवस्थाएं, भर्ती परीक्षाओं में पेपर लीक और युवाओं के साथ हो रहे अन्याय का विरोध है।

'डांसिंग गर्ल...

एनसीईआरटी ने सुधारात्मक कदम उठाने की घोषणा की है। एनसीईआरटी के निदेशक दिनेश प्रसाद सकलानी ने चैनल आजतक से बातचीत में कहा कि जैसे ही यह मामला उनके संज्ञान में आया, संबंधित विभाग को इसकी जांच करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने बताया कि विषय विशेषज्ञों से काफी लंबे परामर्श के बाद विभाग ने पाठ्यपुस्तकों में प्रकाशित डांसिंग गर्ल की तस्वीर को उसके मूल स्वरूप वाली तस्वीर से बदलने का निर्णय लिया है। सकलानी के अनुसार, इस मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

एनसीईआरटी निदेशक ने कहा कि सबसे पहले डिजिटल संस्करण में यह सुधार लागू किया जा रहा है, ताकि छात्रों और शिक्षकों को सही तस्वीर उपलब्ध हो सके। वहीं, भविष्य में प्रकाशित होने वाले संशोधित मुद्रित संस्करणों में भी डांसिंग गर्ल की मूल तस्वीर ही शामिल की जाएगी।डांसिंग गर्ल सिंधु घाटी सभ्यता की सबसे प्रसिद्ध कलाकृतियों में गिनी जाती है। इसकी ऊंचाई करीब 10.5 सेंटीमीटर है। प्रतिमा में एक युवती को एक हाथ कमर पर रखे, ठुड्डी ऊपर उठाए और एक घुटना मोड़े हुए दिखाया गया है। उसके शरीर पर कई चूड़ियां और एक हार भी दिखाई देते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार यह प्रतिमा उस समय की कला और शिल्पकला का उत्कृष्ट उदाहरण मानी जाती है।

किताब में बताया गया है कि इस प्रतिमा को 'लॉस्ट वैक्स तकनीक' यानी मोम ढलाई विधि से बनाया गया था। यह तकनीक आज भी पश्चिम बंगाल, झारखंड और छत्तीसगढ़ के कुछ हिस्सों में प्रचलित है।

इस मामले पर इतिहासकार और शिक्षाविद मिशेल डैनिनो ने भी प्रतिक्रिया दी है। डैनिनो एनसीईआरटी की नई कक्षा 6 सामाजिक विज्ञान की पुस्तकों के विकास से जुड़ी समिति के प्रमुख रहे हैं। उन्होंने कहा कि पहले उन्हें बताया गया था कि डांसिंग गर्ल की मूल तस्वीर छोटे बच्चों के लिए उपयुक्त नहीं मानी गई थी। हालांकि कक्षा 6 के शिक्षकों से चर्चा के बाद समिति ने इस विचार को स्वीकार नहीं किया, क्योंकि शिक्षकों ने बताया था कि कक्षा में इस तस्वीर को लेकर कभी कोई समस्या नहीं हुई।

कक्षा 9 की पुस्तक में बदली हुई तस्वीर देखकर डैनिनो ने आश्चर्य जताया। उनका कहना है कि भारतीय कला पर आधारित अध्याय में किसी ऐतिहासिक कलाकृति के मूल स्वरूप को बदलना उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि इससे छात्रों को गलत जानकारी मिल सकती है और ऐतिहासिक वस्तु की वास्तविक पहचान प्रभावित होती है।

ओवैसी से बोली...

जब तक हम अपने नुमाइंदों को कामयाब नहीं करेंगे, जो यूपी की विधानसभा में आपके हक की बात करे, आपके ऊपर ज्यादती होती रहेगी।

उन्होंने आगे कहा, हमारी कोशिश है कि उत्तर प्रदेश में दोबारा बीजेपी की सरकार ना बने। अगर बीजेपी को रोकने के लिए इज्जत के साथ बात होगी, कोई हिस्सेदारी की बात करेगा, तो एआईएमआईएम और ओवैसी तैयार है, लेकिन इस हिस्सेदारी में हम दरी नहीं बिछाएंगे।

ओवैसी ने आगे कहा, यूपी में एनकाउंटर के नाम पर कई मासूमों को तकलीफ दी जाती है। संविधान रूल बाय लॉ कहता है, रूल बाय गन नहीं कहता। यूपी के सीएम को बताना चाहता हूं कि शायद आप पढ़ना लिखना नहीं जानते, आप संविधान पढ़ लीजिए।

एआईएमआईएम चीफ ने सवाल उठाते हुए कहा, क्या यूपी भारत का सबसे बड़ा बीफ एक्सपोर्टर नहीं बन गया? अगर यूपी की सरकार समझती है आई लव मोहम्मद के पोस्टर से मोहम्मद की मोहब्बत कम कर दोगे, तो तुम गलत हो। संविधान में आर्टिकल 25 में धर्म की आजादी है, तो यह जुल्म हो रहा है।

मोदी सरकार के 22 साल पर रामगोपाल का तंज

मोदी सरकार के 12 साल के कार्यकाल पर रामगोपाल ने कहा, सारे रिकॉर्ड टूट गए हैं। महंगाई ने रिकॉर्ड तोड़ दिया, डॉलर के मामले में रुपए ने रिकॉर्ड तोड़ दिया, पेट्रोल डीजल ने रिकॉर्ड तोड़ दिया, कोई बचा है रिकॉर्ड जो ना टूटा हो।

रामगोपाल ने अयोध्या में राम मंदिर चंदा चोरी पर कहा कि यह हम धर्म पर बात नहीं करते हैं, लेकिन अब आप देख लो कि सरकार का चेहरा क्या है। उन्होंने आगे कहा कि यूपी में कहीं लॉ एंड ऑर्डर नहीं है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar,
Hyderabad - 500 037
8688868345

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

दि हैदराबाद किराणा मर्चेंट्स एसोसिएशन चुनाव 2026-28

विजयवर्गीय अध्यक्ष और अविनाश देवड़ा बने महामंत्री

हैदराबाद, 15 जून(शुभ लाभ ब्यूरो)। दि हैदराबाद किराणा मर्चेंट्स एसोसिएशन, बेगम बाजार के वर्ष 2026-2028 कार्यकाल हेतु हुए चुनावों के परिणाम संयुक्त चुनाव अधिकारी द्वारा घोषित किए गए। 14 जून को सम्पन्न मतगणना के बाद विभिन्न पदों पर विजयी उम्मीदवारों की घोषणा की गई। चुनाव में एसोसिएशन के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपने मताधिकार का प्रयोग किया।

अध्यक्ष पद पर श्री दामोदर दास विजयवर्गीय ने 334 मत प्राप्त कर विजय हासिल की और निर्वाचित घोषित किए गए। उनके निकटतम प्रतिद्वंद्वी श्री जीवन भाटी को 176 मत मिले, जबकि श्री दयाराम पंवार को 2 तथा श्री महेश कुमार गुप्ता को 1 मत प्राप्त हुआ।

उपाध्यक्ष पद के लिए हुए मुकाबले में श्री पुरुषोत्तम मारोठिया ने 390 मत प्राप्त कर जीत दर्ज की। श्री रमेश भाटी को 278 मत मिले तथा श्री दिनेश सोलंकी को 232 मत प्राप्त हुए।

महामंत्री पद पर श्री अविनाश देवड़ा 300 मतों के साथ विजयी रहे, जबकि श्री पुष्कराज भाटी को 216 मत मिले। कोषाध्यक्ष पद पर कांटे की टक्कर में श्री दुर्गेश पंवार ने 269 मत प्राप्त कर विजय हासिल की, जबकि श्री कैलाश मंत्री को 263 मत मिले।

सह मंत्री पद पर निर्विरोध निर्वाचन

सह मंत्री पद पर श्री चिमललाल पंवार एवं श्री कमल जैन निर्विरोध निर्वाचित घोषित किए गए।

वहीं संयुक्त कोषाध्यक्ष पद पर श्री प्रकाश राठी ने 284 मत प्राप्त कर जीत दर्ज की, जबकि श्री विकास टाक को 211 मत प्राप्त हुए।

कार्यकारिणी सदस्य पद पर 11 निम्न उम्मीदवार निर्वाचित घोषित किए गए

श्री अमरचंद भाटी	– 374 मत
श्री मनीष भाटी	– 371 मत
श्री निलेश कुमार मारोठिया	– 357 मत
श्री अभिषेक देवड़ा	– 344 मत
श्री दिनेश कुमार भाटी	– 332 मत
श्री गोविंद पंवार	– 313 मत
श्री भगवानदास मुंदडा	– 298 मत
श्री शरद अट्टल	– 297 मत
श्री विट्ठलदास अट्टल	– 291 मत
श्री रमेश वैकर	– 290 मत
श्री नंदकिशोर जोशी	– 251 मत

अन्य उम्मीदवारों में श्री राधेश्याम भाटी (248 मत), श्री रामबिलास शर्मा (171 मत), श्री ओमप्रकाश शर्मा (155 मत), श्री भीवराज सांकला (152 मत), श्री श्यामसुंदर भाटी (152 मत) तथा श्री विपिन रामावत (39 मत) शामिल रहे।

चुनाव प्रक्रिया का संचालन मुख्य चुनाव अधिकारी श्री राजाराम गहलोत तथा चुनाव अधिकारी श्री विजय कुमार भाटी एवं श्री अशोक कुमार भूतड़ा के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुआ। परिणाम घोषित होने के बाद विजयी उम्मीदवारों एवं उनके समर्थकों में हर्ष का वातावरण देखा गया। नव निर्वाचित पदाधिकारियों ने एसोसिएशन के विकास, व्यापारियों के हितों की रक्षा तथा संगठन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का संकल्प व्यक्त किया।

बंजारा सेंट्रल शाखा की वार्षिक साधारण सभा आयोजित

हैदराबाद, 15 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रगल समाज, बंजारा सेंट्रल शाखा की वार्षिक साधारण सभा सम्पन्न हुई। प्रेस को जारी विज्ञप्ति के अनुसार सभा का शुभारंभ परंपरागत महाराजाश्री अग्रसेन की पूजा-अर्चना व दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। शाखा अध्यक्ष सुनील कुमार अग्रवाल ने सभा को संबोधित करते हुए सभी का स्वागत किया । मानद मंत्री मनीष कुमार अग्रवाल ने वार्षिक शाखा की वर्ष भर की गतिविधियों की विस्तृत जानकारी देते हुये अपनी वार्षिक रिपोर्ट सभा में प्रस्तुत की। कोषाध्यक्ष जयदीप गुप्ता ने शाखा के वार्षिक आय-व्यय का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया जिसे सभा ने करतलध्वनि से सभा स्वीकृत किया । अध्यक्ष की अनुमति द्वारा अन्य विषयों के अंतर्गत शाखा द्वारा किये जाने वाले विभिन्न सामाजिक कार्यक्रमों के संदर्भ में विचार विमर्श व निर्णय लिये गये । उपाध्यक्ष सीए अरविंद अग्रवाल द्वारा धन्यवाद ज्ञापन में सभा का समापन हुआ। सभा में इस अवसर पर सह मंत्री अश्विन अग्रवाल, केंद्रीय समिति सदस्य नवल किशोर बंसल, शाखा परामर्शदाता मोहन मित्तल, सुदर्शन दारूका एवं विनोद टिकमाणी, शाखा कार्यकारिणी सदस्य आशुतोष नरेडी, महेश अग्रवाल, गोपाल अग्रवाल, विजय गुप्ता, दिलीप अग्रवाल, रवि अग्रवाल, सुभाष केडिया, अनिल झुंझुनवाला, शाखा सदस्य घनश्याम दास अग्रवाल, गोपालचंद्र अग्रवाल, संजय गोयल, धरमपाल अनुसाल, नीरज अग्रवाल, उमाकांत गुप्ता, हेमंत अग्रवाल, नीरव अग्रवाल, विजय कुमार गुप्ता, नरेश अग्रवाल, नरेश अग्रवाल, सुशील पचेरिया, शंकरलाल अग्रवाल आदि की उपस्थिति रही।

पित्ती ट्रस्ट और अग्रवाल सेवा दल का 168वां निःशुल्क मेगा मेडिकल कैंप संपन्न

हैदराबाद, 15 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। बद्री विशाल पन्नालाल श्री श्वेताम्बर मूर्तिपूजक तीर्थ, कोलनपाक के सहयोग से पित्ती ट्रस्ट तथा अग्रवाल सेवा दल का 168वां निःशुल्क मेगा मेडिकल कैंप भव्य रूप से सफलतापूर्वक आयोजित किया गया।

अग्रवाल सेवा दल के प्रचार संयोजक अजित गुप्ता द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार शिविर में सेवा दीप प्रज्ज्वलन सुप्रीम कोर्ट के माननीय श्री जस्टिस पामिदिघंटम श्री नरसिम्हा द्वारा किया गया। इस अवसर पर न्यायाधीश श्री नरसिम्हा ने पित्ती परिवार द्वारा अग्रवाल सेवा दल के साथ मिलकर की जा रही सेवाओं की प्रशंसा करते हुए स्वर्गीय पन्नालाल पित्ती का उल्लेख भी किया।

अजित गुप्ता के अनुसार रविवार, दिनांक 14 जून 2026 को प्रातः 10:00 बजे से दोपहर 2:00 बजे तक श्री श्वेताम्बर मूर्तिपूजक तीर्थ, कोलनपाक, आलेर मंडल, यादाद्री जिला में आयोजित इस भव्य शिविर में मेडिकवर हॉस्पिटल्स, हाईटेक सिटी के विशेषज्ञ डॉक्टर जगदीश, डॉक्टर लावण्या, डॉक्टर रोशनी, शिवलीला, डायना, श्रावणी, सहेली, ललिता आदि की टीम ने अपनी सेवाएं प्रदान की। जबकि लायंस क्लब ऑफ हैदराबाद साधुराम नेत्र चिकित्सालय की टीम - भगवान, वर्फान, प्रतीक्षा, नरसिंह राव एवं भास्कर आदि द्वारा रोगियों के नेत्र परीक्षण के पश्चात 10 निःशुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन एवं रेटिना जांच की व्यवस्था की गई। 98 जरूरतमंद रोगियों में उनकी आवश्यकता अनुसार चश्मों का निःशुल्क वितरण किया गया।श्री भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति की टीम द्वारा जरूरतमंद रोगियों में कृत्रिम अंग, हैंड किट्स, कैलिपर्स के निःशुल्क वितरण की व्यवस्था की गई।

उपरोक्त शिविर में रोगियों के रक्तचाप तथा शर्करा की निःशुल्क जांच के बाद उनकी आवश्यकता अनुसार जनरल फिजिशियन, फिजियोथेरेपी, दंत चिकित्सा, अस्थि चिकित्सा, हृदय चिकित्सा की सुविधा प्रदान की गई। शिविर में ई.सी.जी., 2डी इको, बी.एम.डी., आर.बी.एस./बी.पी. आदि परीक्षण निःशुल्क किये गये तथा 245 रोगियों में उनकी आवश्यकता अनुसार दवाइयों का निःशुल्क वितरण किया गया। जरूरतमंद मरीजों के लिए निःशुल्क डायलिसिस सेवा की व्यवस्था भी करवाई गई।

इस सेवा शिविर में डॉक्टर अखिल क्लीनिक के डॉक्टर अखिल सुगंधि, डॉक्टर मीनल सुगंधि, बजाज फिजियो केयर की डॉक्टर मीता बजाज तथा एस एन आर डेंटल के डॉक्टर एस निखिल राज एवं डॉक्टर नवनीत राज ने भी अपनी निःशुल्क सेवाएं प्रदान की। शिविर में अग्रवाल सेवा दल एवं पित्ती ट्रस्ट चेयरमैन शरद जी पित्ती, अग्रवाल सेवा दल के संयोजकों अजित गुप्ता, प्रदीप अग्रवाल, सुधीर गुप्ता, सुरेन्द्र गोयल, दीपक गुप्ता, कैलाश केडिया, उर्मिला अग्रवाल, श्री श्वेताम्बर मूर्तिपूजक तीर्थ के श्री इंदरचंद जैन, प्रदीप जैन, वेंकटेश एवं टीम के साथ समाजसेवी गोपाल सिंह, निर्मला गुप्ता, दिशा गुप्ता, निर्मला केडिया, अनिता अग्रवाल, ज्योति गुप्ता, योगेश अग्रवाल, सतीश गर्ग, सुनैना नर्सरिया, पद्मजा, नंदिनी, प्रयाग चीटियाल, पित्ती इंजीनियरिंग लिमिटेड के कर्मचारियों तथा अग्र महिला मंच की दीपा गर्ग, सरला अग्रवाल, वंदना अग्रवाल आदि ने अपनी सेवाएं प्रदान की।

श्री श्वेताम्बर मूर्तिपूजक तीर्थ, कोलनपाक की ओर से श्री इंदर चंद जैन ने पित्ती ट्रस्ट के चेयरमैन एवं अग्रवाल सेवा दल के परामर्शदाता श्री शरद बी पित्ती तथा सेवा दल के संयोजकों का मोती माला एवं शॉल द्वारा सम्मान किया।

नशामुक्त युवा भारत के संकल्प के साथ 'शपथ' अभियान का होगा शुभारंभ

गणमान्य अतिथियों को व्यक्तिगत रूप से दिया गया आमंत्रण

समाज में जागरूकता, पुनर्वास और सकारात्मक जीवन मूल्यों को मिलेगा बढ़ावा

हैदराबाद, 15 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज की सामाजिक एवं पुनर्वास संबंधी महत्वाकांक्षी पहल शपथ – हमारा संकल्प, हमारी जिम्मेदारी के शुभारंभ कार्यक्रम की तैयारियाँ जोर-शोर से चल रही हैं। इसी क्रम में शपथ टीम द्वारा विभिन्न गणमान्य अतिथियों से व्यक्तिगत रूप से भेंट कर उन्हें कार्यक्रम में सम्मिलित होने हेतु आमंत्रित किया गया तथा अभियान के मिशन एवं विजन की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। शपथ अभियान का मुख्य उद्देश्य युवाओं को नशे की गिरफ्त से बचाना, समाज में जागरूकता का प्रसार करना तथा पुनर्वास एवं सकारात्मक जीवन मूल्यों को प्रोत्साहित करना है। यह पहल ड्रग फ्री – यंग इंडिया के निर्माण की दिशा में अग्रवाल समाज का एक महत्वपूर्ण सामाजिक प्रयास मानी जा रही है।

शपथ टीम ने माननीय श्री पोन्नम प्रभाकर, मंत्री, परिवहन एवं बीसी कल्याण विभाग, तेलंगाना सरकार को कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया है। टीम ने उनसे भेंट कर अभियान के उद्देश्यों और भावी योजनाओं की जानकारी भी साझा की।

इसके अतिरिक्त श्री तलसानी श्रीनिवास यादव, विधायक तथा डॉ. प्रियंका आला, जिला कलेक्टर को कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया है।

कार्यक्रम के दौरान दीप प्रज्ज्वलन समारोह श्री वी. हनुमंथा राव, सलाहकार, तेलंगाना सरकार (बीसी कल्याण) के करकमलों द्वारा संपन्न किया जाएगा। वहीं कार्यक्रम के मुख्य वक्ता के रूप में श्री संदीप शांडिल्य, आईपीएस (सेवानिवृत्त), निदेशक, ईगल फोर्स टीम उपस्थित रहेंगे। वे युवाओं को नशामुक्त जीवन, आत्मअनुशासन और सकारात्मक सोच के प्रति प्रेरित करेंगे तथा समाज में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति के दुष्प्रभावों पर प्रकाश डालेंगे। 'शपथ' अभियान का भव्य शुभारंभ 21 जून 2026 (अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस) को प्रातः 11:30 बजे भास्करा ऑडिटोरियम, बिरला प्लैनेटेरियम परिसर, हैदराबाद में आयोजित किया जाएगा।

अग्रवाल समाज ने समाज के सभी वर्गों, युवाओं, अभिभावकों, शिक्षाविदों, सामाजिक संगठनों एवं जागरूक नागरिकों से इस महत्वपूर्ण जन-जागरूकता अभियान में सहभागी बनने का आह्वान किया है। समाज के पदाधिकारियों का मानना है कि सामूहिक प्रयासों से ही नशामुक्त, स्वस्थ और सशक्त भारत के निर्माण का सपना साकार किया जा सकता है।

अमावस्या पर चंडी होमम और अन्नदानम का भव्य आयोजन

हैदराबाद, 15 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। अमावस्या के पवित्र अवसर पर हैदराबाद के कोटी, रानी पार्क के पास स्थित श्री नल्ला पोचम्मा मंदिर में अत्यंत श्रद्धा और आध्यात्मिक उत्साह के साथ 'चंडी होमम' का आयोजन किया गया। इस दौरान समाज में शांति, समृद्धि, सुरक्षा और जनकल्याण के लिए मां चंडी का आशीर्वाद लेने और इस पवित्र अनुष्ठान में भाग लेने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु एकत्रित हुए।

होमम के समापन के बाद, श्रद्धालुओं और आम जनता के लिए एक 'अन्नदानम' (मुफ्त सामूहिक भोज) कार्यक्रम का आयोजन किया गया। धार्मिक और सामाजिक सेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के तहत, बजरंग सेना तेलंगाना के अध्यक्ष श्री एन.आर. लक्ष्मण राव और मंदिर समिति द्वारा संयुक्त रूप से इस कार्यक्रम का संचालन किया गया।

इस आयोजन में भारी संख्या में भक्तों ने हिस्सा लिया, धार्मिक अनुष्ठानों में शामिल हुए और अन्नदानम का प्रसाद ग्रहण किया। आयोजकों ने उन सभी श्रद्धालुओं, स्वयंसेवकों और समर्थकों के प्रति आभार व्यक्त किया, जिनके सहयोग से यह कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

आचार्य महाप्रज्ञ शिक्षा सहयोग योजना के लिए टीपीएफ हैदराबाद की भव्य भक्ति संध्या

हैदराबाद, 15 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम (टीपीएफ) हैदराबाद द्वारा राष्ट्रीय अध्यक्ष हिम्मत मांडोत की अध्यक्षता में आचार्य महाप्रज्ञ शिक्षा सहयोग योजना के सहयोगार्थ भारतीय विद्या भवन में संगीतमय एवं भव्य भक्ति संध्या का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य आर्थिक रूप से जरूरतमंद विद्यार्थियों की शिक्षा के लिए सहयोग जुटाना था।

कार्यक्रम में श्रद्धानिष्ठ गायक श्री कमल सेठिया ने अपनी भावपूर्ण एवं भक्तिमय प्रस्तुतियों से उपस्थित श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। उन्होंने अपने भजनों में आचार्य भिक्षु स्वामी के जीवन एवं इतिहास को सहज एवं रोचक ढंग से प्रस्तुत कर श्रोताओं का मन मोह लिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ महिला मंडल एवं टीपीएफ फेमिना टीम के मंगलाचरण से हुआ। टीपीएफ हैदराबाद के अध्यक्ष विरेंद्र घोषल ने स्वागत भाषण देते हुए आचार्य महाप्रज्ञ शिक्षा सहयोग योजना की जानकारी प्रदान की तथा समाज से विद्यार्थियों की शिक्षा में सहयोग का आह्वान किया।

राष्ट्रीय अध्यक्ष हिम्मत मांडोत ने उपस्थित श्रावक-श्राविकाओं को विद्यार्थियों के आर्थिक सहयोग के लिए भावनात्मक रूप से प्रेरित किया। वहीं राष्ट्रीय सहमंत्री मोहित बैद ने टीपीएफ की विभिन्न राष्ट्रीय परियोजनाओं एवं सामाजिक गतिविधियों की जानकारी दी।

कमल सेठिया की प्रेरणादायी प्रस्तुति एवं शिक्षा सहयोग के संदेश से प्रभावित होकर कार्यक्रम में लगभग 90 विद्यार्थियों के लिए सहयोग राशि की घोषणा की गई।

इस अवसर पर शिक्षा सहयोग हेतु योगदान देने वाले सभी दानदाताओं का टीपीएफ टीम द्वारा सम्मान भी किया गया।

इस अवसर पर टीपीएफ के राष्ट्रीय अध्यक्ष हिम्मत मांडोत, स्थानीय अध्यक्ष विरेंद्र घोषल, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष नरेश कठोतिया, राष्ट्रीय सहमंत्री मोहित बैद, आचार्य महाप्रज्ञ शिक्षा सहयोग योजना के राष्ट्रीय संयोजक प्रवीण सिरोहिया, राष्ट्रीय टीम सदस्य ऋषभ दुगड़ एवं नवीन सुराना, टीपीएफ हैदराबाद के निवर्तमान अध्यक्ष पंकज संचेती, तेरापंथ सभा मंत्री हेमंत संचेती, महिला मंडल अध्यक्षा नमिता सिंघी, तेयुप अध्यक्ष राहुल गोलछा, अणुव्रत समिति अध्यक्ष राजेंद्र बोथरा, टीपीएफ मंत्री अणुव्रत सुराणा, कोषाध्यक्ष अर्हम बेंगाणी, उपाध्यक्ष सुनील पगारिया एवं निखिल कोटेचा, कार्यक्रम संयोजक एवं उपाध्यक्ष वर्षा बैद, संयोजक अमित ललवानी, सहमंत्री अनुष बम्बोली, दीक्षा सुराणा, सुनील सुराणा, राजकुमार सुराणा, विकास दुगड़, अशोक बरमेचा, रमेश संचेती, विजय पटवारी, महेंद्र दुगड़, स्वरांजलि ग्रुप सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का प्रभावी संचालन अणुव्रत सुराणा एवं वर्षा बैद ने किया। अंत में कमल सेठिया एवं सभी संगीतकारों का सम्मान किया गया। धन्यवाद ज्ञापन टीपीएफ मंत्री अणुव्रत सुराणा द्वारा प्रस्तुत किया गया।

भक्ति, सेवा और शिक्षा सहयोग के समन्वय से आयोजित यह कार्यक्रम उपस्थित जनसमुदाय के लिए एक प्रेरणादायी एवं अविस्मरणीय अनुभव बन गया।

केंद्र ने रोकी तेलंगाना की मेट्रो रेल अधिग्रहण योजना : रेवंत रेड्डी

आईआरएफसी लोन वितरण में अड़ंगा लगाने का आरोप, केंद्र से एनओसी या फंड जारी करने की मांग

हैदराबाद, 15 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने सोमवार को केंद्र सरकार पर सीधा हमला बोलते हुए हैदराबाद मेट्रो रेल परियोजना के अधिग्रहण के लिए भारतीय रेलवे वित्त निगम द्वारा स्वीकृत 13,600 करोड़ के पुनर्वित्त ऋण को रोकने का आरोप लगाया है। सचिवालय में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने केंद्र से हैदराबाद मेट्रो फेज-2 पर स्थिति स्पष्ट करने की मांग की। उन्होंने कहा कि केंद्र या तो इस ऋण को तुरंत जारी करे या राज्य सरकार को अनापत्ति प्रमाण पत्र (छजउ) दे, ताकि राज्य अपने दम पर मेट्रो विस्तार का काम पूरा कर सके।

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने खुलासा किया कि समझौते के तहत आईआरएफसी को 15 जून तक यह ऋण राशि जारी करनी थी, लेकिन ऐसा नहीं किया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने राजनीतिक कारणों से इस फंड को रुकवाने के लिए 20 मई को शहरी विकास मंत्री मनोहर लाल खट्टर और 21 मई को रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात कर दबाव बनाया था। मुख्यमंत्री ने दावा किया कि भाजपा और बीआरएस मिलकर कांग्रेस सरकार को बदनाम करने और मेट्रो विस्तार को रोकने की साजिश रच रहे हैं।

अधिग्रहण की वित्तीय बारीकियों को समझाते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि एलएंडटी मेट्रो रेल हैदराबाद ने 8.25 प्रतिशत की भारी ब्याज दर पर ऋण ले रखा था। राज्य सरकार ने जापानी एजेंसी के सहयोग से आईआरएफसी के माध्यम से महज 4 प्रतिशत के आसपास की ब्याज दर पर इस पुनर्वित्त पैकेज को सुरक्षित किया है। इससे मेट्रो रेल का कर्ज का बोझ बेहद कम हो जाएगा और राज्य को हर साल करीब 150 करोड़ के ब्याज की बचत होगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि लगातार हो रहे घाटे के कारण एलएंडटी ने फेज-2 का काम आगे बढ़ाने में असमर्थता जताई थी, जिसके बाद हैदराबाद मेट्रो रेल लिमिटेड के माध्यम से राज्य सरकार ने एलएंडटी मेट्रो की 100% हिस्सेदारी खरीद ली है। एलएंडटी ने करीब 30,000 करोड़ की संपत्ति तैयार की थी, जिसे केंद्र से परामर्श के बाद राज्य ने लगभग 15,000 करोड़ में अधिग्रहित किया है। इसके लिए राज्य सरकार 1,400 करोड़ की मार्जिन मनी और 84 करोड़ की प्रोसेसिंग फीस भी जमा कर चुकी है। रेवंत रेड्डी ने तीखे लहजे में कहा, हमें केंद्र सरकार से 50 प्रतिशत की हिस्सेदारी भी नहीं चाहिए।

वे हमें सिर्फ एनओसी दे दें ताकि हम फंड जुटा सकें, फेज-2 विस्तार का पूरा खर्च राज्य सरकार खुद वहन करेगी। उन्होंने सवाल उठाया कि जब अहमदाबाद और विशाखापत्तनम जैसे शहरों में मेट्रो परियोजनाओं को तुरंत मंजूरी मिल सकती है, तो हैदराबाद के प्रस्ताव को क्यों लटकाया जा रहा है? इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने वारंगल हवाई अड्डा परियोजना में हो रही देरी का मुद्दा भी केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापु राममोहन नायडू के समक्ष उठाने की बात कही।

भक्ति रस में सराबोर हुई संध्या, एक शाम माताजी के नाम का भव्य आयोजन

हैदराबाद, 15 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री आई माताजी मंदिर संगारेड्डी बडेर प्रांगण में मित्र मंडल द्वारा एक शाम माताजी के नाम का भव्य जागरण संपन्न हुआ। जारी प्रेस विज्ञप्ति में चन्दाराम परिहारिया ने बताया कि मित्र मंडल के अपने जीवन के सफलतम 50 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 'एक शाम श्री आई माताजी के नाम' विशाल भजन संध्या एवं महाप्रसादी का भव्य आयोजन मंदिर प्रांगण में किया गया। जिसमें भजन सम्राट ओमाराम कुमावत व महेंद्र बोयल ने राजस्थानी अंदाज़ में माताजी के भजनों की मनमोहक प्रस्तुतियां देकर श्रद्धालुओं को भाव-विभोर कर दिया। इस अवसर पर बडेर के पदाधिकारियों, अतिथियों एवं समाजबंधुओं ने मित्र मंडल परिवार को 50 वर्ष पूर्ण होने पर बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। सभी को राजस्थानी परम्परा के अनुसार साफा एवं दुपट्टा से सम्मानित कर गौ माता का भव्य मोमेंटो दिया गया।

इस अवसर पर पारसीगुट्टा बडेर अध्यक्ष मोहनलाल हाम्बड़, लाबूराम पंवार, परसुराम बर्फा, कालूराम काग चिंतल, रामलाल (पूसाराम काग), गिरधारीलाल चोयल, सोहनलाल हाम्बड़, दुर्गाराम मुलेवा, बाबूलाल मुलेवा, तुलसीराम सिंदड़ा सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे।

अवसर पर कार्यक्रम के सफल आयोजन में चन्दाराम परिहारिया, धर्मीचंद परिहारिया, मोहनलाल सैणचा, ओमप्रकाश हाम्बड़, लिकमाराम सानुपरा, मोहनलाल चौयल, रामलाल सैणचा, चेलाराम चौयल एवं रावतराम काग ने पधारे हुए सभी समाज बन्धुओं के लिए महाप्रसाद का आयोजन मंदिर प्रांगण में किया।

अवसर पर बडेर के मुख्य स्तंभ मनोनीत सदस्य रुगाराम परिहारिया, अध्यक्ष प्रभुराम हाम्बड़, उपाध्यक्ष रमेश काग, उपाध्यक्ष ढगलाराम गेहलोत, सचिव पिताराम चोयल, सह-सचिव प्रभुराम काग, कोषाध्यक्ष जीवाराम चोयल, कोषाध्यक्ष ओमप्रकाश हाम्बड़, संचार मंत्री रतनलाल काग, मोदी हुराराम गेहलोत, नवयुवक मंडल अध्यक्ष सुरेश परिहारिया, उपाध्यक्ष गेनाराम बर्फा, सचिव थानाराम राठौड़, सह-सचिव गेनाराम पंवार, महिला मंडल अध्यक्षा श्रीमती संतोषदेवी परिहारिया, सचिव श्रीमती लीलादेवी परिहार एवं सभी समाज बन्धुगण उपस्थित रहे।

भगवान दास विजयवर्गीय की पुण्य स्मृति में अन्नदान सेवा आयोजित

हैदराबाद, 15 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने सोमवार प्रातःकाल स्वर्गीय श्री भगवान दास जी विजयवर्गीय की पुण्य स्मृति में अन्नदान सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर जरूरतमंद एवं निराश्रित लोगों को श्रद्धापूर्वक भोजन वितरित कर दिवंगत आत्मा को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

कार्यक्रम के दौरान आकाश विजयवर्गीय ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि राधे-राधे ग्रुप सेवा, समर्पण और मानवता के उच्च आदर्शों को लेकर निरंतर कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक सहायता पहुंचाना ही सच्ची श्रद्धांजलि और मानव धर्म है।

राधे-राधे ग्रुप अपने सामाजिक, राष्ट्रीय एवं नैतिक दायित्वों का निर्वहन पूरी ईमानदारी, निष्ठा और सेवा भावना के साथ कर रहा है, जो अत्यंत प्रेरणादायी है।

उन्होंने कहा कि स्वर्गीय भगवान दास जी विजयवर्गीय का जीवन भी सेवा, संस्कार और समाजहित के कार्यों के लिए समर्पित रहा।

कार्यक्रम में उपस्थित सभी श्रद्धालुओं ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए सेवा कार्य में सहयोग प्रदान किया।

इस अवसर पर अनिल धरशुवाले, शिव भगवान अग्रवाल,महेश गोयल, लता गोयल, शर्मिला अग्रवाल, नीलम विजयवर्गीय, अरुण विजयवर्गीय, प्रवीण विजयवर्गीय, मोहित अग्रवाल, विकास विजयवर्गीय, आकाश विजयवर्गीय, तनिष्क विजयवर्गीय, शिल्पा संघी एवं वासवी संघी सहित अनेक सेवाभावी जन उपस्थित रहे।

सोमवती अमावस्या पर भंडारा चौक में मालपुआ भंडारा

हैदराबाद, 15 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। कुंभ मेला अग्रवाल बंधु, अशोक फाउंडेशन के तत्वावधान में पुरुषोत्तम मास के अंतिम दिवस तथा सोमवती अमावस्या के पावन अवसर पर भंडारा चौक-रिकाबगंज में भक्ति भाव के साथ भंडारा तथा मालपुआ कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। भंडारा मालपुआ कार्यक्रम का आयोजन अशोक फाउंडेशन अध्यक्ष पंकज कुमार अग्रवाल के नेतृत्व में किया गया।

भंडारा मालपुआ कार्यक्रम का शुभारंभ देवी अन्नपूर्णा, मां भगवती की पूजा अर्चना के साथ पंकज कुमार अग्रवाल, सुरेंद्र नारनौली, अनूप अग्रवाल, प्रशांत, अजय कुमार, सुनील कुमार, नीलेश व अन्य कार्यकर्ता गणों की उपस्थिति में धर्म की जय घोष के साथ आयोजित किया गया। जिसमें स्थानीय लोगों ने हर्ष उल्लास के साथ सम्मिलित होकर भंडारे प्रसाद का लाभ लिया।

खेलों में खेल भावना का होना बेहद जरूरी: डॉ. अजय अग्रवाल

हैदराबाद, 16 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद में वाईडीआई इवेंट्स द्वारा आयोजित बॉक्स क्रिकेट प्रीमियर लीग के पांचवें सीजन में इंटरनेशनल चैम्बर्स ऑफ पब्लिक रिलेशंस के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अजय कुमार अग्रवाल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में शहर की कुल 16 टीमों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

इस अवसर पर खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि डॉ. अजय अग्रवाल ने कहा कि खेल हमारे जीवन में अनुशासन और एकजुटता लाते हैं। उन्होंने इस बात पर विशेष जोर दिया कि कोई भी खेल हमेशा टीम भावना के साथ खेला जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि मैदान पर जीत-हार से ज्यादा खिलाड़ी के व्यवहार में खेल भावना का होना बेहद जरूरी है, यही खेल का असली उद्देश्य है।

टूर्नामेंट के सफल आयोजन पर वाईडीआई इवेंट्स के प्रबंध निदेशक श्री यश जोशी ने मुख्य अतिथि डॉ. अजय अग्रवाल का शॉल ओढ़ाकर और स्मृति चिह्न भेंट कर भव्य स्वागत व अभिनंदन किया। इस गरिमामयी अवसर पर श्री दिनेश शर्मा, मुकेश जोशी सहित खेल जगत की कई अन्य गणमान्य हस्तियां, खिलाड़ी और खेल प्रेमी भारी संख्या में उपस्थित रहे।

नाचाराम-मल्लापुर शाखा का अन्नप्रसादम

हैदराबाद, 15 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज नाचाराम-मल्लापुर शाखा द्वारा पुरुषोत्तम मास की सोमवती अमावस्या के पावन उपलक्ष्य में मल्लापुर मेन रोड स्थित गोयल स्टील के समीप अन्नप्रसादम कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज की मासिक सेवा गतिविधियों को आगे बढ़ाना तथा ''मानव सेवा ही माधव सेवा'' के आदर्श को जन-जन तक पहुंचाना रहा।

शाखा पदाधिकारियों ने बताया कि यह कार्यक्रम समाज के नियमित मासिक नियमों के अंतर्गत आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं एवं स्थानीय नागरिकों ने भाग लेकर अन्नप्रसाद ग्रहण किया। आयोजन के दौरान सेवा, सहयोग एवं सामाजिक समरसता का भाव देखने को मिला। कार्यक्रम में उपस्थित पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने सेवा कार्यों को समाज की सबसे बड़ी पूंजी बताते हुए भविष्य में भी ऐसे जनकल्याणकारी आयोजनों को निरंतर जारी रखने का संकल्प व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि जरूरतमंदों की सेवा और जनहित के कार्य समाज को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

इस अवसर पर शाखा अध्यक्ष प्रदीप कुमार अग्रवाल, कोषाध्यक्ष सतनारायण अग्रवाल, मंत्री प्रवीण कुमार अग्रवाल तथा अमावस्या संयोजक सुरेश जीतपुरिया विशेष रूप से उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में समाज के सदस्य सुरेश जाखनीवाल, सुनील कुमार अग्रवाल, हेमंत अग्रवाल, अनिल अग्रवाल, श्यामलता अग्रवाल एवं निशा गुप्ता सहित अन्य गणमान्य सदस्य भी उपस्थित रहे और आयोजन को सफल बनाने में सक्रिय सहयोग प्रदान किया।

आरएसएस शताब्दी वर्ष पर हैदराबाद में सद्भावना सम्मेलन

हैदराबाद, 15 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। सामाजिक सद्भावना समिति, हिंदीनगर, गोलकोंडा के तत्वावधान में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में रविवार, 14 जून को सर्व समाज सद्भावना सम्मेलन उल्लासपूर्वक मनाया गया। मुख्य वक्ता इंदुकुमार जी ने कहा कि पंच परिवर्तन से समाज में जागृति लाकर आम आदमी का जीवन सरल बनाया जा सकता है। कार्यक्रम में सभी समाजों के अध्यक्षों और पदाधिकारियों ने भाग लिया और सद्भावना का संकल्प लिया। संयोजक बल्देव सिंह लोध ने आभार जताया। कार्यक्रम को सफल बनाने में आरएसएस स्वयंसेवकों ने अहम भूमिका निभाई।

लव फॉर काऊ फाउंडेशन के चेयरमेन जसमत पटेल, ट्रस्टी रिद्धिश जागीरदार, स्वामी कमलेश महाराज, दक्षाबेन पटेल, रामकृष्ण पटेल आदि ने तिरुमला स्थित भगवान् वेंकटेशवरा स्वामी, श्रीकाल हस्ती स्थित भगवान शंकर के विशेष दर्शन किये एवं गौ माता राष्ट्र माता घोषित हो ऐसी प्रार्थना की।

दोमलगुड़ा शाखा ने किया अन्न प्रसाद का आयोजन

हैदराबाद, 15 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज तेलंगाना की दोमलगुड़ा शाखा द्वारा हर माह की अमावस्या की तरह इस महीने भी अन्न प्रसाद का आयोजन किया गया।

शाखा द्वारा संचालित अग्रवाल हेल्थ क्लिनिक परिसर के बाहर आयोजित प्रसाद कार्यक्रम में लगभग 550 लोगों ने लाभ प्राप्त किया।

रितेश झुंझुनवाला और अजय डालमिया के संयोजन में आयोजित इस कार्यक्रम में महाराजा श्री अग्रसेन जी की पूजा-अर्चना के उपरांत प्रसाद वितरण शुरू हुआ। इसमें श्याम सुंदर शशिकांत गोयल, गिरधारी लाल अग्रवाल, रोशन लाल मित्तल, अनीता-प्रदीप अग्रवाल, सीमा-शैलेश अग्रवाल, मेघा-कार्तिक अग्रवाल, सविता-गोपाल अग्रवाल, सरला-विजय जिंदल, छाया-अजय गुप्ता, राजेंद्र गुप्ता, श्रीनाथ अग्रवाल, रश्मि-विकास अग्रवाल, संतोष-वीके गर्ग, शालिनी-निरंजन केडिया, हेमा-सुभाष अग्रवाल, त्रिलोकी नाथ अग्रवाल, नर्सिंग दास अग्रवाल, श्वेता अग्रवाल और अन्य का सहयोग रहा। इस अवसर पर शाखा अध्यक्ष डॉ. दिलीप पंसारी, उपाध्यक्ष योगेश अग्रवाल, सचिव प्रतीक अग्रवाल, सहसचिव विजय कुंछल, कोषाध्यक्ष रोशन लाल मित्तल, के एस सदस्य प्रदीप अग्रवाल और अनिल गर्ग, परामर्शदाता गिरधारी लाल अग्रवाल, महिला समिति की संयोजिकाएं, सदस्याएं और अन्य उपस्थित थे।

सिखवाल युवा प्रकोष्ठ तेलंगाना एवं टीम फ्रेंड्स एंड भाई द्वारा प्रति अमावस्या अन्नदान प्रसादम निलोफर हॉस्पिटल के पास सोमवती अमावस्या व विशेष अधिक मास पर सम्पन्न हुआ इस अवसर पर रामदेव नागला, नटवरलाल व्यास, नरेश पांडिया, विष्णु कोलरिया, दिनेश पांडिया, कन्हैयालाल उपाध्याय व अन्य उपस्थित थे।

पुरुषोत्तम मास के शुभ अवसर पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एनके सिंह ने अपने परिवार के साथ श्रीशैलम में प्रातःकाल मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग के दर्शन किए। तत्पश्चात साक्षी गणपति जी का दर्शन कर पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर सर्वश्री एन.के. सिंह, श्रीमती. मालथी देवी, मनोहर सिंह, संदीप सिंह, रिंकी, सूरज आदित्य, ज्योति, ऋषिका उपस्थित रहे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.